सूर्योदय - 05:25
सूर्यास्त - 07:15
अधिकतम तापमान 40.0°
न्यूनतम तापमान 31.1°

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
RNI No.DELHI/2015/66886

ओपन सर्च

E-mail | opensearchdelhi@gmail.com
Facebook | https://www.facebook.com/opensearch.co.in
Website | www.opensearch.co.in

वर्ष : 10 | अंक : 105 नई दिल्ली, गुरूवार 21 मार्च-2024 | नई दिल्ली, हरियाणा, बिहार से प्रकाशित | ₹ मूल्य : 02 रूपए | पृष्ठ : 08

खबरें और विज्ञापन के लिए सम्पर्क करें
Mob.: 9210092542
opensearchnews@gmail.com

दिल्ली जल बोर्ड के तीन हजार करोड़ रुपए रोकने का मामला, एक अप्रैल को सुनवाई

मुख्य न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़, न्यायमूर्ति जे बी पारदीवाला और न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा की पीठ ने वरिष्ठ अधिवक्ता ए एम सिंघवी की दिल्ली सरकार की याचिका पर शीघ्र सुनवाई करने की गुहार पर विचार के बाद एक अप्रैल के लिए सूचीबद्ध करने का निर्देश दिया।

नई दिल्ली.एजेंसी

उच्चतम न्यायालय दिल्ली जल बोर्ड के लिए बजट में निर्धारित तीन हजार करोड़ रुपये कथित तौर पर रोकने के खिलाफ दायर दिल्ली सरकार की याचिका पर एक अप्रैल को सुनवाई करेगा। मुख्य न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़, न्यायमूर्ति जे बी पारदीवाला और न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा की पीठ ने वरिष्ठ अधिवक्ता ए एम सिंघवी की दिल्ली सरकार की याचिका पर शीघ्र सुनवाई करने की गुहार पर विचार के बाद एक अप्रैल के लिए सूचीबद्ध करने का निर्देश दिया। पीठ के समक्ष श्री सिंघवी ने 'विशेष उल्लेख' के दौरान कहा कि बजट 31 मार्च को समाप्त हो जाएगा, लिहाज शुक्रवार को सुनवाई की जाए। उन्होंने कहा, 'मैंने (दिल्ली सरकार) बजट पारित कर दिया है। मैंने कानून पारित कर दिया है। मंत्री को निर्देशित किया गया है फिर भी दिल्ली जल बोर्ड का बजट जारी नहीं किया जा रहा है। यह 31 मार्च को समाप्त हो जाएगा। अदालत इसे शुक्रवार को सुनवाई के लिए सूचीबद्ध कर सकती है, क्योंकि समस्या यह है कि 31 मार्च को तीन हजार करोड़ रुपये लैप्स हो जाएंगे।' इस पर पीठ ने दिल्ली सरकार को आश्वासन दिया कि वह दिल्ली जल बोर्ड को दी जाने वाली तीन हजार करोड़ रुपये की धनराशि 31 मार्च को समाप्त होने के बाद भी जारी करने का आदेश दे सकती है। पीठ ने कहा, 'अगर हम एक अप्रैल को सूचीबद्ध करते हैं तो हम हमेशा उलटफेर का निर्देश दे सकते हैं। यह हमारे लिए केवल एक वित्तीय प्रविष्टि है। सुनवाई के दौरान जो कुछ भी होगा, हम कर सकते हैं।' दिल्ली की आम आदमी पार्टी सरकार ने अपनी याचिका में दावा किया कि मुख्य सचिव नरेश कुमार के निर्देश पर वित्त विभाग ने जल बोर्ड के लिए पारित धनराशि रोक दी है।

स्टार्ट-अप महाकुंभ का उद्घाटन

पीएम ने स्टार्ट-अप महाकुंभ के महत्व पर प्रकाश डाला और 2047 तक विकसित भारत के निर्माण के लिए देश के रोडमैप पर बल दिया

विजय कुमार.ओपन सर्च

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने नई दिल्ली के भारत मंडपम में स्टार्ट-अप महाकुंभ का उद्घाटन किया। इस अवसर पर उन्होंने आयोजित प्रदर्शनी का अवलोकन भी किया। सभा को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने स्टार्ट-अप महाकुंभ के महत्व पर प्रकाश डाला और 2047 तक विकसित भारत के निर्माण के लिए देश के रोडमैप पर बल दिया। प्रधानमंत्री ने पिछले कुछ दशकों में सूचना प्रौद्योगिकी और सॉफ्टवेयर क्षेत्र में भारत की छाप छोड़ने का उल्लेख किया और नवाचार तथा स्टार्ट-अप संस्कृति के उभरते रुझानों को रेखांकित किया। प्रधानमंत्री ने कहा कि स्टार्ट-अप जगत के लोगों की उपस्थिति आज के अवसर के महत्व को दर्शाती है। देश में स्टार्ट-अप की सफलता पर चर्चा करते हुए प्रधानमंत्री ने उस मौलिक प्रतिभाशाली तत्व की ओर ध्यान आकर्षित किया जो उन्हें सफल बनाता है। उन्होंने निवेशकों, इनक्यूबेटरों, शिक्षाविदों, शोधकर्ताओं, उद्योग के अग्रणी सदस्यों और वर्तमान एवं भविष्य के उद्यमियों की उपस्थिति को स्वीकारते हुए कहा कि वास्तव में यह महाकुंभ अभूतपूर्व ऊर्जा और जीवंतता का निर्माण कर रहा है। प्रधानमंत्री ने कहा कि जब वे खेल और प्रदर्शनी स्टॉलों का दौरा कर रहे थे, तो उन्हें इसी भावना का अनुभव हुआ। इन स्टॉलों पर लोगों ने बड़े गर्व से अपने नवाचारों का प्रदर्शन किया। उन्होंने कहा कि स्टार्ट-अप महाकुंभ में आने वाला कोई भी भारतीय भविष्य के यूनिकॉर्न और डेकाकॉर्न का साक्षी बनेगा। प्रधानमंत्री ने सही नीतियों के कारण देश में स्टार्टअप इकोसिस्टम के विकास पर संतोष व्यक्त किया। समाज में स्टार्टअप की अवधारणा के प्रति शुरुआती अनिच्छा और उदासीनता का स्मरण करते हुए उन्होंने कहा कि स्टार्टअप इंडिया के अंतर्गत समय के साथ नवोन्मेषी विचारों को मंच मिला। उन्होंने फंडिंग स्रोतों और शैक्षणिक संस्थानों में इनक्यूबेटरों के साथ विचारों को जोड़कर इकोसिस्टम के विकास को रेखांकित करते हुए कहा कि इससे टियर 2 और टियर 3 शहरों के युवाओं को सुविधाएं प्रदान की हैं। उन्होंने कहा कि स्टार्टअप एक सामाजिक संस्कृति बन गया है और सामाजिक संस्कृति को कोई नहीं रोक सकता। प्रधानमंत्री ने कहा कि स्टार्टअप क्रांति का नेतृत्व छोटे शहरों द्वारा किया जा रहा है और यह क्रांति कृषि, वस्त्र, चिकित्सा, परिवहन, अंतरिक्ष, योग और आयुर्वेद सहित कई क्षेत्रों में परिलक्षित हो रही है। अंतरिक्ष स्टार्टअप के बारे में विस्तार से जानकारी देते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि भारतीय स्टार्टअप अंतरिक्ष क्षेत्र में 50 से अधिक क्षेत्रों में काम कर रहे हैं, जिनमें स्पेस शटल का प्रक्षेपण भी शामिल है। प्रधानमंत्री ने स्टार्टअप्स के बारे में बदलती सोच पर टिप्पणी की। उन्होंने कहा कि स्टार्टअप्स ने यह मानसिकता बदल दी है कि व्यवसाय शुरू करने के लिए बहुत अधिक धनराशि की आवश्यकता होती है। उन्होंने नौकरी मांगने वाले के बजाय नौकरी देने वाला बनने का रास्ता चुनने के लिए देश के युवाओं की सराहना की। उन्होंने कहा कि भारत में 1.25 लाख स्टार्टअप कार्य कर रहे हैं। यहां तीसरा सबसे बड़ा स्टार्टअप इकोसिस्टम है, जिसमें 12 लाख युवा सीधे तौर पर जुड़े हुए हैं। प्रधानमंत्री ने उद्यमियों से अपने पेटेंट शीघ्रता से दाखिल करने के प्रति सतर्क रहने को कहा। जीईएम पोर्टल ने व्यवसायों और स्टार्टअप्स को 20,000 करोड़ रुपये से भी अधिक प्रदान किए हैं। उन्होंने नए क्षेत्रों में जाने के लिए युवाओं की सराहना की। प्रधानमंत्री ने कहा कि नीतिगत मंचों पर शुरू किए गए स्टार्ट-अप आज नई ऊंचाइयों को छू रहे हैं। डिजिटल इंडिया द्वारा स्टार्ट-अप को प्रदान किए गए प्रोत्साहन को रेखांकित करते हुए, प्रधानमंत्री ने कहा कि यह बड़ा प्रेरणा स्रोत है। उन्होंने सुझाव दिया कि कॉलेज इसे एक अध्ययन के रूप देखें। उन्होंने कहा कि यूपीआई फिन-टेक स्टार्ट-अप के लिए समर्थन का एक स्तंभ बन गया है जो देश में डिजिटल सेवाओं के विस्तार के लिए नवीन उत्पादों और सेवाओं के विकास का नेतृत्व करता है। उन्होंने जी20 शिखर सम्मेलन के दौरान भारत मंडपम में स्थापित एक बूथ पर उद्योग और वैश्विक नेताओं की लंबी कतारों को याद किया, जिसमें यूपीआई की कार्यप्रणाली समझाई गई थी और ट्रायल रन की पेशकश की गई थी। प्रधानमंत्री ने कहा कि इससे वित्तीय समावेशन सुदृढ़ हुआ है और ग्रामीण एवं शहरी स्तर पर खाई में कमी आई है। प्रौद्योगिकी का विस्तार शहरों के साथ-साथ ग्रामीण क्षेत्रों में तक हुआ है। प्रधानमंत्री ने प्रसन्नता व्यक्त की कि देश में 45 प्रतिशत से अधिक स्टार्ट-अप महिलाओं के नेतृत्व वाले हैं, चाहे वह शिक्षा, कृषि या स्वास्थ्य हो। प्रधानमंत्री ने न केवल विकसित भारत के लिए बल्कि मानवता के लिए नवाचार की संस्कृति के महत्व पर बल दिया।

प्रधानमंत्री ने कहा कि स्टार्ट-अप जगत के लोगों की उपस्थिति आज के अवसर के महत्व को दर्शाती है। देश में स्टार्ट-अप की सफलता पर चर्चा करते हुए प्रधानमंत्री ने उस मौलिक प्रतिभाशाली तत्व की ओर ध्यान आकर्षित किया जो उन्हें सफल बनाता है।

एक नज़र

कांग्रेस सांसद अब्दुल खालिक ने इस्तीफा वापस लिया

नई दिल्ली.एजेंसी पिछले दिनों कांग्रेस से इस्तीफा देने के बाद असम के बारपेटा से लोकसभा सदस्य सोमनोम अब्दुल खालिक ने बुधवार को कांग्रेस नेतृत्व से मिलकर अपना इस्तीफा वापस ले लिया। खालिक ने पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे से उनके आवास पर उनसे मुलाकात की और इस्तीफा वापस लेने का पत्र उन्हें सौंपा। इससे पहले उन्होंने आज यहां कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया गांधी तथा अन्य नेताओं से मुलाकात की। उनका कहना था कि कांग्रेस नेतृत्व ने उनकी सारी अनबन को दूर कर दिया है और मनमुटाव दूर होने के बाद वह अपना इस्तीफा वापस ले रहे हैं। गौरतलब है कि श्री खालिक ने कुछ दिन पहले कांग्रेस की प्राथमिक सदस्यता से इस्तीफा दे दिया था। उनका कहना था कि पार्टी अपनी विचारधारा से बदल गई है।

मोदी की पुतिन को जीत की बधाई, यूक्रेन के मुद्दे को बातचीत हल करने की राय दोहराया

नई दिल्ली.एजेंसी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बुधवार को रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन को टेलीफोन पर वहां चुनाव में उनकी पुनः जीत पर बधाई दी और रुस की जनता की शांति और समृद्धि की कामना व्यक्त की। मोदी ने रुसी राष्ट्रपति से बाचतीत में रुस-यूक्रेन संघर्ष का समाधान बातचीत और कूटनीतिक तरीके से हल करने के भारत के मत को दोहराया। प्रधानमंत्री कार्यालय की एक विज्ञप्ति के मुताबिक श्री मोदी और श्री पुतिन फोन पर वार्ता के दौरान आने वाले वर्षों में दोनों देशों के बीच विशिष्ट रणनीतिक साझेदारी को और मजबूत करने की दिशा में ठोस प्रयास करने पर सहमत हुए। विज्ञप्ति के अनुसार दोनों नेताओं ने द्विपक्षीय सहयोग के विभिन्न मुद्दों में प्रगति की भी समीक्षा की और आपसी हित के क्षेत्रीय एवं वैश्विक मुद्दों पर विचारों का आदान-प्रदान किया।

मध्यप्रदेश में छह लोकसभा क्षेत्रों में चुनाव संबंधी अधिसूचना जारी

राज्य के मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी कार्यालय के अनुसार पहले चरण में सीधी, शहडोल, जबलपुर, मंडला, बालाघाट और छिंदवाड़ा संसदीय क्षेत्रों में चुनाव होगा।

भोपाल.एजेंसी

मध्यप्रदेश में लोकसभा चुनाव के पहले चरण के तहत छह संसदीय क्षेत्रों में चुनाव संबंधी अधिसूचना आज जारी होने के साथ ही नामांकनपत्र दाखिले की प्रक्रिया प्रारंभ हो गयी। राज्य के मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी कार्यालय के अनुसार पहले चरण में सीधी, शहडोल, जबलपुर, मंडला, बालाघाट और छिंदवाड़ा संसदीय क्षेत्रों में चुनाव होगा। अधिसूचना जारी होने के साथ ही अब प्रत्याशी नामांकनपत्र भर सकेंगे। इन छह क्षेत्रों में नामांकनपत्र 27 मार्च तक दाखिल किए जा सकेंगे। इसके अगले दिन 28 मार्च को नामांकनपत्रों की जांच होगी। नाम वापसी की अंतिम तारीख 30 मार्च है। पहले चरण के लिए मतदान 19 अप्रैल को होगा। राज्य में लोकसभा की कुल 29 सीट हैं। पहले चरण में छह सीटों पर चुनाव हो रहा है, जबकि दूसरे, तीसरे और चौथे चरण में क्रमशः सात और आठ-आठ सीटों पर मतदान 26 अप्रैल, सात मई और तेरह मई को होगा।

राज्य में लोकसभा चुनाव में मुख्य मुकाबला सत्तारूढ़ दल भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और कांग्रेस के बीच है। वर्ष 2019 के लोकसभा चुनाव में भाजपा ने 29 में से 28 सीटों पर विजय हासिल की थी। इस बार भाजपा छिंदवाड़ा समेत सभी सीटों पर विजय के लक्ष्य के साथ मैदान में है। मतों की गिनती का कार्य चार जून को होगा।

सेना के टैंकों के लिए उच्च शक्ति वाले स्वदेशी इंजन का सफल परीक्षण

नई दिल्ली.एजेंसी

रक्षा सचिव गिरिधर अरमाने ने सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम भारत अर्थ मूवर्स लिमिटेड बीईएमएल के मैसूर परिसर में मुख्य युद्धक टैंकों के लिए पहले स्वदेशी 1500 हॉर्स पावर (एचपी) इंजन के पहले परीक्षण की अध्यक्षता की।

सेना के प्रमुख युद्धक टैंकों के लिए देश में ही निर्मित 1500 हॉर्स पावर के इंजन का बुधवार को सफल परीक्षण किया गया। रक्षा सचिव गिरिधर अरमाने ने सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम भारत अर्थ मूवर्स लिमिटेड बीईएमएल के मैसूर परिसर में मुख्य युद्धक टैंकों के लिए पहले स्वदेशी 1500 हॉर्स पावर (एचपी) इंजन के पहले परीक्षण की अध्यक्षता की। यह उपलब्धि देश में एक नए युग की शुरुआत है। इससे रक्षा क्षमताओं, तकनीकी कौशल और रक्षा प्रौद्योगिकियों में आत्मनिर्भरता के प्रति देश की वचनबद्धता का पता चलता है। यह इंजन सैन्य प्रणोदन प्रणालियों में आदर्श बदलाव का प्रतीक है, जिसमें उच्च शक्ति-से-वजन अनुपात, ऊंचाई, शून्य से नीचे तापमान और रेगिस्तानी वातावरण सहित चरम स्थितियों में संचालन क्षमता जैसी अत्याधुनिक विशेषताएं हैं। उन्नत प्रौद्योगिकियों से सुसज्जित, यह इंजन विश्व स्तर पर सबसे उन्नत इंजनों के समकक्ष है। रक्षा सचिव ने इस उपलब्धि को परिवर्तनकारी क्षण बताते हुए कहा यह सशस्त्र बलों की क्षमताओं को बढ़ाएगा। बीईएमएल के मुख्य प्रबंध निदेशक शांतनु रॉय ने कहा कि यह उपलब्धि देश में रक्षा उत्पादन में एक प्रमुख योगदानकर्ता के रूप में बीईएमएल की स्थिति को मजबूत करती है, जो इस महत्वपूर्ण क्षेत्र में देश की जरूरतों को पूरा करने की उसकी प्रतिबद्धता को रेखांकित करती है।

जम्मू कश्मीर के प्रमुख नेता चौधरी लाल सिंह कांग्रेस में शामिल

नई दिल्ली.एजेंसी

जम्मू कश्मीर की प्रमुख नेता एवं राज्य में विभिन्न सरकारों में मंत्री रही डोगरा स्वाभिमान संगठन पार्टी के अध्यक्ष चौधरी लाल सिंह बुधवार को समर्थकों के साथ कांग्रेस में शामिल हो गए। कांग्रेस के जम्मू कश्मीर के प्रभारी महासचिव भरत भाई सोलंकी पार्टी के संचार विभाग के प्रभारी पवन खेड़ा तथा प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष ने बुधवार को यहां पार्टी मुख्यालय में संवाददाता सम्मेलन के दौरान उन्हें अंग वस्त्र पहनकर उन्हें कांग्रेस पार्टी की सदस्यता दिलाई। सोलंकी ने इस मौके पर कहा कि 2024 में बड़ा राजनीतिक बदलाव होने जा रहा है और कांग्रेस बहुमत के साथ केंद्र की सत्ता में आएगी। राजनीति में जम्मू कश्मीर की भूमिका अहम साबित होगी। उनका कहना था कि लाल सिंह चौधरी के पार्टी के साथ कांग्रेस में शामिल होने से साफ है कि जम्मू कश्मीर में बड़ा राजनीतिक बदलाव होने जा रहा है। चौधरी लाल सिंह ने कहा कि उन्होंने वैष्णो देवी में पिट्ठू वाले, घोड़े वालों पर जो टैक्स लगता था उसे माफ करवाया। उन्होंने कहा कि यह संयोग है कि वह जिस पार्टी में खड़े होते हैं वह पार्टी सत्ता में आती है। उन्होंने कहा कि 2004 में भाजपा का शाइनिंग इंडिया नारा चरम पर था तो तब उन्होंने भाजपा को हराया गया था। उन्होंने कहा कि आज वह कांग्रेस में शामिल हो रहे हैं। लोग डर के मारे भाजपा में शामिल हो रहे हैं, लेकिन वह डरने वाले नहीं है और कभी वह डरेंगे भी नहीं और लड़ते लड़ेंगे। उन्होंने कहा कि जम्मू कश्मीर में चुनाव लड़ना आसान नहीं है। उन पर कई हमले हुए हैं और वह बार-बार बचते रहे हैं। एक बार के हमले में तो उनके साथ के आठ लोग मारे गए लेकिन वह बच गए।

'चुनावी बॉन्ड से भाजपा को ज्यादा चंदा मिलने की बात सबसे बड़ा झूठ'

नई दिल्ली.एजेंसी

अमित शाह ने भाजपा को चुनावी बॉन्ड के मार्फत ज्यादा चंदा मिलने के विपक्ष के दावे को सरासर झूठ करार दिया है। शाह ने साफ किया कि इंडी गठबंधन को भी भाजपा के बराबर ही 6200 करोड़ का चंदा चुनावी बॉन्ड के मार्फत मिला है। चुनावी बॉन्ड को लेकर विपक्ष के हमले का जवाब देते हुए उन्होंने कहा कि गुरूवार को इनकी जानकारी सार्वजनिक होने के बाद विपक्षी नेताओं को मुंह छुपाने की जगह नहीं मिलेगी। सुप्रीम कोर्ट के फैसले पर सीधी टिप्पणी करने से बचते हुए शाह ने कहा कि चुनावी बॉन्ड योजना से राजनीतिक फंडिंग में कालेधन के इस्तेमाल रोकने में काफी हद तक मिल रही थी और इसके लिए उन्होंने आंकड़े भी प्रस्तुत किये।

एक मीडिया समूह के कार्यक्रम में बोलते हुए अमित शाह ने विपक्ष पर चुनावी बॉन्ड योजना के बारे में झूठ फैलाने का आरोप लगाया। चुनावी बॉन्ड को सरकार की हफ्ता वसूली वाले राहुल गांधी के बयान जवाब देते हुए उन्होंने कहा कि उन्हें बताना चाहिए कि कांग्रेस ने 1600 करोड़ रुपये की हफ्ता वसूली किससे की। सरकार से मदद की आड़ में बॉन्ड लेने के झूठ का पर्दाफाश करते हुए उन्होंने कहा कि भाजपा को चुनावी बॉन्ड से 90 फीसद फंड चुनाव के दौरान मिला है, जब आदर्श चुनाव आचार संहिता लागू होती है।

आदर्श चुनाव आचार संहिता लागू होने के दौरान सरकार किसी भी मदद करने की स्थिति में नहीं होती है। उन्होंने कहा कि इनमें से तीन हजार करोड़ रुपये से अधिक के चुनावी बॉन्ड 2019 में चुनाव के दौरान लागू आदर्श चुनाव आचार संहिता के बीच मिले थे। अमित शाह ने कहा कि चुनावी बॉन्ड योजना लागू होने से राजनीतिक फंडिंग में कालेधन का इस्तेमाल कम करने में मदद मिली है। इसके लिए उन्होंने भाजपा के फंडिंग का उदाहरण दिया।

कांग्रेस की सरकारों में भ्रष्टाचार की गति तेज, मोदी सरकार में विकास की गति बढ़ी : मुख्यमंत्री सैनी

ओपन सर्च. संवाददाता

मुख्यमंत्री नायब सैनी ने कहा कार्यकर्ताओं को एक-एक वोटर तक पहुंचना है। उन्होंने कहा कि ऐसा कोई व्यक्ति छूटना नहीं चाहिए जिससे भाजपा के कार्यकर्ता ने संपर्क ना किया हो। इस बैठक में मुख्य रूप से पूर्व मुख्यमंत्री मनोहर लाल, चुनाव सह प्रभारी सुरेंद्र नागर, चुनाव प्रबंधन समिति हरियाणा के संयोजक सुभाष बराला, संगठनमंत्री फणीन्द्रनाथ शर्मा मौजूद रहे।

चंडीगढ़। इस बार लोकसभा चुनाव में भाजपा का फोकस 2019 चुनाव के मुकाबले बड़ी जीत दर्ज करने पर है। इसको लेकर संगठन विभिन्न स्तरों पर विभिन्न प्रकार की बैठकें और कार्यक्रम लगातार कर रहा है। इसी कड़ी में बुधवार को भाजपा की चुनाव प्रबंधन समिति की बैठक रोहतक के नए प्रदेश कार्यालय ''मंगल कमल'' में हुई, जिसमें हर वोटर से संपर्क करने का स्पष्ट संदेश दिया गया। मुख्यमंत्री नायब सैनी ने कहा कार्यकर्ताओं को एक-एक वोटर तक पहुंचना है। उन्होंने कहा कि ऐसा कोई व्यक्ति छूटना नहीं चाहिए जिससे भाजपा के कार्यकर्ता ने संपर्क ना किया हो। इस बैठक में मुख्य रूप से पूर्व मुख्यमंत्री मनोहर लाल, चुनाव सह प्रभारी सुरेंद्र नागर, चुनाव प्रबंधन समिति हरियाणा के संयोजक सुभाष बराला, संगठनमंत्री फणीन्द्रनाथ शर्मा मौजूद रहे। पूर्व सीएम मनोहर लाल, सुरेंद्र नागर, सुभाष बराला, फणीन्द्रनाथ शर्मा ने भी उपस्थित पदाधिकारियों को चुनाव प्रबंधन के गुर दिए।

इन आला नेताओं की उपस्थिति में चुनाव प्रबंधन से जुड़े संगठनात्मक विषयों पर चर्चा हुई, साथ ही लोकसभा, विधानसभा के अलावा बूथ स्तर पर चुनाव जीतने के फार्मूला पर मंथन हुआ। मुख्यमंत्री नायब सैनी ने कहा कि भाजपा का कार्यकर्ता पार्टी की रीढ़ है। उन्होंने कहा कि कार्यकर्ता बड़ी मजबूती से लोकसभा चुनाव को ऐतिहासिक बनाते हुए दस की दस सीटें बड़े मार्जिन से जिताने का काम करेंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि 25 मई तक दिन-रात काम करना है। कार्यकर्ताओं की निष्ठा और समर्पण भाव व जनता-जनार्दन के आशीर्वाद से सभी सीटों पर जीत निश्चित है। उन्होंने कहा कि नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में तीसरी बार सरकार बनाकर भाजपा भारत को विकसित राष्ट्र बनने के रास्ते पर तेजी से बढ़ेगी। बैठक के बाद पत्रकारों से बातचीत करते हुए मुख्यमंत्री नायब सैनी ने कहा कि डबल इंजन की सरकार ने प्रदेश में खुशहाली लाकर एक सकारात्मक वातावरण तैयार किया है, ताकि हरियाणा विकसित होने की राह पर तेजी से आगे बढ़ सके। उन्होंने कहा कि जनता को घर बैठे योजनाबद्ध तरीके से इन 10 सालों में लाभ पहुंचाया गया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि आज की बैठक इन दस सालों में हुए कामों के मैनेजमेंट को लेकर पदाधिकारियों से हुई है। पत्रकार द्वारा चुनाव को लेकर पूछे गए एक सवाल का जवाब देते हुए मुख्यमंत्री नायब सैनी ने कहा कि चुनाव में भाजपा के लिए कोई चुनौती नहीं है।

एक नज़र

लोकसभा चुनाव के लिए कंट्रोल रूम नंबर और ई-मेल जारी, दे सकते हैं शिकायत और सुझाव

गाजियाबाद (एजेंसी) लोकसभा चुनाव को लेकर निष्पक्ष और शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न कराने के लिए जिला निर्वाचन की ओर से कंट्रोल रूम स्थापित किया गया है। मतदाताओं के सुझाव और शिकायत के लिए टेलीफोन नंबर 0120-2822980, 0120-2822981, 0120-2822982, 0120-2822983 के अलावा ई-मेल controlroomgzbw®wy@gmail.com जारी की गई है। मतदाता किसी भी शिकायत और सुझाव के लिए 24 घंटे इन टेलीफोन नंबर को डॉयल कर सकते हैं और ई-मेल पर भी अपनी शिकायत व सुझाव दे सकते हैं।

जिला निर्वाचन अधिकारी इंद्र विक्रम सिंह ने बताया कि इन नंबरों पर मतदाता पहचान पत्र, मतदान केंद्र, मतदान स्थल आदि की जानकारी भी ले सकते हैं। यदि कहीं आदर्श आचार संहिता का उल्लंघन होता हुआ दिखाई दे तो इसकी शिकायत दर्ज करा सकते हैं। उन्होंने बताया कि शिकायत और सुझाव पर जिला निर्वाचन टीम तत्काल कार्रवाई करेगी। आचार संहिता लागू होने से लेकर मतगणना समाप्ति तक कंट्रोल रूम संचालित रहता है।

यूपी में इस जिले में चलेगा प्रशासन का बुलडोजर, नियम ताक पर रखकर हो रहा कालोनियों का निर्माण

सरधना (एजेंसी) कस्बे में मेरठ विकास प्राधिकरण यानि मेडा की सीमा में बिना मानचित्र व नियमों को ताक पर रखकर बन रहीं कालोनियों पर जल्द ही बुलडोजर चलेगा। प्राधिकरण अधिकारियों ने इसके लिए योजना बनानी शुरू कर दी है। अधिकारियों का कहना है कि जल्द ही ऐसी कालोनियों पर कार्रवाई होगी, क्योंकि गत दिनों कार्रवाई के दौरान ग्रामीणों ने नवाबगढ़ी व मेरठ-नानू रोड पर निर्माणाधीन अवैध कालोनियों की शिकायत की थी।

बता दें कि गत दिनों सरधना-दौराला रोड पर बिना मानचित्र व नियमों को ताक पर रखकर बनी कालोनियों पर बुलडोजर चलाकर मेडा ने सड़क को खुर्दबुर्द कर दिया था। इसके बाद कालोनाइजरों ने फिर से निर्माण करना शुरू कर दिया था। जिस पर हाल ही में टीम ने पहुंचकर कार्रवाई की थी। उस दौरान आसपास के ग्रामीणों ने अधिकारियों को मेरठ-नानू रोड और नवाबगढ़ी रोड पर बन रही कालोनियों के बारे में भी शिकायत की थी।

गंगा एक्सप्रेस-वे किनारे 825 किसानों की जमीन हो रही अधिग्रहित

मेरठ (एजेंसी) गंगा एक्सप्रेस-वे के किनारे औद्योगिक गलियारा विकसित करने के लिए किसान लगातार अपनी भूमि का बैनामा करा रहे हैं। मंगलवार को जिला प्रशासन ने कुल 85.44 हेक्टेयर भूमि का अधिग्रहण किसानों से सीधे जमीन की खरीद कर किया। इस तरह से कुल 213 हेक्टेयर जमीन में 40 प्रतिशत जमीन के अधिग्रहण की प्रक्रिया मेरठ में पूरी कर ली गई है। औद्योगिक गलियारे के लिए जमीन का अधिग्रहण करने में मेरठ जिला पहले नंबर पर है। अधिग्रहण प्रक्रिया के अंतर्गत 825 किसानों से कुल 213 हेक्टेयर जमीन की खरीद की जाएगी। अभी तक 216 किसानों ने 57 बैनामे कराकर जिला प्रशासन को अपनी जमीन दे दी है।

किसानों को कुल जमीन के बदले करीब 750 करोड़ रुपये के मुआवजे का भुगतान किया जाएगा। शासन ने मुआवजे के लिए पहले 50 करोड़ और अब सप्ताह भर पहले 300 करोड़ रुपये का बजट जारी कर दिया है। तहसीलदार शैलेंद्र कुमार ने बताया कि एक माह से भी कम समय से 40 प्रतिशत जरूरी जमीन का अधिग्रहण दोनों गांवों में कर लिया गया है।

लखनऊ में 17 मई तक जारी रहेगी धारा 144, इन कार्यों पर रहेगा प्रतिबंध

लखनऊ (एजेंसी) लोकसभा चुनाव और त्योहारों को देखते हुए शहर में 17 मई तक के लिए धारा 144 को बढ़ाया गया है। जेसीपी कानून एवं व्यवस्था उपेंद्र कुमार अग्रवाल ने मंगलवार को निषेधाज्ञा के संबंध में जानकारी दी। उन्होंने बताया कि लोकसभा चुनाव की तारीखों के एलान के साथ ही आचार संहिता प्रभावी हो गई। इसके साथ ही मार्च माह में होली और रमजान है। अप्रैल में ईद का त्योहार मनाया जाना है।

जेसीपी ने बताया कि 20 जनवरी से धारा 144 17 मार्च तक के लिए प्रभावी की गई थी। जिसे 17 मई तक के लिए बढ़ाया गया है। लोकसभा चुनाव 2024 को देखते हुए विभिन्न राजनैतिक संगठनों के कार्यक्रम भी हो सकते हैं। इसके साथ ही भारतीय किसान यूनियन व अन्य संगठनों के प्रदर्शनों को देखते हुए शहर में धारा 144 (निषेधाज्ञा) 17 मई तक के लिए प्रभावी की गई है। जेसीपी ने बताया कि विधानभवन समेत हाई सिक्योरिटी जोन में आने वाले स्थानों में ड्रोन से शूटिंग प्रतिबंधित रहेगी।

एसटीएफ आगरा ने कानपुर में मारा छापा, चोरी की गई एक करोड़ की सुपारी बरामद

कानपुर (एजेंसी) आगरा के सैंया कोतवाली क्षेत्र से चोरी गए सुपारी लदे ट्रक को एसटीएफ आगरा ने पनकी स्थित एक गोदाम से बरामद कर लिया है। एसटीएफ ने गोदाम से करीब एक करोड़ रुपये की चोरी गई सुपारी के साथ चार लोगों को गिरफ्तार किया है।

आरोपितों को लेकर एसटीएफ आगरा रवाना हो गई है। बेंगलुरु निवासी कान्ताराजू एसआर ने 16 फरवरी 2024 को आगरा की सैंया कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराया था। उन्होंने बताया कि पांच फरवरी को ट्रक से लायन ट्रांसपोर्ट के जरिये 350 बोरी सुपारी भेजी गई थी। यह माल गंतव्य तक नहीं पहुंचा। शिकायतकर्ता ने नूह निवासी ट्रक मालिक मो इब्राहिम और ट्रक चालक आशिफ को नामजद किया था। ट्रक में चालक का साथी सब्बीर भी था, जोकि ट्रक के मालिक का पड़ोसी है।

हत्या के करीब 40 घंटे के बाद बनारस पहुंचा धर्मेंद्र का शव, रो-रोकर पत्नी पूछती रही- पुलिस ने क्यों मार दी गोली

वाराणसी (एजेंसी)

हत्या के करीब 40 घंटे बाद राजकीय हाईस्कूल (महगांव) के शिक्षक धर्मेंद्र कुमार का शव मुजफ्फर नगर से बनारस पहुंचा। मंगलवार शाम पांच बजकर तीन मिनट पर जैसे ही चितईपुर (खैरा-कंदवा) टीचर्स कालोनी स्थित उनके आवास पर शव पहुंचा कोहराम मच गया। शव देखकर उनकी पत्नी रूपा देवी व उनकी मां हिरौता देवी बेसुध हो गई।

लोग उनकी पत्नी को होश में लाने का प्रयास करते रहे। वे होश में आतीं और दहाड़े मारकर रोने लगतीं। उनकी पत्नी, मां समेत परिवारीजन का रो-रो कर बुरा हाल था। आसपास की महिलाओं व लोगों का कलेजा मुंह को आ गया। उनकी पत्नी बार-बार लोगों से पूछती रहीं आखिर पुलिस ने गोली क्यों मार दी। हालांकि गमगीन इस माहौल में कोई जवाब देने वाला नहीं था। जब भी पूछतीं सन्नाटा छा जाता। मौके पर पहुंचे उनके रिश्तेदार, पड़ोसियों, शिक्षकों, शुभचिंतकों समेत सभी की आंखे नम थीं। परिजन एक-दूसरे को ढाढ़स बंधाते देखे गए। धर्मेंद्र बौद्ध धर्म को मानते थे। इससे आधा दर्जन बौद्ध धर्माचार्य भी पहुंचे थे। भंते बौद्ध रीति से अंतिम संस्कार के बाद शव को ले जाने के लिए जैसे लोग तैयार हुए। उनके परिवारीजन मौके पर जिलाधिकारी को बुलाने की मांग पर अड़ गए। इसकी सूचना मिलने पर जिलाधिकारी एस राजलिंगम करीब छह बजकर 31 मिनट पर धर्मेंद्र के आवास पर पहुंचे और पुष्पांजलि अर्पित की। धर्मेंद्र के भाई जितेंद्र व परिवारीजन के साथ आधा घंटे तक बात की। इस दौरान उनके परिवारीजन ने भदोही में शिक्षक पद पर तैनात मृतक की पत्नी को वाराणसी स्थानांतित करने, छोटे भाई जितेंद्र को सरकारी नौकरी, बची हुई नौकरी के वेतन को एकमुश्त दिलाने सहित विभिन्न मांगें रखी।

डीएम ने मांग शासन को प्रेषित करने का आश्वासन दिया। डीएम के आश्वासन के बाद शाम छह बजकर

शव देखकर उनकी पत्नी रूपा देवी व उनकी मां हिरौता देवी बेसुध हो गईं। लोग उनकी पत्नी को होश में लाने का प्रयास करते रहे। वे होश में आतीं और दहाड़े मारकर रोने लगतीं। उनकी पत्नी, मां समेत परिवारीजन का रो-रो कर बुरा हाल था। आसपास की महिलाओं व लोगों का कलेजा मुंह को आ गया।

57 मिनट पर वाहन से शवयात्रा निकली। बौद्ध की करुणा हो, धर्मेंद्र कुमार अमर रहे के नारे के साथ जब शिक्षक का शव निकला तो सबकी आंखे नम हो गई। बड़ी संख्या में पहुंचे शिक्षकों,परिवारीजन सहित सैकड़ों की संख्या में लोगों ने इस घटना की निंदा की। लोगों ने यह भी आरोप लगाया कि प्रशासन की लापरवाही से इतनी बड़ी घटना हुई। शवयात्रा में जिलाधिकारी एस राजलिंगम, एमएलसी लाल बहादुर यादव, पूर्व एमएलसी चेतनारायण सिंह, वाराणसी मंडल के संयुक्त शिक्षा निदेशक रामशरण सिंह, डीआइओएस अवध किशोर सिंह, सह-जिला विद्यालय निरीक्षक जयराम सिंह, राजकीय हाईस्कूल (महगांव) के प्रधानाचार्य श्रीराम यादव, क्वींस कालेज के प्रधानाचार्य डा. सुमित श्रीवास्तव, उप प्रधानाचार्य डा. बृजेश सिंह, एडीएम सिटी, एडीसीपी, एसीपी समेत लोहता, मंडुवाडीह, रोहनियां की फोर्स संग पुलिस बल शामिल थे। अंतिम संस्कार सरायमोहना स्थित श्मशान घाट पर बौद्ध धर्म रीति से हुआ। मुखाग्नि उनके छोटे भाई जितेंद्र ने दी। वहीं घाट बड़ी संख्या में शिक्षक पहुंचे थे।

मूल रूप से चंदौली जिले के रामगढ़ बैराठ निवासी शिक्षक धर्मेंद्र कुमार की मुजफ्फरनगर में गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। वह यूपी बोर्ड परीक्षा की कापी लेकर मुजफ्फरनगर गए थे। उनकी हत्या का आरोप उनके साथ गए हेड कांस्टेबल चंद्र प्रकाश पर है।

इवीएम को लेकर झूठी सूचना फैलाई तो होगी कार्रवाई, इस नियम का हर हाल में करना होगा पालन

गोरखपुर (एजेंसी)

उप जिला निर्वाचन अधिकारी विनीत सिंह ने कहा कि निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार जिला प्रशासन जिले में शांतिपूर्ण, स्वतंत्र एवं निष्पक्ष चुनाव आयोजित कराने के लिए पूरी तरह से तैयार है। सभी राजनीतिक दल आदर्श आचार संहिता का पूरी तरह से पालन करें। इसका उल्लंघन करने पर जीरो टालरेंस की नीति अपनाई जाएगी। यदि किसी जगह पर आदर्श आचार संहिता का उल्लंघन होता मिले को तो कोई भी व्यक्ति जिला प्रशासन को आनलाइन (सी विजिल एप पर) या फिर फोन या खुद उपस्थित होकर प्रशासनिक अधिकारियों को सूचना दे सकता है। नाम गोपनीय रखा जाएगा। निर्वाचन प्रक्रिया और ईवीएम के विषय में फेक न्यूज फैलाने वालों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की जाएगी। झूठी अफवाह फैलाने वालों पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी। उप जिला निर्वाचन अधिकारी मंगलवार को कलेक्ट्रेट सभागार में लोकसभा सामान्य निर्वाचन की तैयारियों के क्रम में सभी राजनीतिक दलों के अध्यक्ष व प्रतिनिधियों के साथ बैठक कर रहे थे। उन्होंने सभी को आदर्श आचार संहिता के बारे में विस्तार से जानकारी दी। कहा कि लोकतंत्र का यह महापर्व हम सबका पर्व है और इस पर्व को बंधुत्व के भाव एवं ,सौहार्द के साथ सम्पन्न कराने की जिम्मेदारी हम सबकी है। उन्होंने राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों से अपील करते हुए कहा कि सभी आदर्श आचार संहिता के दायरे में रहते हुए सक्षम स्तर से अनुमति प्राप्त करने के बाद ही प्रचार-प्रसार का कार्य करें। प्रचार-प्रसार के दौरान ऐसा कोई कार्य ना किया जाए, जिससे किसी व्यक्ति अथवा समुदाय की भावना को ठेस पंहुचें। उन्होंने कहा कि कोई भी राजनीतिक दल या अभ्यर्थी अपने अनुयायियों को किसी भी व्यक्ति की अनुमति के बिना उसकी भूमि, भवन, परिसर की दीवारों इत्यादि पर झंडा लगाने, बैनर लटकाने, सूचना चिपकाने, नारा लिखने आदि की अनुमति नहीं देगा। उप जिला निर्वाचन अधिकारी ने निर्वाचन संबंधी तैयारियों से राजनीतिक दलों को अवगत कराया। प्रतिनिधियों को नामांकन स्थल, स्ट्रांग रूम से लेकर मतगणना आदि के लिए प्रस्तावित स्थलों के बारे में भी जानकारी दी। बताया कि चुनाव से संबंधित किसी भी समस्या के समाधान के लिए सिंगल विंडो सिस्टम बनाया गया है। राजनैतिक दल या प्रत्याशी निर्वाचन से संबंधित कोई भी अनुमति 'सुविधा एप' पर आनलाइन आवेदन करके प्राप्त कर सकते हैं। उन्होंने सभी दलों से निष्पक्ष, पारदर्शी और शुचितापूर्ण मतदान के लिए सहयोग की अपील की। बैठक में मुख्य कोषाधिकारी ने बताया कि नामांकन के दौरान प्रत्याशियों को चुनावी व्यय की जानकारी अंकित करने के लिए रजिस्टर दिया जाएगा।

पोस्टमार्टम के बाद अंतिम संस्कार को लाए गए बच्चों के शव, पुलिस ने साजिद के पिता-चाचा को हिरासत में लिया

बदायूं (एजेंसी)

शहर की बाबा कालोनी में दो बच्चों की हत्या के मामले में देर रात पिता ने प्राथमिकी लिखाई। जिसमें साजिद के साथ उसके भाई को भी आरोपित बनाया है। उनका आरोप है कि दोनों भाई घर में घुसे और बेटों की हत्या कर फरार हो गए। हत्या क्यों की गई इसकी वजह स्पष्ट नहीं कर सके। इधर सुबह ही दोनों बच्चों के शव पोस्टमार्टम के बाद कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच घर ले जाए गए। जहां से शव को कछला ले जाया गया। बच्चों के घर के बाहर लोगों की भीड़ एकत्र हो गई। जिसे देखते हुए बड़ी संख्या में पुलिस बल तैनात किया गया है। शहर में भी जगह जगह पुलिस तैनात है। इसके अलावा अब तक आरोपित पक्ष से कोई सामने नहीं आया है। जिसके चलते उसका शव मोर्चरी में ही रखा है। वहीं हत्यारोपित साजिद के पिता व चाचा को पुलिस ने पूछताछ के लिए हिरासत में लिया है। डबल मर्डर केस में स्स्क बदायूं आलोक प्रियदर्शी ने कहा, ÷कानून-व्यवस्था बिल्कुल सामान्य है। शहर में कोई दिक्कत नहीं है। जनपद में हर जगह स्थिति सामान्य है। हम सोशल

मीडिया पर नजर बनाए हुए हैं। आरोपी साजिद अपना नाई का खोखा पीड़ित परिवार के घर के समाने रखता था। उसके घर में आना-जाना भी था। कल शाम 7:30 बजे वे घर के अंदर गया और छत पर दोनों बच्चे खेल रहे थे उन पर हमला किया और दोनों बच्चों की हत्या कर दी। वे जब जाने लगा तो भीड़ ने पकड़ने की कोशिश की लेकिन वे भीड़ से निकल कर भाग गया। पुलिस को सूचना मिलते ही पुलिस ने मौके पर पहुंच कर स्थिति को संभाला।

कैराना लोकसभा सीट पर बसपा कर सकती है बड़ा खेला, इस नए चेहरे पर लगा सकती है दांव

शामली (एजेंसी)

लोकसभा चुनाव का बिगुल बज चुका है। राजनीतिक पार्टियों ने प्रत्याशी मैदान में उतारने शुरू कर दी

हैं। बीजेपी और सपा ने कैराना सीट पर नाम घोषित कर दिए हैं, जबकि बसपा पर सभी की निगाह टिकी हुई है। चर्चा है कि कैराना सीट पर बसपा श्रीपाल राणा को उतार सकती है। हालांकि पार्टी की ओर से अभी औपचारिक घोषणा नहीं हुई। कैराना सीट पर देश के साथ ही प्रदेश की नजर टिकी होती है। भाजपा ने जहां वर्तमान सांसद प्रदीप चौधरी पर दांव लगाया है, वहीं सपा ने हसन परिवार की बेटी इकरा हसन को प्रत्याशी घोषित किया है। दोनों ही प्रत्याशी चुनावी मैदान में ताल ठोकने को तैयार हैं। हालांकि बसपा से किसी भी नाम की घोषणा नहीं हुई है। कई लोगों के नामों की चर्चा हो रही है। इसमें सबसे आगे सहारनपुर के भबीसा गांव निवासी श्रीपाल राणा की है। कयास लगाया जा रहा है कि उनका नाम सबसे आगे चल रहा है। एक-दो दिन में पार्टी के बड़े पदाधिकारी नाम की घोषणा कर सकते हैं। श्रीपाल राणा 10 साल पहले बीएसएफ से रिटायर्ड हुए हैं। वर्तमान में वह बंगलुरु में व्यापार करते हैं। उनका बेटा कर्नाटक में अधिवक्ता है, जबकि दो बेटियां भी हैं। गांव में उनकी जमीन है। बताया गया कि कुछ महीने पहले ही वह बसपा में शामिल हुए हैं। गांव में वह समाजसेवा के कार्य करते हैं। उन्होंने कुछ लोगों की घर बनवाने में भी मदद की थी।

यूपी के इस जिले में किसी ने नहीं देखा था मौत का ऐसा तांडव, चार मंजिला मकान को जलाकर बना दिया शमशान

प्रयागराज (एजेंसी)

मुट्ठीगंज के सत्तीचौरा तिराहे पर सोमवार देर रात विवाहित अंशिका केसरवानी की मौत के बाद उसके सास-ससुर को जिंदा जला दिया गया। लाठी-डंडे व पटरा लेकर मृतका के मायके वालों के साथ पहुंचे 60-70 लोगों ने मकान में घुसकर सास-ससुर व ननद को अधमरा कर दिया। तीसरे मंजिल पर बने कमरे में तीनों को बंद करने के साथ ही ग्राउंड फ्लोर पर दुकान के शटर में बाहर से ताला जड़कर घर में आग लगा दी। 16 वर्षीया ननद शिवानी तो बालकनी फांदकर अपने चाचा राजेश के घर पहुंच गई, लेकिन उसके माता-पिता आग की लपटों में समा गए। देर रात तीन बजे फायरकर्मियों ने आग पर काबू पाया तो दोनों के शव को बाहर निकाला गया। सत्तीचौरा तिराहे पर रहने वाले फर्नीचर व्यवसायी राजेंद्र केसरवानी के पुत्र अंशु केसरवानी की शादी पिछले वर्ष 13 फरवरी को झलवा की रहने वाली 27 वर्षीया अंशिका के साथ हुई थी। सोमवार देर रात करीब 11:15 बजे राजेंद्र केसरवानी के घर से चीखने-चिल्लाने की आवाज आई। आसपास के लोग अपने घरों से बाहर निकले तो देखा कि राजेंद्र के घर से बड़ी संख्या में लोग बाहर निकल रहे हैं। कुछ लोगों के हाथ में अंशिका की लाश थी। कोई कुछ समझ पाता, इससे पहले मकान से आग की लपटें उठने लगीं। अंशिका के शव को घर के सामने सड़क पर रखकर मायके वाले हंगामा करने लगे। आरोप लगाया कि दहेज के लिए सास-ससुर, पति व ननद ने मिलकर अंशिका को मार डाला। उसके शव को फंदे से लटका दिया। रात लगभग 11 बजे फोन कर सूचना दी कि अंशिका ने दोपहर तीन बजे फंदे से लटककर जान दे दी है। इतना ही नहीं, यह भी आरोप लगाया कि वह चौथे मंजिल पर जब अंशिका का शव फंदे से उतार रहे थे, तब उनको जलाने के लिए घर में आग लगा दी। लेकिन वह बाल-बाल बच गए। लोगों को उनकी बातों पर यकीन भी हुआ, लेकिन करीब चार घंटे बाद देर रात तीन बजे जब फायरकर्मियों ने आग पर काबू पाया और पुलिसकर्मी मकान में दाखिल हुए तो पूरा मामला ही पलट गया। चौथे मंजिल पर 65 वर्षीय राजेंद्र और 62 वर्षीया उनकी पत्नी शोभा की जली लाश पड़ी थी। पुलिस को पता चला कि घर में राजेंद्र की बेटी शिवानी भी थी। एक-एक कमरे में उसकी तलाश हुई, लेकिन वह नहीं मिली। इसी बीच अचानक वह अपने चाचा-चाची के साथ सत्तीचौरा तिराहे की तरफ से विलाप करते हुए घर की तरफ आई। उसके एक हाथ में गंभीर चोट थी। पुलिस को बताया कि भाभी (अंशिका) के मायके वाले 60-70 की संख्या में घर में घुसे। सभी लाठी-डंडे व पटरा से लैस थे।

गायब नहीं होंगे रेलवे में बुक पार्सल, मोबाइल फोन पर घर बैठे मिलती रहेगी सूचना

गोरखपुर (एजेंसी)

रेलवे में बुक पार्सल कहां है, ट्रेन में लोड हुआ कि नहीं, किस ट्रेन में लोड हुआ और कहां तक पहुंचा। निर्धारित स्टेशन पर पहुंचा या बोगी में ही छूट गया। रेल उपभोक्ताओं के मोबाइल फोन पर बुक पार्सल की अपडेट सूचना मिलती रहेगी। सेंटर फार रेलवे इंफार्मेशन सिस्टम (क्रिस) के सहयोग से बुधवार से गोरखपुर स्थित पार्सल घर में पार्सल मैनेजमेंट सिस्टम (पीएमएस) लागू हो जाएगा।

पार्सल आनलाइन बुक हो जाएंगे। पूर्वोत्तर रेलवे के लखनऊ और छपरा में पार्सल मैनेजमेंट सिस्टम कार्य करने लगा है। बस्ती, गोंडा, खलीलबाद, कप्तानगंज, सिसवा और पडरौना आदि छोटे स्टेशनों पर भी पीएमएस की सुविधा मिलनी शुरू हो जाएगी। नकहा जंगल स्टेशन पर यह सिस्टम पहले से ही कार्य कर रहा है। पार्सल मैनेजमेंट सिस्टम से रेल उपभोक्ताओं को सहूलियत तो मिलेगी ही, रेलवे की कार्य प्रणाली भी और आसान हो जाएगी। पार्सल के गायब होने या समय से नहीं पहुंचने की शिकायतों पर अंकुश लगेगा। रेल उपभोक्ताओं को विभाग का चक्कर लगाने से मुक्ति मिलेगी। दरअसल, रेल उपभोक्ताओं को बुक पार्सल की सही जानकारी नहीं मिल पाती। पार्सल को गंतव्य तक पहुंचने में महीनों लग जाते हैं। बुक पार्सल को लेकर उपभोक्ताओं को संबंधित विभागों का चक्कर लगाना पड़ता है। इसके बाद भी सटीक जानकारी नहीं मिल पाती है। अगर पार्सल निर्धारित स्टेशन पर पहुंच गया तो प्लेटफार्मों पर पड़ा रह जाता है। जानकारी के अभाव में उपभोक्ताओं को जुर्माना भी देना पड़ जाता है। छह घंटे बाद बुक मोटरसाइकिल व साइकिल छुड़ाने पर प्रति घंटे दस रुपये तथा दस घंटे बाद अन्य सामान छुड़ाने पर प्रति घंटा प्रति क्विंटल दो रुपये जुर्माना लगता है। पूर्वोत्तर रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी पंकज कुमार सिंह ने बताया कि पार्सल भेजने की प्रक्रिया को सरल, फ्रेंडली और पारदर्शी बनाया जा रहा है। इसके लिए रेलवे स्टेशनों पर पार्सल मैनेजमेंट सिस्टम लगाए जा रहे हैं।

सिंथेटिक ड्रग्स' कारोबार के लिए पूर्वांचल में जमीन तैयार कर रहा था सरगना 'ओम गुप्ता', ऐसा खुला राज

वाराणसी (एजेंसी)

मुंबई के सोपारा अंतर्गत नगर नाला निवासी ओम गुप्ता उर्फ मोनू पूर्वांचल में 'सिंथेटिक ड्रग्स' कारोबार के लिए जमीन तैयार करने के फिराक में था। उसने चोलापुर के पलहीपट्टी गांव में भी तीन बिस्वा जमीन खरीदी है। सिंधोरा के भगवतीपुर गांव स्थित प्रदीप प्रजापति के मकान खरीदने के लिए छह लाख एडवांस देने और 10 दिन में रजिस्ट्री कराने की बात पहले ही सामने आ चुकी है। हालांकि, बैनामे से पूर्व ही 16 मार्च को उसे मुंबई की क्राइम ब्रांच और एसटीएफ ने पकड़ लिया। दिलचस्प कि पहले शिवपुर थाना, उसके बाद सिंधोरा थाना की पुलिस इलाके में सिंथेटिक ड्रग्स बनाए जाने से अनजान रही। वर्ष 2023 में आठ अगस्त को

शिवपुर के इंद्रपुरी कालोनी स्थित एक मकान में सिंथेटिक ड्रग्स बनाने का राजफाश एसटीएफ और नारकोटिक्स की टीम ने किया था।

मुंबई के गरीब नवाज कोकरी हागल, थाना एण्ट्रोफिल निवासी अकरम चुन्नू खड्डु समेत पांच तस्कर गिरफ्तार हुए थे। 1300 ग्राम सिंथेटिक ड्रग्स (अनुमानित मूल्य 50 लाख रुपये), एक पिस्टल पिस्टल और 40 हजार रुपये बरामद हुए थे। एसटीएफ का कहना था कि दोनों गिरोह अलग-अलग हैं। शिवपुर में ड्रग्स फैक्ट्री के राजफाश के बाद पुलिस सक्रिय होती तो दूसरी सफलता सिंधोरा पुलिस के हाथ ही लगती। सवाल उठता है कि आखिर बनारस में कितने गिरोह किस रूप में

सिंधोरा के भगवतीपुर गांव स्थित प्रदीप प्रजापति के मकान खरीदने के लिए छह लाख एडवांस देने और 10 दिन में रजिस्ट्री कराने की बात पहले ही सामने आ चुकी है। हालांकि, बैनामे से पूर्व ही 16 मार्च को उसे मुंबई की क्राइम ब्रांच और एसटीएफ ने पकड़ लिया।

सक्रिय हैं। पूर्वांचल में किस तरह अपना साम्राज्य खड़ा कर रहे हैं। मुंबई के तस्करों संग भदोही के थाना सुरियावां अंतर्गत चैगड़ा निवासी आनंद तिवारी, सुरियांवा के ही अरबना निवासी सुशील उपाध्याय, जौनपुर के थाना बरसठी अंतर्गत पाली निवासी संदीप तिवारी, थाना बरसठी के ही महमदपुर पट्टी हुलास निवासी प्रमोद यादव, तिवारीपुर (बड़ागांव) निवासी संतोष गुप्ता उर्फ बल्ली और बड़ागांव के ही पुवारी खुर्द गांव निवासी अतुल सिंह के नाम सामने आए हैं। सभी आरोपित अकूत कमाई के फिराक में रिस्क लिए हैं। एक रात में एक व्यक्ति दो किलो सिंथेटिक ड्रग्स तैयार करता है। दो लाख रुपये प्रति किलो के हिसाब से एक रात में चार लाख रुपये की कमाई होती है। फार्मा कंपनी की नौकरी छोड़ ड्रग्स बनाने लगा संदीपजौनपुर के पाली निवासी संदीप तिवारी रसायन विज्ञान से स्नातक है। वह फार्मा इंडस्ट्री में नौकरी करता था। अकूत कमाई की चकाचौंध में नौकरी छोड़ महाराष्ट्र का कुख्यात तस्कर बन गया। वर्ष 2018 में मुंबई की एंटी नारकोटिस्क सेल ने उसे 100 किलोग्राम फेंटाड्रिल नामक नशीले ड्रग्स संग दबोचा था। जेल से छूटा तो गिरोह बनाकर ड्रग्स तस्करी करने लगा।

18 मिनट में 16 किमी. की दूरी तय कर ट्रैफिक पुलिस ने कैडवेरिक लिवर पहुंचाकर बचाई जिंदगी

नई दिल्ली (एजेंसी)

दिल्ली ट्रैफिक पुलिस ने मंगलवार को ग्रीन कॉरिडोर बनाया। ट्रैफिक पुलिस ने ग्रीन कॉरिडोर बनवाकर 18 मिनट में दिल्ली एयरपोर्ट से द्वारका के एक प्राइवेट अस्पताल तक लीवर पहुंचाया। चंडीगढ़ से फ्लाइट द्वारा दिल्ली एयरपोर्ट पर लाए गए लिवर को रात के 1:30 बजे ट्रैफिक पुलिस ने ग्रीन कॉरिडोर बनाकर अस्पताल पहुंचाया। इससे मरीज में सही समय पर लिवर का प्रत्यारोपण कर डॉक्टरों द्वारा उसे नई जिंदगी दी गई।

दरअसल, द्वारका स्थित अस्पताल में एक मरीज अपनी जिंदगी और मौत के बीच झूल रहा था, जिसे लिवर की जरूरत थी। तमाम कोशिशों के बाद डॉक्टरों ने चंडीगढ़ के एक अस्पताल में स्थित मृत मरीज के परिजनों से लिवर को डोनेट कराया। लिवर डोनेट होने के बाद अब सबसे बड़ी चुनौती थी इस लिवर को चंडीगढ़ से दिल्ली एयरपोर्ट और फिर दिल्ली एयरपोर्ट से समय पर अस्पताल में पहुंचा कर प्रत्यारोपित कराने की। इस चुनौती को देखते हुए द्वारका के एक अस्पताल के डिप्टी मेडिकल सुपरीटेंडेंट डॉ. अजीत पाल सिंह ने दिल्ली ट्रैफिक पुलिस से अनुरोध किया कि वह एयरपोर्ट से लिवर को अस्पताल पहुंचाने में उनकी मदद करें। ट्रैफिक पुलिस ने मानव सेवा के इस काम को प्राथमिकता देते हुए तुरंत कार्रवाई की और डीसीपी नई दिल्ली रेंज प्रशांत गौतम के निर्देशन में यह कार्य पूरा किया गया। डॉटर ने अनुरोध किया था कि यह एक नाजुक मुद्दा है और समय-समय पर संशोधित मानव अंग प्रत्यारोपण अधिनियम, 1994 के प्रावधानों के अनुसार इसे सुरक्षित और सावधानीपूर्वक संभालने की आवश्यकता होगी। अंग की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए, इसे लगभग 15 किलोग्राम वजन और 3×2×1.5 फीट आकार के एक सीलबंद बक्से में विधिवत संरक्षित करके ले जाया जाएगा। यह भी सुनिश्चित किया जा सकता है कि अंग एक्स-रे के संपर्क में न आए। द्वारका के एक अस्पताल के अनुरोध प्राप्त होने पर यातायात पुलिस जोन दो के विशेष आयुक्त एचजीएस धालीवाल ने नई दिल्ली रेंज के डीसीपी ट्रैफिक प्रशांत गौतम को टर्मिनल 2, आईजीआईए से द्वारका तक लिवर के परिवहन में हर संभव मदद करने का निर्देश दिया।

दरअसल, द्वारका स्थित अस्पताल में एक मरीज अपनी जिंदगी और मौत के बीच झूल रहा था, जिसे लिवर की जरूरत थी। तमाम कोशिशों के बाद डॉक्टरों ने चंडीगढ़ के एक अस्पताल में स्थित मृत मरीज के परिजनों से लिवर को डोनेट कराया।

इसके बाद टीआई आईजीआईए और टीआई दिल्ली कैंट के साथ तुरंत एक बैठक बुलाई गई। बैठक के दौरान सभी अधिकारियों को आईजीआई हवाई अड्डे से द्वारका के एक अस्पताल तक कैडवेरिक ऑर्गन (लिवर) के परिवहन के लिए एक ग्रीन कॉरिडोर तैयार करने के बारे में निर्देशित किया गया। इसके बाद एयरपोर्ट से अस्पताल तक लगभग 16 किमी के ग्रीन कॉरिडोर की योजना बनाई गई और कैडवेरिक ऑर्गन (लिवर) ले जाने वाली एम्बुलेंस के सुचारू और तेज़ परिवहन के लिए कॉरिडोर पर लगभग 35 यातायात कर्मचारी तैनात किए गए। इस दौरान कुल 16 किमी की दूरी केवल 18 मिनट में तय की गई। लिवर को सुरक्षित और समय पर अस्पताल पहुंचाया गया।

मरीज के डॉक्टरों और परिवार ने टर्मिनल 2, आईजीआईए से द्वारका तक लिवर के परिवहन के लिए ग्रीन कॉरिडोर प्रदान करने में समय पर मदद करने के लिए दिल्ली ट्रैफिक पुलिस को धन्यवाद दिया। उल्लेखनीय है कि साल 2023 के दौरान दिल्ली ट्रैफिक पुलिस ने कुल 24 ग्रीन कॉरिडोर उपलब्ध कराए हैं और चालू वर्ष के दौरान अब तक कुल 08 ग्रीन कॉरिडोर बनाए गए हैं।

एक नज़र

'कांग्रेस-आप के गठबंधन से नहीं होगा कोई असर, भाजपा इस बार भी जीतेगी दिल्ली की सभी सीटें'

नई दिल्ली (एजेंसी) पूर्व विदेश मंत्री स्वर्गीय सुषमा स्वराज की बेटी बांसुरी स्वराज भाजपा की ओर से नई दिल्ली लोकसभा सीट से मैदान में हैं। उन्होंने बताया कि दिल्ली की सातों सीटों पर कांग्रेस और आम आदमी पाटी के गठबंधन से भाजपा को कई नुकसान नहीं होने वाला है।

दोनों पार्टियां गठबंधन में अपना-अपना हित है। भाजपा इस बार दिल्ली की सभी सीटों पर जीत दर्ज करेगी। बांसुरी यादव ने कहा कि अबकी बार 400 पार (इस बार, 400 से अधिक सीटें) का नारा सिर्फ एक तकियाकलाम नहीं है, बल्कि एक संकल्प है। जिसे भाजपा कार्यकर्ताओं की मदद और का और जनता का समर्थन के साथ वास्तविकता में तब्दील किया जाएगा। उन्होंने कहा कि आप-कांग्रेस गठबंधन का दिल्ली में कोई असर नहीं होगा। हम बहुत सकारात्मक अभियान चला रहे हैं, 10 साल का रिपोर्ट कार्ड लेकर लोगों के बीच जा रहे हैं। बांसुरी स्वराज दिल्ली की नई दिल्ली लोकसभा सीट से चुनाव लड़ रही हैं। उन्होंने कहा कि नरेंद्र मोदी सरकार ने जो कहा, वह किया।

दिल्ली विश्व की सबसे प्रदूषित राजधानी, 100 पॉल्यूटेड सिटी में भारत के 83 शहरों के नाम, रिपोर्ट में दावा

नई दिल्ली (एजेंसी) इसे सरकारों की अनदेखी कहें या प्रशासन की लापरवाही... दिल्ली को एक बार फिर से विश्व स्तर पर सर्वाधिक प्रदूषित राजधानी के रूप में सूचीबद्ध किया गया है। 2023 में यहां पीएम 2.5 का औसत वार्षिक स्तर 102.1 माइक्रोग्राम प्रति घन मीटर रिकॉर्ड किया गया है, जो उसे दुनिया की सबसे प्रदूषित राजधानी बनाता है। 2022 में यह आंकड़ा 92.6 माइक्रोग्राम प्रति घन मीटर था। मतलब इस दौरान दिल्ली के प्रदूषण में 10 प्रतिशत का इजाफा हुआ है। वहीं, भारत 2023 में वैश्विक स्तर पर तीसरा सबसे प्रदूषित देश रहा है, पड़ोसी बांग्लादेश पहले, पाकिस्तान दूसरे नंबर पर है। स्विट्जरलैंड के संगठन आइक्यू एयर द्वारा जारी नई रिपोर्ट में बेगूसराय को वैश्विक स्तर पर 2023 के सर्वाधिक महानगरीय प्रदूषित क्षेत्र के रूप में चिह्नित किया गया है। इस रिपोर्ट के मुताबिक, भारत लगातार खराब वायु गुणवत्ता की समस्या से जूझ रहा है, जिसमें पीएम 2.5 की सांद्रता डब्ल्यूएचओ के वार्षिक स्तर से 10 गुना से भी अधिक है।

दिल्ली में सोलर पॉलिसी लागू होने से होगा लोगो को फायदा : निर्मल गुप्ता

नई दिल्ली (एजेंसी) राजधानी दिल्ली वासियों के बिल जीरो आने का रास्ता साफ़ हो गया है। इस बाबत दिल्ली सोलर पालिसी 2023 लागू कर दी गई है। नई नीति में सौर उर्जा को बढ़ावा देने के लिए उपभोगताओं को उत्पादन आधारित राशि देने सहित कई प्रावधान किया गया है। यह कहना है आर.डब्लू.ए.विवेक विहार के अध्यक्ष निर्मल गुप्ता का कहना है। निर्मल गुप्ता ने कहा दिल्ली सरकार के इस कदम से लाखो लोगो को लाभ मिलेगा।

निर्मल गुप्ता कहते है पॉलिसी के तहत अपने घरो को छतों पर सोलर पैनल लगाकर अपने बिजली के बिल को जीरो कर सकते हैं। इसके अलावा लोग इससे अच्छी खासी कमाई भी कर सकते है। निर्मल गुप्ता कहते है इस पॉलिसी के तहत सोलर पैनल लगवाने वालों को चार सौ यूनिट से अधिक बिजली खपत करने पर भी बिजली का बिल जीरो ही रहेगा। इसके अलावा सोलर पैनल लगवाने में आने वाला खर्च अगले चार साल में रिकवर हो जाएगा।

छोटी सी गलती बड़ी सजा! कंधा टकराने पर दिल्ली में युवक के पेट में घोंपा चाकू

पूर्वी दिल्ली (एजेंसी) जगतपुरी इलाके में कंधा टकराने पर दो लोगों ने एक युवक के पेट में चाकू घोंप दिया। इससे पहले युवक की जमकर पिटाई की। युवक को खून से लथपथ कर आरोपित भागने लगे। राहगीरों ने दोनों को घेरकर पकड़ लिया, बाद में उन्हें पुलिस को सौंप दिया। घायल हालत में साहिल को डॉ. हेडगेवार अस्पताल में भर्ती करवाया।

जहां उसका इलाज चल रहा है। जगतपुरी थाना ने हत्या के प्रयास समेत कई धाराओं में प्राथमिकी की है। आरोपितों की पहचान नंद नगरी निवासी अमरजीत व मंडोली निवासी सचिन शर्मा के रूप में हुई है। साहिल अपने परिवार के साथ जगतपुरी में रहता है। उसकी पत्नी चित्रा विहार झुग्गी में अपनी बहन के घर गई हुई थी। वह पत्नी को लेने के लिए जा रहा था। रास्ते में एक अंजान शख्स को सड़क पार करवाने लगा। उसी दौरान उसका कंधा एक शख्स से टकरा गया। इसपर वह शख्स आग बबूला हो गया और उसने पीड़ित के साथ गाली गलौज शुरू कर दी। पीड़ित ने विरोध किया तो आरोपित ने अपने साथी के साथ मिलकर उसकी पिटाई कर दी।

दिल्ली वाले झेल रहे खराब हवा की मार, अब बढ़ती गर्मी और पारा बढ़ाएगा परेशानी

नई दिल्ली (एजेंसी) हवा की गति मंद होने से राष्ट्रीय राजधानी में वायु प्रदूषण का स्तर एक बार फिर बढ़ गया है। 18 दिन बाद दिल्ली की हवा एक बार फिर से खराब श्रेणी में पहुंच गई। बुधवार को भी वायु गुणवत्ता की स्थिति कमोबेश ऐसी ही रहने का अनुमान है। गौरतलब है कि मार्च अभी तक काफी हद तक साफ रहा है, लेकिन वायु मंडल में धूल कणों में इजाफा होने से मंगलवार को राजधानी का एक्यूआई 221 पहुंच गया।

इस स्तर की हवा को 'खराब' श्रेणी में रखा जाता है। इससे पहले एक मार्च को 'खराब' इसी श्रेणी में रही थी। तब एक्यूआई 208 दर्ज किया गया था। वायु गुणवत्ता पूर्व चेतावनी प्रणाली के अनुसार, हवा की गति हाल फिलहाल 10 किमी प्रति घंटे से नीचे चल रही है। इसके चलते प्रदूषक कणों का बिखराव भी धीमा चल रहा है। बुधवार को भी इसमें सुधार के आसार नहीं लग रहे हैं और दिल्ली की हवा 'खराब' श्रेणी में ही रहने का अनुमान है।

फिजिबिलिटी स्टडी के बाद नजफगढ़-फिरनी रोड फ्लाईओवर बनाने का प्लान रद्द

नई दिल्ली (एजेंसी)

नजफगढ़ फिरनी रोड पर जाम खत्म करने के लिए जो 4.8 किमी लंबा फ्लाईओवर निर्माण का प्लान था, उसे ड्रॉप कर दिया गया है। फिरनी रोड पर जाम खत्म करने के लिए अब सिर्फ अतिक्रमण हटाया जाएगा, जिससे रोड की चौड़ाई बढ़ाई जा सके।

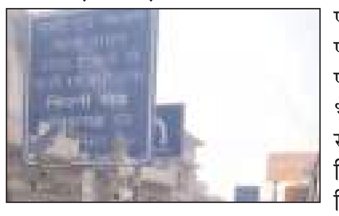

फिजिबिलिटी रिपोर्ट आने के बाद यह फ्लाईओवर प्लान खारिज किया गया है। फिरनी रोड पर फ्लाईओवर निर्माण प्रस्ताव को पिछले साल जनवरी में मंजूरी दी गई थी। प्लान पर मंजूरी के बाद फिजिबिलिटी स्टडी कराई गई, जिसके बाद प्लान ड्रॉप कर दिया गया। नजफगढ़ फिरनी रोड आउटर दिल्ली की प्रमुख सड़कों में से एक है। रोड की लंबाई महज 730 मीटर ही है, लेकिन इससे आउटर दिल्ली की कई प्रमुख सड़कें जुड़ी हैं। इस छोटे से स्ट्रेच में जाम की वजह से नजफगढ़-बहादुरगढ़ मार्ग, नजफगढ़-ढांसा मार्ग, नजफगढ़-नांगलोई मार्ग, ओल्ड खैरा रोड, नजफगढ़ रोड, गुड़गांव-बजघेड़ा रोड पर हमेशा ही जाम की स्थिति रहती है। इन सड़कों पर जाम खत्म करने के लिए पिछले साल जनवरी में फिरनी रोड पर करीब 4.8 किमी लंबा फ्लाईओवर निर्माण का प्रस्ताव पीडब्ल्यूडी ने तैयार किया। प्रस्ताव पर पिछले साल जनवरी में मंजूरी भी दे दी गई। साथ ही फिजिबिलिटी स्टडी कराने के लिए भी कहा गया। फिजिबिलिटी रिपोर्ट में साउथ-वेस्ट दिल्ली के डीएम की रिपोर्ट भी शामिल की गई है। डीएम ने रिपोर्ट में कहा है कि इस रोड के दोनों तरफ भयंकर अतिक्रमण है, जिसे हटाना एक बड़ी चुनौती है। अतिक्रमण पूरी तरह से साफ करने के बाद ही फ्लाईओवर निर्माण संभव होगा। फिजिबिलिटी रिपोर्ट तैयार करने वाली एजेंसी ने सुझाव दिया है कि अतिक्रमण के अलावा इस रोड पर कई प्राइवेट प्रॉपर्टी हैं, जो रोड के खसरे में आ रही हैं।

सिंगापुर में 'ग्लोबल इकनोमिक कन्वेंशन' को आचार्य लोकेश बतौर मुख्य अतिथि संबोधित करेंगे

- आचार्य लोकेश 'ग्लोबल इकनॉमिक कन्वेंशन' में मरुधर गौरव सम्मान से नवाज़े जायेंगे
- सिंगापुर जैन रिलीजियस सोसाइटी में 27 मार्च को आचार्य लोकेश व्याख्यान देंगे

नई दिल्ली.ओपन सर्च

सिंगापुर में 28 मार्च, 2024 को आयोजित होने वाले 'लोकमत वैश्विक आर्थिक सम्मेलन' को अहिंसा विश्व भारती एवं विश्व शान्ति केंद्र के संस्थापक आचार्य लोकेश मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित करेंगे। सम्मेलन में वरिष्ठ मीडिया हस्ती पद्म भूषण रजत शर्मा, महाराष्ट्र के वन राज्य मंत्री सुधीर मुनगंटीवार, कौशल विकास और उद्यमिता मंत्री श्री मंगलप्रभात लोढ़ा, रेमंड उद्योग समूह के अध्यक्ष श्री गौतम सिंघानिया, बैंकर और सांस्कृतिक नेता अमृता फड़नवीस, वेलस्पन समूह की सीईओ दीपाली गोयनका, अध्यक्ष सेलो वर्ल्ड श्री प्रदीप राठौड़, प्रवीण मसलेवाले के निदेशक श्री विशाल चोरारिया, प्रसिद्ध अभिनेता और कवि श्री शैलेश लोढ़ा, संजय घोड़ावत समूह के अध्यक्ष श्री संजय घोड़ावत, आदि विशिष्ट अतिथि के रूप में भाग लेंगे। सम्मेलन में भाग लेने के लिए जैनाचार्य लोकेश 26 मार्च 2024 को सिंगापुर पहुंचेंगे। वैश्विक आर्थिक सम्मेलन में आचार्य लोकेश को मरुधर गौरव सम्मान से भी सम्मानित किया जाएगा। सम्मेलन का उद्देश्य अंतरराष्ट्रीय वित्त, शिपिंग, पर्यटन, रसद और शिक्षा में वर्तमान और भविष्य के रुझानों के विभिन्न पहलुओं का पता लगाना और चर्चा करना है। अपने त्रिदिवसीय यात्रा के दौरान 27 मार्च 2024 को आचार्य लोकेशजी सिंगापुर जैन रिलीजियस सोसाइटी द्वारा आयोजित स्वागत समारोह में प्रवचन भी देंगे। तत्पश्चात 28 मार्च 2024 को आचार्य श्री USA एवं UK की शान्ति सद्भावना यात्रा पर प्रस्थान करेंगे। अहिंसा विश्व भारती एवं विश्व शान्ति केंद्र के संस्थापक, विश्व शांतिदूत आचार्य लोकेश 29 मार्च को सानफ्रांसिस्को पहुंचेंगे जहाँ वो इंडो अमेरिकन कम्युनिटी फेडरेशन द्वारा आयोजित सेमिनार 'यूनिटी थ्रू डाइवर्सिटी - ब्रीथिंग लाइफ इन्टु एजुकेशन' को सम्बोधित करेंगे। 8 अप्रैल को कैलिफ़ोर्निया असेंबली एवं 15 अप्रैल को लंदन पार्लियामेंट में महावीर जयंती समारोह आचार्य लोकेश जी के सानिध्य में आयोजित होगा। वे 17 अप्रैल को नई दिल्ली पहुंचेंगे जहाँ कंस्टीटूशन क्लब ऑफ़ इंडिया में उनका 64 वां जन्मदिन सद्भावना सम्मलेन के रूप में आयोजित होगा जिसमे विभिन्न धर्मो के धर्मगुरु एवं सामजिक संस्थाओं के प्रतिनिधि भाग लेंगे।

सिंगापुर में 28 मार्च, 2024 को आयोजित होने वाले 'लोकमत वैश्विक आर्थिक सम्मेलन' को अहिंसा विश्व भारती एवं विश्व शान्ति केंद्र के संस्थापक आचार्य लोकेश मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित करेंगे।

दिल्ली में नकली मिठाइयां बेचने वालों की खैर नहीं, हर जिले में तैनात की गई है टीम

नई दिल्ली (एजेंसी)

होली में नकली मिठाई बनाने वालों के खिलाफ दिल्ली फूड सेफ्टी डिपार्टमेंट शिकंजा कसने जा रहा है। प्रत्येक जिले में नकली खोवा और नकली दूध से बनी मिठाई की जांच के लिए अधिकारियों की टीम गठित कर ली गई है, जो हर रोज दुकानों में जाकर सैंपल लेंगी। फूड सेफ्टी डिपार्टमेंट की कमिश्नर नेहा बंसल ने बताया कि होली में मिलावटखोरों के खिलाफ कार्रवाई के लिए टीम तैयार है। जांच अभियान शुरू कर दिया गया है। सभी 11 जिलों में अधिकारियों की टीमों को निर्देश दिया गया है कि वह प्रत्येक जिले से 10 सैंपल लेकर रोज जांच के लिए भेजें। सूत्रों के मुताबिक, इस बार नकली दूध से बनी मिठाइयों पर सबसे ज्यादा फोकस है। क्योंकि सबसे ज्यादा शिकायत नकली दूध से बनी मिठाई और खोवा की आती है। शहर में कहीं भी नकली मिठाई बनाई जा रही है या एक्सपायरी मिठाई बेची जा रही है, तो लोग फूड सेफ्टी डिपार्टमेंट के हेल्पलाइन नंबर 1800113921 पर शिकायत कर सकते हैं। तत्काल दुकानदार के खिलाफ विभाग एक्शन लेगा। शहर में खाने की चीजों की जांच के लिए तीन वैन भी चलाई जा रही हैं। इनमें चावल से लेकर आटा, मैदा, तेल, दूध समेत कई चीजों की जांच की जा रही हैं। मेदांता ग्रुप के डॉ. लोकेंद्र गुप्ता ने बताया कि होली के मौके पर नकली दूध और नकली चांदी वर्क के नाम पर लोगों की सेहत के साथ खिलवाड़ किया जाता है। नकली मिठाई लोगों के दिल, लिवर और लंग्स को प्रभावित करती है। इसके अलावा खाने वाली चीजों में केमिकल डालने के चलते देश में कैंसर बढ़ रहा है। लोगों से अपील की गई है कि वे रंगीन मिठाइयों से परहेज करें। खोवा : छोटे बर्तन में खोवे का सैंपल लेकर पानी में उबालें। इसे उबालने के बाद ठंडा होने के लिए छोड़ दें। जब यह ठंडा हो जाए, तो उसमें आयोडीन टिंचर मिलाए। अगर सैंपल का रंग नीला हो जाता है, तो यह खोवा मिलावट वाला है। चांदी वर्क मिठाई : एक्सपर्ट के मुताबिक, चमकीले या फिर ज्यादा कलर वाली मिठाइयां खरीदने से बचें। इसके अलावा जिन मिठाइयों पर चांदी का वर्क हैं। उनकी पहचान के लिए चांदी के वर्क को हथेली पर रखकर रगड़ें। अगर यह रगड़ते वक्त खत्म हो जाता है तो यह शुद्ध है।

खेलो इंडिया में एल.बी.एस. की छात्रा को तृतीय स्थान

नई दिल्ली (एजेंसी)

श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, नई दिल्ली के योग विभाग की छात्रा प्रिया यादव ने अस्मिता महिला लीग के अन्तर्गत योगासन लीग (राष्ट्रीय स्तर) में तृतीय स्थान प्राप्त करके विश्वविद्यालय एवं अपने गुरुजनों का नाम रोशन किया है। बताते चलें कि खेलों में महिलाओं की उत्कृष्ट भूमिका हेतु 'खेलो इंडिया महिला लीग' को 'अस्मिता महिला लीग' नाम देते हुए खेल मन्त्री अनुराग सिंह ठाकुर ने शक्तिरूपा महिलाओं को सभी स्तरों पर खेलों में प्रतिभागिता करने हेतु आमन्त्रित किया। उत्तर प्रदेश के अमरोहा जनपद में स्थित श्रीमद्दयानन्द कन्या गुरुकुल महाविद्यालय में 8 से 10 मार्च तक आयोजित 'अस्मित महिला लीग' में 29 राज्यों के प्रतिभागियों ने अपने प्रतिभा कौशल का प्रदर्शन किया। जहाँ वरिष्ठ वर्ग में परम्परागत योगासन एवं कनिष्ठ वर्ग में कलात्मक एकल योगासन का आयोजन किया गया,

जिसमें प्रतिभागियों ने पूरी ऊर्जा के साथ भिन्न-भिन्न योगासनों के अनुसार अपने शरीर को विभिन्न स्वरूपों में आकार देने का प्रयास किया। प्रिया यादव अस्मिता महिला लीग में तृतीय स्थान प्राप्त करके थोड़ा निराश दिखी, बात करने पर उन्होंने बताया कि मैं इस स्थान से सन्तुष्ट नहीं हूँ। अग्रिम वर्ष प्रथम स्थान प्राप्त करने के लिए अभी से तैयारी करूंगी। प्रिया यादव ने इस उपलब्धि हेतु अपने माता-पिता एवं गुरुजनों के प्रति कृतज्ञता ज्ञापित किया है।

भारत का प्रत्यक्ष बिक्री कारोबार 21000 करोड़ रूपये के पार

नई दिल्ली.ओपन सर्च

कोरोना महामारी से उपजी तमाम विपरीत परिस्थितियों से उबर कर जोरदार वापसी करते हुये भारतीय प्रत्यक्ष बिक्री उद्योग का कारोबार वित्तीय वर्ष 2022-23 में लगभग 12 प्रतिशत की विकास दर दर्ज कर 21282 करोड़ रूपये हो गया है। प्रत्यक्ष बिक्री उद्योग की शीर्ष संस्था इंडियन डायरेक्ट सैलिंग एसोसिएशन (आईडीएसए) की आज यहां जारी एक सर्वेक्षण रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई है। अग्रणी रिसर्च कम्पनी कंतार द्वारा संकलित यह रिपोर्ट भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण के मुख्य कार्यकारी अधिकारी श्री जी. कमला वर्धन राव ने यहां एक कार्यक्रम में जारी की। श्री राव ने इस अवसर पर आईडीएसए को यह रिपोर्ट जारी करने पर बधाई दी। रिपोर्ट के अनुसार प्रत्यक्ष बिक्री उद्योग के सभी क्षेत्रों में व्यापक सुधार हुआ है तथा कुल बिक्री में वर्ष 2021-22 के मुकाबले 2252 करोड़ रूपये की वृद्धि तथा वर्ष 2019-20 से लेकर 2022-23 तक के चार वर्षों में प्रत्यक्ष बिक्री कारोबार की औसतन विकास दर (सीएजीआर) जगभग 8.3 प्रतिशत रही है। रिपोर्ट के अनुसार कुल बिक्री में उत्तरी क्षेत्र ने दबदबा बरबरार रखते हुये सर्वाधिक 30 प्रतिशत तथा इसके उपरांत पूर्वी, पश्चमी, दक्षिणी तथा पूर्वोत्तर क्षेत्र का क्रमशः 25, 22, 15 और नौ प्रतिशत का योगदान किया है। महाराष्ट्र राज्य सर्वाधिक 12 प्रतिशत योगदान के साथ लगातार शीर्ष पर बना हुआ है जबकि उत्तर प्रदेश ने शानदार प्रदर्शन कर प्रश्चिम बंगाल के साथ 10 प्रतिशत की बराबरी हासिल करते हुये दूसरा स्थान हासिल कर लिया है।वेलनेस और न्यूट्रास्युटिकल उत्पाद लगातार उपभोक्ताओं के पसंदीदा बने हुये हैं। सौंदर्य प्रसाधन और व्यक्तिगत देखभाल उत्पाद इस वर्ग में दूसरे स्थान पर है। दोनों वर्गों का कुल कारोबार में क्रमशः 73.5 और 11.3 प्रतिशत योगदान रहा है। इस दौरान लगभग दो लाख और प्रत्यक्ष विक्रेता इस कारोबार से जुड़े और यह संख्या वर्ष 2021-22 के 84 लाख के मुकाबले बढ़ कर लगभग 86 लाख पहुंच गई है। इनमें लगभग 63 प्रतिशत पुरूष और 37 प्रतिशत महिलाएं हैं। आईडीएसए के अध्यक्ष विवेक कटोच ने कहा भारत में प्रत्यक्ष बिक्री उद्योग तेजी एक मजबूत बाजार के रूप में उभर रहा है जिसमें प्रगति की असीम क्षमताएं निहित हैं। ताजा सर्वेक्षण रिपोर्ट के उत्साहजनक आंकड़े तथा गत चार वर्षो का सीएजीआर इस तथ्य को मजबूती प्रदान करता है। भारत सरकार के इस उद्योग के लिये बनाये गये नियामक ढांचे के कारण नीतिगत स्पष्टता और पारदर्शता सुनिश्चत होने से यह उद्योग भविष्य में और मजबूती की ओर अग्रसर है।

सबवे निर्माण के चलते पंजाबी बाग में रिंग रोड दो महीने के लिए रहेगा बंद

नई दिल्ली (एजेंसी)

यदि आप दक्षिणी, पूर्वी या उत्तरी दिल्ली से से पश्चिमी दिल्ली में पंजाबी बाग की तरफ से जा रहे हैं तो आपको ट्रैफिक जाम का सामना करना पड़ सकता है। दिल्ली ट्रैफिक पुलिस सबवे के निर्माण के मद्देनजर पंजाबी बाग भारत दर्शन पार्क के पास रिंग रोड के एक हिस्से को कम से कम दो महीने के लिए बंद करने जा रही है। फ्लाईओवर निर्माण और भूमिगत केबलिंग कार्य के साथ सबवे निर्माण के परिणामस्वरूप क्षेत्र में एक बड़ा जाम लग गया है। इससे ट्रैफिक पुलिस को ट्रैफिक जाम को खत्म करने के लिए सड़क बंद करने और डायवर्जन का सहारा लेना पड़ा है। दिल्ली पुलिस ने इस संबंध में ट्रैफिक एडवाइजरी जारी की है। एडवाइजरी के अनुसार मोती नगर से आने वाले और पंजाबी बाग चौराहे से वशिष्ठ कुमार गुल्ला मार्ग की ओर जाने वाले ट्रैफिक को डायवर्ट कर दिया गया है। ट्रैफिक डायवर्जन के लिए रिंग रोड पर बैरिकेड्स लगाए गए हैं। शिव दास पुरी मार्ग, पंजाबी बाग गुरुद्वारे के पास रोड नंबर 41 और ट्रैफिक ट्रेनिंग पार्क के पास भारी ट्रैफिक का अनुमान है। मोती नगर से करमपुरा फ्लाईओवर से भारत दर्शन पार्क की ओर से पंजाबी बाग चौराहे की ओर आने वाले और रिंग रोड तक पहुंचने वाले वाहनों वशिष्ठ कुमार गुल्ला मार्ग लेने की सलाह दी गई है। इसके बाद रोड नंबर 41 पर दाएं मुड़ने फिर ट्रैफिक ट्रेनिंग पार्क पर दाएं मुड़ने के बाद पंजाबी बाग चौराहे की ओर बाएं मुड़ने की सलाह है। ट्रैफिक पुलिस ने राजा गार्डन की ओर से आने वाले और पंजाबी बाग चौराहे की ओर जाने वाले यात्रियों को नवनिर्मित फ्लाईओवर लेने की सलाह दी है। धौला कुआं की ओर से आने वाले और जखीरा की ओर जाने वाले यात्रियों को सलाह दी जाती है कि वे जखीरा पहुंचने के लिए राजा गार्डन चौक से शिवाजी मार्ग की ओर दाहिनी ओर मुड़ें।

सम्पादकीय

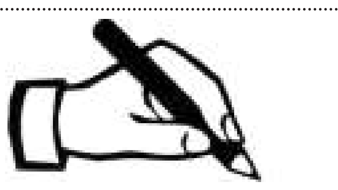

चुनावी बॉन्ड 'काला धन' कैसे?

चुनावी बॉन्ड को सर्वोच्च अदालत 'असंवैधानिक' करार दे चुकी है और उन पर रोक भी लगा दी गई है, लिहाजा यह अध्याय यहीं समाप्त हो जाना चाहिए था। अब चुनाव आयोग अपनी वेबसाइट पर वे ब्योरे जारी कर रहा है, जो भारतीय स्टेट बैंक ने भेजे हैं और जारी करने का आदेश सर्वोच्च अदालत का है। कांग्रेस समेत विपक्ष के दल इस चुनावी चंदे को 'बहुत बड़ा घोटाला' चित्रित कर रहे हैं, जो हास्यास्पद राजनीति है। यदि बॉन्ड के जरिए फरवरी, 2024 तक करीब 7700 करोड़ रुपए का चंदा भाजपा को मिला है, तो नवम्बर, 2023 तक 1334.35 करोड़ रुपए का चंदा कांग्रेस के हिस्से भी आया है। गणना कर लें कि फरवरी, 2024 तक कितना पैसा कांग्रेस के खजाने तक पहुंचा होगा! सूची में दूसरा स्थान तृणमूल कांग्रेस का है, जिसे 1397 करोड़ रुपए का चंदा मिला है। एक क्षेत्रीय दल को इतना चंदाज! सूची में बीआरएस, बीजद, द्रमुक, वाईएसआर कांग्रेस, टीडीपी, राजद, एनसीपी, सपा, अकाली दल, अन्नाद्रमुक आदि क्षेत्रीय दल भी हैं, जिन्हें उनकी हैसियत के मुताबिक करोड़ों में चंदा दिया गया है। क्या कांग्रेस समेत वे सभी दल 'घोटालेबाज' हैं? चुनावी बॉन्ड पर शीर्ष अदालत के फैसले पर कोई सवाल नहीं, अलबत्ता देश का बौद्धिक और जागरूक वर्ग कमोबेश चिंतन कर सकता है कि ऐसा चुनावी चंदा 'घोटाला' कैसे माना जा सकता है? विश्व में ऐसा कोई देश नहीं है, जहां राजनीतिक दलों को चंदा न दिया जाता हो। जहां आम चुनाव के लिए सरकारें आर्थिक संसाधन मुहैया कराती हैं, वहां भी औद्योगिक घराने और वैचारिक तौर पर जुड़ी आम जनता चुनावी चंदे देती रही है।

यह एक सार्वजनिक परंपरा और प्रक्रिया है। औसत करदाता को आयकर या अन्य कर-योग्य संपदा में छूट भी मिलती है, लिहाजा देश की आजादी और संविधान को ग्रहण करने के बाद चंदा देने की परंपरा रही है। इस चंदे के संदर्भ में 'काला धन' का खूब शोर मचाया जा रहा है, लेकिन जो पैसा देश के बुनियादी ढांचे के विकास और जन-कल्याण की परियोजनाओं में निवेश किया जाता रहा है, उस आर्थिक स्रोत को 'काला धन' करार कैसे दिया जा सकता है? दरअसल चुनावी बॉन्ड के तौर पर व्यक्ति, संस्थान, औद्योगिक ईकाई और समूह जितना पैसा निवेश करते हैं, वह अनिवार्य रूप से उनके खातों में दिखाया जाता है। जिन राजनीतिक दलों को बॉन्ड के जरिए चंदा मिला है, उसे दलों ने भी अपने अधिकृत खातों में दिखाया होगा। चुनाव आयोग एक निश्चित अंतराल पर इन खातों की जांच करता रहा है।

तो फिर बॉन्ड में खर्च किया गया धन 'काला धन' कैसे कहा जा सकता है? दरअसल 'काला धन' वह है, जिसे आरोपित व्यक्ति या कॉरपोरेट घराने अथवा राजनेता विदेशी बैंकों में खाते खुलवा कर जमा कर देते हैं और कर-जांच एजेंसियों को उनके खुलासे भी नहीं किए जाते। ऐसे कई 'काले रहस्योद्घाटन' हो चुके हैं। अभी तक चुनाव आयोग के जरिए जितने चुनावी बॉन्ड सार्वजनिक किए गए हैं, उनमें रिलायंस, अंबानी, टाटा, बिरला सरीखे बड़े औद्योगिक समूहों के नाम नहीं हैं। क्या वे राजनीतिक दलों को चंदा नहीं देते? सबसे अधिक 1368 करोड़ रुपए के बॉन्ड खरीदने वाले 'लॉटरी किंग' मार्टिन की कंपनी 'फ्यूचर गेमिंग' पर प्रवर्तन निदेशालय, सीबीआई, आयकर आदि सरकारी एजेंसियों के कई बार छापे मारे जा चुके हैं, जेल भी जाना पड़ा है, फिर भी उसने सर्वाधिक चंदा दिया है। चूंकि कंपनी का मुख्यालय अब तमिलनाडु में है, लिहाजा वहां की सत्तारूढ़ पार्टी द्रमुक को 509 करोड़ रुपए का चंदा दिया गया है।

क्योंकि मोदी जी को पुतिन का कीर्तिमान भंग करना है?...

राकेश अचल

चूंकि आम चुनावों की घोषणा हो चुकी है इसीलिए मुझे भी रोजाना आम चुनावों के मुताल्लिक ही कुछ न कुछ अर्ज करना होगा। आज मेरा सवाल है कि आखिर कार्यवाहक प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र भाई मोदी क्यों तीसरी बार सत्ता में आने के लिए पापड़ बेल रहे हैं? क्या उन्हें रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन का कीर्तिमान भंग करना है? पुतिन पांचवीं बार चुनाव जीते हैं और उन्होंने क्रीं 88 फीसदी मत प्राप्त किये हैं यानी की वहां मुकाबला एकतरफा हुआ है।

ये सही है कि खरबूजे को देखकर खरबूजा रंग बदलता है लेकिन नेता को देखकर नेता भी रंग बदलता है ये हैरानी की बात है। पुतिन उस रूस के राष्ट्रपति हैं जिसकी आबादी 15 करोड़ से ज्यादा नहीं है। इससे ज्यादा आबादी तो हमारे अकेले उत्तर प्रदेश की है। यानि पुतिन का लक्ष्य मोदी जी के लक्ष्य के मुकाबले बहुत छोटा था। मोदी जी दरअसल गरीबी और आतंक से निबटने, किसानों की समृद्धि युवाओं को रोजगार के नए अवसर और भ्र्ष्टाचार पर कार्रवाई के लिए अबकी बार 400 पार करना चाहते हैं। उन्होंने खुद कर्नाटक में ये गणित कर्नाटक की उस जनता को समझाया जो विधानसभा चुनावों में भाजपा को और खुद मोदी जी को खारिज कर चुकी है।

मुझे लगता है कि मोदी जी के साथ अन्याय नहीं होना चाहिए। उन्हें तीसरी बार ही नहीं बल्कि पुतिन की तरह चौथी और पांचवीं बार भी प्रधानमंत्री बनना चाहिए, लेकिन ये होगा कैसे? पुतिन के पांचवीं बार चुने जाने पर अमेरिका ने कहा है कि पुतिन ने लोकतान्त्रिक दायरे से बाहर जाकर चुनाव कराये हैं। यदि मोदी जी भी तीसरी बार जीते तो अमेरिका उनके बारे में भी यही सब कहेगा। वैसे भी मोदी जी आने वाला चुनाव लोकतान्त्रिक दायरे में करा रहे हैं या नहीं कहना कठिन है। मोदी सरकार ने इलेक्टोरल बांड के जरिये जिस तरह से असंवैधानिक तरीके से 60 अरब का चन्दा जुटाया है उसे हम क्या देश की सबसे बड़ी अदालत ने भी गलत करार दे दिया है। यानि मोदी के रास्ते में पहले ही कदम पर अपशकुन हो गया।

मोदी जी को देश की जनता ने दो मौके दिए। यानि एक दशक तक देश की कमान सम्हालने के बाद न वे गरीबी को समाप्त कर पाए और न आतंकवाद का। न युवाओं को रोजगार के अवसर दे पाए और न किसानो को समृद्धि। आज भी जब मोदी जी चुनाव मैदान में उत्तर चुके हैं तब भी देश के किसान दिल्ली की सीमा के बाहर डेरा डाले बैठे हैं। यानि देश ने मोदी जी के पांव पालने में ही नहीं पलंग के बाहर भी देख लिए हैं। जनता समझ चुकी है कि मोदी जी हैं तो मुमकिन है का नारा भी खोखला है और दावा भी खोखला है। लेकिन मेरा मोदी जी के प्रति सम्मान पहले की तरह बरकरार है। मुझे देश कि जनता से ज्यादा मोदी जी कि कलाकारी पर ऐतवार ह। मुझे लगता है कि मोदी जी भी पुतिन की तरह पांचवीं बार नहीं तो कम से कम तीसरी बार तो भारत के प्रधानमंत्री बन जायेंगे।

मोदी जी ने विजय का मूल मन्त्र खोज लिया है। वे धर्मध्वजा लगे सियासत के रथ पर सवार होकर सत्ता कि सीता का वरण करने में सक्षम भी हैं और समर्थ भी। उन्होंने अतीत में परिवार छोड़ने की जो गलती की थी उसे भी सुधारकर अपना खुद का परिवार अपने संघ के प्रियवर से भी बड़ा कर लिया है। यानि अब मोदी जी से बड़ा मोदी जी का नाम है। और ये सब करना आसान काम नहीं है। मोदी जी ने जो असम्भव काम किया है उसके सामने राजनाथ सिंह भी नतमस्तक हैं और माननीय गडकरी भी। संघ तो पहले से मोदी शरणम गच्छामि हो चुका है। संघ प्रमुख डॉ मोहन भागवत न जाने कब से मोदी जी कि भागवत बांचते सुनाई और दिखाई दे रहे हैं।

खुशी की बात ये है कि चुनाव में उतरे मोदी जी का आत्मविश्वास आज भी सातवें आसमान पार है।

घटते वन, बढ़ते प्रदूषण ने अनमोल जिंदगी कर दी कम

डॉ. प्रितम भि. गेडाम

मनुष्य के मूलभूत जीवनावश्यक घटकों से खिलवाड़ करके अन्य भौतिक सुख-सुविधा प्राप्त करना ही अब उद्देश्य बन गया है, तो हम किस आधार पर इस आधुनिक विकास को मनुष्य का सर्वांगीण विकास कहें? मनुष्य को स्वस्थ जीवन के लिए शुद्ध ऑक्सीज़न, स्वच्छ जल और स्वास्थ्यकर आहार सबसे ज्यादा महत्वपूर्ण है, जिसके बिना जीवन की कल्पना बेमानी है। दुनिया में आज कितने प्रतिशत लोगो को यह आवश्यक घटक शुद्ध रूप में प्राप्त हो रहे हैं? हम सभी को पता है कि अमीर हो या गरीब सभी प्रदुषित वातावरण में जीने को मजबूर हैं। आज के समय में कोई नहीं बता सकता कि भोजन की थाली में खाद्यपदार्थ कितना शुद्ध है और यही कारण है कि गर्भवती माताओ के पेट में पल रहे शिशु से लेकर हर उम्र के व्यक्ति में जानलेवा बिमारियो में बेतहाशा वृद्धि हुई है, हार्ट अटैक, ब्रेन स्ट्रोक, कैंसर जैसी बीमारियां तेजी से बढ़ रही हैं। आज हम जिस तरह के वातावरण में सांस ले रहे हैं, निश्चित ही भविष्य में नई-नई बीमारियों का साम्राज्य बढ़ना तय है। इस स्थिति के लिए केवल मनुष्य ही जिम्मेदार है। प्रकृति के साथ खिलवाड़, नीति-नियमों की अवहेलना और स्वार्थवृत्ति ने आमजन के जीवन की डोर को बेहद कमजोर कर दिया है।

पेड़ सजीवों के लिए सबसे बड़ा जीवनदाता है, पेड-पौधो के बिना प्रकृति का अस्तित्व नहीं हो सकता और प्रकृति के बिना मनुष्य का अस्तित्व नहीं हो सकता। पेड़-पौधों के कारण ही हमें शुद्ध ऑक्सीजन, पानी, आहार प्राप्त होता है। प्रकृति मनुष्य की हर आवश्यकता पूरी कर सकती है, लेकिन उनकी लालच नहीं। हर साल 21 मार्च को वनों के महत्व के बारे में जागरूकता बढ़ाने 'अंतर्राष्ट्रीय वन दिवस' दुनिया भर में मनाया जाता है। इस वर्ष 2024 की थीम 'वन और नवाचार' है। हमारे जंगल कम हो रहे हैं, वर्ल्ड वाइल्डलाइफ फंड रिपोर्ट अनुसार, 2022 में 6.6 मिलियन हेक्टेयर जंगल नष्ट हो गए।

जनसंख्या और शहरीकरण में वृद्धि के कारण, अधिक भूमि की लगातार बढ़ती मांग के कारण, आवश्यकता पूर्ति के लिए प्राकृतिक संसाधनों का अत्यधिक दोहन व अधिक वन क्षेत्रों को ख़त्म किया जा रहा हैं। पृथ्वी के तापमान में वृद्धि से भी वनों का क्षरण हो रहा हैं। डाउन टू अर्थ के अनुसार, भारत में वनों की कटाई साल 1990 और 2000 के बीच 384,000 हेक्टेयर से बढ़कर साल 2015 और 2020 के बीच 668,400 हेक्टेयर हो गई। जब जंगल ख़त्म होते है तो इसका सीधा असर पर्यावरण के हर घटक पर पड़ता है और वह जीवन को बुरी तरह प्रभावित करता है।

वैश्विक बीमारी के बोझ का 12त्न कारण पर्यावरणीय जोखिम बनते हैं, जिसमें वायु प्रदूषण पहले स्थान पर है। बीएमजे अनुसार, सूक्ष्म कणों और ओजोन वायु प्रदूषण के कारण हर साल 83.4 लाख लोग जान गवांते है, जबकि प्रदूषण और स्वास्थ्य पर लांसेट कमीशन ने बताया कि 2015 में 90 लाख असामयिक मौतों के लिए प्रदूषण जिम्मेदार था, अर्थात दुनिया भर में छह में से एक मौत प्रदूषण से, और कुल 4·6 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर (वैश्विक आर्थिक उत्पादन का 6क्2त्न) का आर्थिक नुकसान हुआ। जल प्रदूषण 14 लाख असामयिक मौतों के लिए जिम्मेदार था। सीसा और अन्य रसायन वैश्विक स्तर पर हर साल 18 लाख मौतों के लिए ज़िम्मेदार था। विषाक्त व्यावसायिक खतरे 8.7 लाख मौतों के लिए जिम्मेदार थे। अनुमान है कि मृदा प्रदूषण के प्रति मानव जोखिम हर साल वैश्विक स्तर पर 5 लाख से अधिक असामयिक मौतों का कारण बनता है। विकासशील देशों में खराब प्रबंधन वाले कचरे से जुड़ी बीमारियों और दुर्घटनाओं के कारण हर साल चार से दस लाख लोग मरते हैं। प्रदूषण से संबंधित 90त्न से अधिक मौतें कम आय और मध्यम आय वाले देशों में होती हैं। जीबीडी 2019 रिसर्च अनुसार, वायु प्रदूषण, सीसा प्रदूषण और व्यावसायिक प्रदूषकों से पुरुषों की मृत्यु होने की अधिक संभावना है, जबकि जल प्रदूषण से महिलाओं और बच्चों की मृत्यु की संभावना अधिक होती है। ओजोन और पार्टिकुलेट मैटर जैसे वायु प्रदूषक फेफड़ों, हृदय रोग और अन्य स्वास्थ्य समस्याओं की गंभीरता को बढ़ाते हैं। बीएमजे में प्रकाशित अध्ययन से पता चलता है कि उद्योग, बिजली उत्पादन और परिवहन में जीवाश्म ईंधन के उपयोग से उत्पन्न वायु प्रदूषण दुनिया भर में सालाना 51 लाख टाले जा सकने वाली मौतों के लिए जिम्मेदार है। मिलावट खोरी का देश में ये हाल है कि अपने 1 रुपये के फायदे के लिए स्वार्थी लोग ग्राहकों को स्लो पाइजन के रूप में हानिकारक खाद्यपदार्थ खिलाते हैं। अब नकली दवाओं और नशे का अरबों रुपये का बाजार है। खाद्यतेल, मसाले, दूध, मिठाई, नमकीन, अनाज हर पदार्थ में शुद्धता का दावा झूठा साबित होता दिखता हैं। अनुसंधान कहता है कि हर तीसरा व्यक्ति मिलावटी दूध का सेवन कर रहा है, खाद्य पदार्थों में मिलावट का जहर भरपूर मात्रा में उपलब्ध हैं। पहले ही देश के बदलते खान-पान से बहुत विपरीत प्रभाव पड़ा हैं। स्वास्थ्यकर आहार की जगह तेल मसाले नमकीन मीठे और पाचन में भारी खाद्यपदार्थों की मांग लगातार बढ़ रही हैं। फसल उगाने से लेकर उस भोजन को थाली में पहुंचने तक भारी मात्रा में अनेक हानिकारक रासायनिक प्रक्रिया से होकर गुजरना पड़ता हैं। खेतों में रासायनिक खाद का छिड़काव, अनाज पर पॉलिश, चमकदार कृत्रिम रंगों का प्रयोग, फलों को पकाने में घातक रसायनों का प्रयोग, डिब्बाबंद खाद्य पदार्थों और पेयों में रासायनिक प्रक्रिया खाद्य को विषाक्त बनाती हैं। साथ ही बाहरी खाद्य पदार्थों में अस्वच्छता की समस्या भी गंभीर मुद्दा है। दुनिया में आहार संबंधी मृत्यु दर पर 'लैंसेट' पत्रिका 2019 में प्रकाशित एक अध्ययन में खराब आहार के कारण होने वाली सबसे अधिक मौतों के मामले में भारत 15,73,595 आंकड़ों के साथ चीन के बाद दूसरे स्थान पर है। युवा सस्ते और अस्वास्थ्यकर भोजन विकल्पों का सहारा ले रहे हैं जिनमें मुख्य रूप से स्नैक्स शामिल हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार, दुनिया में अनुमानित 60 करोड़ लोग, लगभग 10 में से 1 व्यक्ति दूषित भोजन से बीमार पड़ता हैं, जिसके परिणामस्वरूप 3.3 करोड़ स्वस्थ जीवन वर्ष का नुकसान होता है। निम्न और मध्यम आय वाले देशों में असुरक्षित भोजन के कारण उत्पादकता और चिकित्सा व्यय में हर साल 8.65 लाख करोड़ का नुकसान होता है।

मनुष्य की सभ्यता वन वानकी से कायम

सुरेश सिंह बैस 'शाश्वत'

भारतवर्ष में वनसंपदा का बहुत महत्व है। मान्यता है कि सघन वनों की छाया में ही भारतीय संस्कृति पनपी है। भारतीय जनमानस को इन्हीं वनों की छाया में साधनारत महापुरुषों से समय समय पर आदर्श जीवन संदेश प्राप्त होता रहा है। वृक्षों की धार्मिक एवं सांस्कृतिक महत्ता के अतिरिक्त भारतीय जन जीवन में वृक्षों का अधिकाधिक महत्व भी हैं। लकड़ी की उपयोगिता तो रही ही है, साथ ही पत्तियों, फूलों और फलों आदि का भी विशेष महत्व रहा है। वैद्यक शास्त्र में इन वस्तुओं की बड़ी महिमा तथा उपयोगिता बताई गई है।

भारत वर्ष के अविभाजित मध्यप्रदेश (छत्तीसगढ़ सहित) का यह भू-भाग, काफी पहले से अपने वनाच्छादित सौंदर्य के लिये प्रसिद्ध रहा है! विंध्य पर्वतमाला के दक्षिण में ही स्थित रहा है! वह गहन वनक्षेत्र वही स्थित रहा है! उस गंभीर वनक्षेत्र का काफी बड़ा भाग जो दण्डक वन अथवा दण्डक अरण्य कहलाता था! आज भी प्रदेश का सत्ताईस प्रतिशत भू भाग वनाच्छादित है! वास्तव में प्रदेश का वन परिवेश अनुपम अदभूत हैं! वनसंपदा की दृष्टि से प्रदेश देश का सर्वाधिक समृद्धिशाली राज्य हैं। इस राज्य को प्रकृति ने विशाल वनसंपदा प्रदान की हैं! प्रदेश में लगभग हजारों वर्ग किलोमीटर क्षेत्र में वन हैं, जो राज्य में भू भाग का लगभग पैंतीस प्रतिशत पर्यावरण, भूमि तथा जलीय दृष्टि से हमारे वन देश के लिये अत्यंत महत्वपूर्ण हैं! संपूर्ण देश की आदिवासी जनसंख्या का बीस प्रतिशत मध्यप्रदेश में हैं! और उनमें से अधिकांश वनक्षेत्र में निवास करते हैं! इनके हित वनों से जुड़े हुये हैं! सात प्रमुख नदियों का जल स्त्रोत एवं पर्यावरण का आधार होने के साथ साथ हमारे जंगलों पर बढ़ती हुई आबादी का प्रभाव तो हैं ही साथ ही साथ आबादी की बढ़ती हुई जरूरतों से भी कम प्रभावित हो रहे हैं।

वनों के बिना प्रदेश की कल्पना नहीं कर सकते हैं! प्रदेश के विकास, आर्थिक संपन्नता का आत्मनिर्भरता की कुंजी प्रदेश के निहित है! यह न केवल अपनी बल्कि अपने पड़ोसी राज्यों की भी जरूरतों को पूरा करता रहा है। स्पष्ट है कि पर्यावरण और सामाजिक मनुष्य की आर्थिक विकास की पूर्ति के राष्ट्रीय संदर्भ में प्रदेश का बहुत बड़ा महत्व है। लगभग 15 लाख घन मीटर लकड़ी तीन करोड़ बांस, 50 लाख मानक बोरा तेंदूपत्ता, चालीस हजार टन साल बीज, दस हजार टन हरी और अनेक महत्वपूर्ण यनोपज का उत्पादक यह प्रदेश सामाजिक, व्यापारिक और औद्योगिक आवश्यकताओं पूर्ति में महत्वपूर्ण योगदान देता है। समय के साथ वानिकी की सोच में परिवर्तन आया हैं। अब जनकल्याण और सहयोग की विचारधारा प्रबल हुई हैं। अनेक प्रयास भी हो रहे हैं, जिसके माध्यम से वानिकी ग्राम विकास का पर्याय बन रही है। सामाजिक वानिकी कार्यक्रम का उददेश्य उजडे और वनस्पति विहीन क्षेत्रों को समाज के लाभ के लिये फिर से हरा भरा बनाना है।

हमारा देश, चूंकि कृषि प्रधान देश है इसलिये देश के किसानों की आर्थिक उन्नति पर ही देश की प्रगति निर्भर करती है। किसानों तथा ग्रामीणों को आये दिन वनोपज की आवश्यकता पड़ती है। किसानों की वनोपज संबंधी आवश्यकताओं की पूर्ति वन निस्तार की सुविधाओं द्वारा की जाती है। वन विनाश के भयंकर परिणाम आज हमारे सामने है। लगभग दो तिहाई प्रदेश वन विहीन हैं। पर्यावरण के संरक्षण को भले ही एक सुदूर समस्या के रूप में देखा जाये, लेकिन ईंधन और चारे की समस्या तो आम जनता के लिये हकीकत बन चुकी है। अतः आवश्यकता के अनुरुप ग्रामीणजनों का वृक्षारोपण के लिये आगे आना आवश्यक है। इस संदर्भ में सामाजिक वानिकी का बड़ा महत्व है। इस गतिविधि की सफलता जनता के सहयोग पर ही निर्भर करती है।

वनोपज के बढ़ते हुये मूल्य एवं मांग और पूर्ति के बीच के बढ़ते हुये अंतर के कारण वनों की सुरक्षा दिन प्रतिदिन कठित होती जा रही है। विभाग गत डेढ वर्ष से इस दिशा में सशक्त अभियान चला रहा है। पूर्व में जहां सीमित वन कटाई निजी आवश्यकताओं की पूर्ति के लिये की जाती थी, वहां की वनों की अंधाधुन्ध कटाई भी शुरु हुई। वनसुरक्षा के लिये विशेष सघन अभियान के अंतर्गत हजारों घन मीटर इमारती, जलाउ लकड़ी, सहित बांस की लाखों बल्लियां जप्त की गई है। वैसे ही तेंदूपत्ता सहित करोड़ों के ही मत की वनोपज भी पकड़ी गई है। आरा मशीनों की सघन जांच के दौरान लगभग 889 आरा मशीन बंद कराई गई है। अवैध वनोपज के परिवहन के लिप्त लगभग 858 वाहन जप्त किये गये। वन अपराधों के नियंत्रण की दिशा में विगत वर्षों में की गई कार्यवाही एक कीर्तिमान हैं। वन सुरक्षा को और सुदृढ़ करने के लिये प्रदेश वनोपज व्यापार विनिमय अधिनियम 1969 में संशोधन करते हुये सभी वनाधिकारियों को जप्ती का अधिकार दिया गया है। इसके अतिरिक्त वन कर्मचारियों को वन सुरक्षा के लिये और अधिक कारगन बनाने के उद्योग से उन्हें पुलिस प्रशिक्षण संस्थान में शस्त्र चलाने का प्रशिक्षण भी दिया जा रहा है।

पुराणों, महाभारत, रामायण, मेघदूत इत्यादि ग्रंथों में मालवा, मध्यभारत, विंध्याचल और दंडक वन (छत्तीसगढ़) में प्रचुर मात्रा में वन पाये जाने की गाथाऐं मिलती हैं। ये सब क्षेत्र वर्तमान मध्यप्रदेश व छत्तीसगढ़ के ही हिस्से हैं। इसलिये प्रदेश में मौसम सुहाना रहता है। समय पर मानसून आता था। वर्षा अच्छी होती थी। वनवासियों व गरीब% तबके के लोगों को वनों से रोजगार सुलभ था। प्रचुर मात्रा में जलाऊ लकड़ी, इमारती लकड़ी उपलब्ध थी। जड़ी-बूटियों के मामले में प्रदेश गौरवान्वित था। वन्य प्राणियों की संख्या अधिक थी। वनों में प्राकृतिक सौंदर्य भरपूर था। पर्यावरण संतुलित था। विगत तीन चार दशकों में प्रदेश में औद्योगिकरण के विकास, नगरीयकरण, कृषि के लिये एवं आवास स्थलों के लिये, सड़के मार्ग बनाने, सिंचाई और विद्युत के लिये बड़े बड़े बांध बनाने, स्थानीय व अंतर्राज्यीय ठेकेदारों द्वारा वनों की अवैध कटाई से वनों का अस्तित्व ही खतरे में पड़ता जा रहा है। वनक्षेत्रों में जहां कभी कोयल और बुलबुल के स्वर गुंजित होते थे, वन्य प्राणी निश्चिंतता के साथ घूमते थे, आज वहीं विरानियां हैं। निर्मम कटाई के कारण वनक्षेत्र कम होते जा रहे हैं।

देश-दुनिया में दिन पर दिन पर्यावरण के बिगडने का खतरा बढ़ता जा रहा है। इस दृष्टि से पर्यावरण संरक्षण में सामाजिक वानिकी अहम भूमिका निभा रही हैं। प्रदेश के शहरों में भी लोग निजी भूमि पर वृक्षारोपण कर सकते हैं।

एक साथ चुनाव : राष्ट्रीय हित की पहल

सुरेश हिन्दुस्थानी

अभी हाल ही में एक साथ चुनाव कराने को केंद्र सरकार द्वारा बनाई गई उच्च स्तरीय समिति ने व्यापक मंथन करने के पश्चात अपनी रिपोर्ट राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को सौंप दी। इस समिति ने इस आधार पर एक साथ चुनाव कराने का समर्थन किया है, क्योंकि इसके लिए अधिकांश राजनीतिक दलों की राय एक साथ चुनाव कराने को लेकर सकारात्मक रही। राजनीतिक विद्वानों का मानना है कि एक साथ चुनाव से देश में विकास की धारा को गति मिलेगी। क्योंकि बार-बार चुनाव होने के कारण सभी राजनीतिक दलों के नेता और प्रशासनिक अधिकारी चुनाव में व्यस्त रहते हैं, जिसके कारण जन सामान्य के जुड़े ऐसे कार्य भी प्रभावित होते हैं, जो बहुत जरूरी होते हैं। ऐसे में एक साथ चुनाव कराया जाना एक सार्थक पहल कही जा सकती है। इससे बार-बार चुनाव में लगने वाले समय में कमी आएगी और आवश्यक कार्यों को तय समय सीमा में पूरा किया जा सकेगा। यह बात स्मरण करने वाली है कि वर्तमान केंद्र सरकार ने देश में कई परियोजनाओं को तय समय से पहले ही पूर्ण किया है। एक साथ चुनाव होने से इसमें और गति आएगी, यह तय है।

वर्तमान में भारत में ऐसे कई कारण हैं, जो राष्ट्रीय विकास में बाधक बन रहे हैं। इसमें एक अति प्रमुख कारण बार-बार चुनाव होना है। देश में होने वाले चुनावों के दौरान लगने वाली आचार संहिता के चलते सरकार का कामकाज भी प्रभावित होता है। हमारे देश में किसी न किसी राज्य में हर वर्ष चुनाव के प्रक्रिया चलती रहती है। चुनाव के दौरान संबंधित सरकार कोई बड़ा निर्णय नहीं ले सकती। चुनाव होने के कारण राजनीतिक दल हर साल केवल चुनाव जीतने की योजना ही बनाते रहते हैं। इस कारण देश के उत्थान के बारे में योजना बनाने या सोचने का उतना समय भी नहीं मिल पाता, जितना सरकार का कार्यकाल होता है। इसलिए वर्तमान में जिस प्रकार से एक साथ चुनाव कराने की योजना पर मंथन चल रहा है, वह देश को उत्थान के मार्ग पर ले जाने का एक अभूतपूर्व कदम है। केंद्र सरकार ने देश में एक साथ चुनाव कराने के बारे में प्राथमिक कदम उठाकर प्रक्रिया प्रारंभ करदी है। लेकिन सवाल यह भी है कि क्या एक साथ चुनाव कराया जाना उचित है? यकीनन इसका उत्तर यही होगा कि यह ठीक कदम है। अब 47 में से 32 राजनीतिक दलों ने एक साथ चुनाव पर मोहर लगाकर इसके रास्ते की बाधाओं को हटाने का कार्य किया है। यही राष्ट्रीय सोच होना चाहिए। अगर इसे इसी दृष्टिकोण से देखेंगे तो हमें यह कदम अच्छा ही लगेगा। एक साथ चुनाव कराए जाने को लेकर केंद्र सरकार ने पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविन्द के नेतृत्व में समिति बनाई। उन्होंने राष्ट्रपति रहते हुए एक बार अपने अभिभाषण में भी एक साथ चुनाव कराए जाने पर जोर दिया था। पूर्व राष्ट्रपति ने स्पष्ट कहा था कि बार-बार होने वाले चुनावों से विकास में बाधा आती है, ऐसे में देश के सभी राजनीतिक दलों को एक साथ चुनाव कराने के बारे में गंभीरता से विचार करना चाहिए। सच कहा जाए तो एक साथ चुनाव कराया जाना राष्ट्रीय चिंता का विषय है, जिसे सभी दलों को सकारात्मक दृष्टि से लेना होगा। हम यह भी जानते हैं कि देश के स्वतंत्र होने के पश्चात लम्बे समय तक एक साथ चुनाव की प्रक्रिया चली, लेकिन कालांतर में कई राज्यों की सरकारें अपने कार्यकाल की अवधि को पूरा नहीं कर पाने के कारण हुए मध्यावधि चुनाव के बाद यह क्रम बिगड़ता चला गया और चुनाव अलग-अलग समय पर होने लगे। इसके कारण देश में सरकारी कामकाज की प्रक्रिया तो बाधित होती ही है, साथ ही सरकारी कामकाज को लेकर सक्रिय रहने वाले सरकारी अधिकारी और आम जनता भी ऐसी बाधाओं के चलते निष्क्रियता के आवरण को ओढ़ लेते हैं। यह भी काम में रुकावट का कारण बनती है। इन सभी कारणों के निदान के लिए देश में एक साथ चुनाव कराने के विषय पर सभी राजनीतिक दलों के बीच संवाद बढ़ना चाहिए और इस बारे में आम सहमति बनायी जानी चाहिए।

केंद्र सरकार की मंशा स्पष्ट है, लेकिन विपक्षी राजनीतिक दल इस बारे में क्या राय रखते हैं, यह अभी तक सामने नहीं आ पाया है। हालांकि देश हित के मुद्दे पर विपक्षी राजनीतिक दलों को भी इस बारे में सरकार के रुख का पूरी तरह से समर्थन करना चाहिए। एक साथ चुनाव होने से देश में विकास की गति को समुचित दिशा मिलेगी, जो बहुत ही आवश्यक है। क्योंकि देश में बार-बार चुनाव होने से जहां राजनीतिक लय बाधित होती है, वहीं देश को आर्थिक बोझ भी झेलना पड़ता है।

इसलिए एक साथ चुनाव कराए जाने के अच्छे विचार को कैसे अमल में लाया जा सकता है, इसके बारे में गंभीरता पूर्वक चिंतन करना चाहिए। यह कठिन कार्य नहीं हैं, क्योंकि दुनिया के कई देशों ने भी इस प्रकार की नीतियां बनाई हैं, जिसके अंतर्गत एक साथ चुनाव कराए जाते हैं और वे देश विकास के पथ पर निरंतर रुप से आगे बढ़ते जा रहे हैं, जब ऐसा विदेशों में हो रहा है और भारत में भी ऐसा होता रहा है, तब अब भारत ऐसा क्यों नहीं कर सकता। भारत में ऐसा होना ही चाहिए। जब से देश में नरेन्द्र मोदी की सरकार आई है, तब से ही देश में राष्ट्रीय हित की दिशा में अनेक काम किए जा रहे हैं। इन कामों का वास्तविक स्वरुप भविष्य में ही सामने आएगा।

क्योंकि देश में लम्बे समय से एक मानसिकता बन गई थी कि अब भारत से समस्याओं का निदान संभव ही नहीं है। उस समय सरकारों के संकल्प में कमी दिखाई देती थी।

ब्रा एक परिधान है। केवल

ब्रा जो हर स्त्री का परिधान है। यह केवल आकर्षण बनकर रह गया है आज लोगों की

नजरों में,और नयें नयें तरह के रंग बिरंगे कपड़े की तरह बिक रहे हैं। मार्केट में, अगर लोग यह सोचे

यह केवल एक परिधान नही है। यह महिलाओं को कई बार सुरक्षित महसूस करवाता है तो कई

बार असहज महसूस करवाता है।

ब्रा महिलाओं का वह परिधान है । जिसके बारे में,

हम सबको पता होना बहुत जरूरी है।

यह परिधान है इसके बारे में अक्सर महिलाएं शर्म कर जातीं हैं। किसी से सलाह लेने में,

और वो इस वजह से अपनी जान को ख़तरे में डाल देती है। जैसे नुकसान देखने को मिलते हैं।

दिनभर ब्रा पहने रहने से शरीर पर महिलाओं को अक्सर ब्रेस्ट पेन, दर्द जैसी समस्या हो जाती है।

ब्रा पहनकर रखने से महिलाओं में ब्लड सर्कुलेशन भी प्रभावित होता है।

और बहुत सी महिलाओं को पीठ और गर्दन दर्द,

की समस्या भी होती है।

गर्मी में अक्सर महिलाएं ब्रा पहनकर घर का काम या बाहर का काम करती है जिससे पसीने आने की वज़ह से स्किन इरिटेशन, हाइपरपिग्मेंटेशन और फंगस के फैलने की आशंका बढ़ जाती है।

ब्रा परिधान (पहनना) जरुरी है। पर इसके अलावा महिलाओं को इसके बारे में जागरूक होना भी जरूरी है। ताकि वो अपने आप को सुरक्षित महसूस कर सकें। अपने परिधान में।

यह विषय एक मानव के अंग से जुड़ा हुआ वस्त्र है।

फर्क बस इतना है यह वस्त्र महिलाओ के लिए बनाया गया है। कोई शर्म करने वाला वस्त्र नही है। जो किसी के सामने इस विषय पर बात करने में शर्म आये

करिश्मा गुज्जर (खारी)

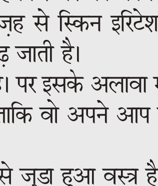

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक व सम्पादक विजय कुमार द्वारा आदित्य ग्राफिक्स, प्रताप भवन 5, बहादुर शाह जफर मार्ग, आई.टी.ओ. नई दिल्ली-110002 से मुद्रित कराकर 1536/108 गणेशपुरा रोड, त्रीनगर दिल्ली-110035 से प्रकाशित। सम्पादक : विजय कुमार RNI No. : DELHIN/2015/66886
अखबार में प्रकाशित तथ्यों एवं लेखों से सम्पादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं, किसी भी कानूनी वाद विवाद का निपटारा दिल्ली न्यायालय के अधीन होगा।
मोबाइल : 9210092542 फोन :- 011-46696546 E-mail : opensearchdelhi@gmail.com

एक नज़र

तड़के जेल में चला सर्च ऑपरेशन, तीन घंटे में 100 पुलिस कर्मचारियों ने चप्पे-चप्पे पर की चेकिंग

श्री मुक्तसर साहिब (एजेंसी) लोकसभा चुनाव के मद्देनजर जिला पुलिस की ओर से एसएसपी भागीरथ सिंह मीना के आदेशों पर जिला जेल में सुबह तड़के सर्च अभियान चलाया गया। इस अभियान में एसपी (एच) कंवलप्रीत सिंह, डीएसपी सतनाम सिंह, डीएसपी (डी) जसपाल सिंह, डीएसपी अमनदीप सिंह सहित 100 कर्मचारियों ने जेल सुपरिटेंडेंट वरुण कुमार के साथ मिल जेल में अन्य स्थानों पर चेकिंग की।

यह सर्च लगभग तीन घंटे तक चली। एसपी कंवलप्रीत सिंह ने बताया कि लोकसभा चुनाव के मद्देनजर सुरक्षा को मुख्य रखते हुए जिला जेल में चेकिंग की गई है। जेल में सभी बैरकों, जेल के अंदर आने व बाहर जाने वाले रास्तों, कैदियों व हवालातियों की अच्छी तरह से सर्च की गई है। इसके साथ ही जेल के अंदर व बाहर की दीवारों के साथ लगते स्थानों पर भी सर्च किया गया है। उन्होंने कहा कि सर्च अभियान का मुख्य उद्देश्य नशे व जेल में गैंगस्टरों के नेटवर्क को तोड़ना है। उन्होंने कहा कि शरारती तत्वों को बख्शा नहीं जाएगा। पुलिस पूरी तरह से चौकस है।

खत्म हो जाएं टोल प्लाजा तो होगी हजारों करोड़ रुपये की बचत

गुरुग्राम (एजेंसी) राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) में रोड कनेक्टिविटी को बेहतर करने की राह में टोल प्लाजा सबसे बड़ी बाधा हैं। टोल प्लाजा की वजह से एनसीआर एक यूनिट की तरह नहीं दिखता है। एनसीआर के शहरों से दिल्ली में प्रवेश करने के लिए टोल टैक्स देना पड़ता है।

वहीं दिल्ली से बाहर निकलते ही कुछ दूरी पर टोल टैक्स देना पड़ता है। टोल प्लाजा पर पीक आवर में ही नहीं बल्कि, बाकी समय के दौरान भी वाहनों का दवाब रहता है। इससे इनकी लेनों में लाइनें लगी रहती हैं। कुल मिलाकर टोल प्लाजा की वजह से समय, ऊर्जा यानी ईंधन और पैसे का भारी नुकसान हो रहा है। एनसीआर देश का सबसे विकसित क्षेत्र बने, इसके लिए टोल प्लाजा से मुक्ति दिलानी होगी। टोल प्लाजा से मुक्ति मिलने से ही रोड कनेक्टिविटी बेहतर होगी और आकांक्षी एनसीआर का सपना साकार हो सकेगा। केवल हाईवे या एक्सप्रेस-वे बनाने से बात नहीं बनेगी।

नए सीएम के बाद अब नायब मंत्रिमंडल को हाई कोर्ट में चुनौती

चंडीगढ़ (एजेंसी) बीते दिन हरियाणा कैबिनेट का विस्तार हो गया है। मंगलवार को हरियाणा में एक कैबिनेट मंत्री समेत छह राज्य मंत्रियों ने शपथ ली। अब सीएम नायब की कैबिनेट तैयार है। लेकिन कैबिनेट तैयार होते ही नायब सरकार के आगे एक चुनौती आकर खड़ी हो गई है।

दरअसल, कैबिनेट विस्तार को लेकर हाई कोर्ट में चुनौती दी गई है। हाई कोर्ट के वकील जगमोहन भट्टी द्वारा दायर याचिका में आरोप लगाया गया की मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी की नियुक्ति खुद ही कानून के खिलाफ है है और हाई कोर्ट इस मामले में नोटिस जारी कर चुका है। इस बीच सैनी ने मंत्री मंडल का विस्तार कर दिया। जानकारी के अनुसार, कहा गया कि इसमें नियमो को तोड़ा गया है। कहा गया कि नियमों अनुसार हरियाणा में विधान सभा की तय संख्या के आधार पर मुख्यमंत्री समेत केवल 13 मंत्री बन सकते है लेकिन हरियाणा में यह संख्या अब 14 है। याचिका में सभी मंत्रियों के पदभार संभालने पर रोक की मांग की है। वहीं बीते दिनों हाई कोर्ट के वकील जगमोहन सिंह भट्टी ने नायब सैनी के मुख्यमंत्री बनाए जाने पर भी आपत्ति जताई।

बाबा पर अंधविश्वास फैलाने व बलि प्रथा को बढ़ावा देने का आरोप

सोनीपत (एजेंसी) सोनीपत के गांव ठरू के एक बाबा पर अंधविश्वास फैलाने और बलि प्रथा को बढ़ावा देने के आरोप लगे हैं। पुलिस विभाग के सुरक्षा एजेंट ने मामले की शिकायत पुलिस को दी है। उनका आरोप है कि उनके पास आए वायरल वीडियो में बाबा लोगों को अंधविश्वास में धकेल बुरी प्रथाओं को बढ़ावा देता दिख रहा है।

जिससे धार्मिक व सामाजिक सौहार्द खराब हो सकता है। इस पर सदर थाना पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर लिया है। हवलदार सुरेंद्र ने सदर थाना पुलिस को बताया कि वह पुलिस विभाग में सुरक्षा एजेंट (एसए) हैं। सदर थाना सोनीपत क्षेत्र में होने वाले घटनाओं की जानकारी जुटाकर वह अधिकारियों तक पहुंचाते हैं। उन्होंने पुलिस को बताया कि कई दिन से जानकारी आ रही थी कि गांव ठरू निवासी सुरेश उर्फ सूर्यदेव बाबा लोगों को अंधविश्वास में धकेल रहा है। वह बलि देने जैसी बुरी प्रथा को बढ़ावा दे रहा है। देश के कई नामचीन नेताओं की तरफ से भी बलि देने की बात कह रहा है। जिससे धार्मिक व सामाजिक सौहार्द खराब हो सकता है।

ग्रामीण बैंक ने किया डिफाल्टर घोषित, परेशान व्यक्ति ने से काटी हाथ की नस

फतेहाबाद (एजेंसी) फतेहाबाद के बिगड़ चौक पर बुधवार दोपहर को हरियाणा ग्रामीण बैंक के बाहर हंस कॉलोनी निवासी एक व्यक्ति ने अपने हाथ की नस काट ली। व्यक्ति काफी देर खून से लथपथ यहां बैठा रहा। जिसके बाद सूचना पाकर डायल 112 पुलिस मौके पर पहुंची और घायल व्यक्ति के हाथ पर रुमाल बांधकर उसे नागरिक अस्पताल पहुंचाया।

अस्पताल में उपचारधीन रवि अरोड़ा ने बताया कि उसने कुछ साल पहले बैंक से कर्ज लिया था। 2019 में उसने कर्ज की किश्तें चुका दी, लेकिन उसके बाद से उसे लगातार परेशान किया जा रहा था। उसे डिफाल्टर भी करार दे दिया गया। इससे वह काफी परेशान हो चुका था। बुधवार को बैंक भी पहुंचा लेकिन कोई सुनवाई नही हुई। इसके चलते उसने अपने हाथ की यहां गेट पर बैठकर ब्लेड से हाथ की नस काट ली।

निष्पक्ष, स्वच्छ और पारदर्शी चुनाव करवाने में नागरिक भी करें सहयोग- मुख्य निर्वाचन अधिकारी अनुराग अग्रवाल

सी-विजिल मोबाइल एप के माध्यम से आमजन कर सकेंगे आदर्श आचार संहिता के उल्लंघन की शिकायत

चंडीगढ़.ओपन सर्च

हरियाणा के मुख्य निर्वाचन अधिकारी अनुराग अग्रवाल ने कहा कि लोकसभा आम चुनाव 2024 के मद्देनजर आदर्श आचार संहिता की अनुपालना में अब आमजन भी आयोग के लिए एक महत्वपूर्ण भूमिका अदा करेंगे। नागरिकों को सतर्क होकर चुनाव में भाग लेना होगा। इसके लिए चुनाव आयोग ने सी-विजिल मोबाइल एप विकसित किया है। सीविजल मोबाइल एप के माध्यम से आमजन को चुनाव ऑब्जर्वर के समान एक शक्ति प्रदान की है, जिस पर वे आदर्श आचार संहिता का उल्लंघन होने की शिकायत दर्ज करवा सकते हैं। नागरिक अपने मोबइल से फोटो व वीडियो, ऑडियो भी सी-विजिल एप पर भेज सकते हैं। 100 मिनट के अंदर-अंदर संबंधित शिकायत पर एक्शन लिया जाएगा। उन्होंने कहा कि नागरिक आयोग के लिए एक महत्वपूर्ण कड़ी का काम करेंगे और निष्पक्ष, स्वच्छ और पारदर्शी बनाने में सहयोग कर सकते हैं। उन्होंने बताया कि नागरिक गूगल प्ले स्टोर से इस एप्लिकेशन को एंड्राइड फोन तथा एप स्टोर से आई फोन पर डाउनलोड कर सकते हैं।

आमजन फोटो खींच सकते हैं या दो मिनट की वीडियो भी रिकॉर्ड करके इस एप पर अपलोड कर सकते हैं। वह फोटो और वीडियो जीपीएस लोकेशन के साथ एप पर अपलोड हो जाएगी। शिकायत दर्ज करने के 100 मिनटों में शिकायत का समाधान किया जाएगा। इसके अलावा, संबंधित शिकायत नेशनल ग्रीवांस रिडेरेसल सिस्टम पोर्टल पर भी डाल सकते हैं। उन्होंने बताया कि फलाइंग स्कवाइड, सटेटिक सर्विलेंस टीमों की लाइव जानकारी रहती है और सी-विजिल एप पर जिस स्थान से शिकायत प्राप्त होती है तो निकट टीमें तुरंत वहां पहुंचेंगी। अनुराग अग्रवाल ने बताया कि लोकसभा आम चुनाव 2024 के मद्देनजर चुनाव प्रक्रिया से जुड़े विभिन्न विषयों पर राज्य स्तरीय मास्टर ट्रेनर्स ने कर्मचारियों को प्रशिक्षण प्रदान किया। इसके अलावा, 16 नोडल अधिकारी भी पदनामित किए गए हैं। उन्होंने कहा कि आदर्श आचार संहिता का पालन सुनिश्चित करने के लिए चुनाव आयोग ने सभी राज्यों व केंद्र शासित

सीविजल मोबाइल एप के माध्यम से आमजन को चुनाव ऑब्जर्वर के समान एक शक्ति प्रदान की है, जिस पर वे आदर्श आचार संहिता का उल्लंघन होने की शिकायत दर्ज करवा सकते हैं। नागरिक अपने मोबइल से फोटो व वीडियो, ऑडियो भी सी-विजिल एप पर भेज सकते हैं।

प्रदेशों के मुख्य निर्वाचन अधिकारियों को निर्देश जारी किए गए हैं। राज्य स्तर पर व जिला स्तर पर मीडिया सर्टिफिकेशन एवं मॉनिटरिंग कमेटी (एमसीएमसी) गठित की गई है, जो चुनाव के दौरान उम्मीदवारों व राजनीतिक पार्टियों द्वारा जारी विज्ञापनों या किसी प्रकार की पेड न्यूज पर निगरानी रखेगी। राज्य स्तर पर गठित एमसीएमसी के चेयरमैन मुख्य निर्वाचन अधिकारी हैं। पीआईबी/बीओसी के अतिरिक्त महानिदेशक/निदेशक स्तर के अधिकारी, भारत निर्वाचन आयोग द्वारा नियुक्त पर्यवेक्षक, भारतीय सूचना सेवा के अधिकारी, भारतीय प्रेस परिषद द्वारा नामित विशिष्ट नागरिक या पत्रकार इस कमेटी के सदस्य हैं, जबकि अतिरिक्त/संयुक्त मुख्य निर्वाचन अधिकारी कमेटी के सदस्य सचिव हैं। अग्रवाल ने कहा कि लोकतंत्र के चौथा स्तंभ माने जाने वाले मीडिया की सुविधा के लिए चंडीगढ़ मुख्य निर्वाचन अधिकारी के कार्यालय में मीडिया सेंटर स्थापित किया गया है। जिला स्तर पर भी जिला सूचना जन संपर्क अधिकारी कार्यालय में भी मीडिया सेंटर स्थापित रहेंगे। लोगों को मतदान के प्रति जागरूक करने के साथ-साथ आयोग को भी चुनाव प्रक्रिया से संबंधित समाचारों की पल-पल की जानकारी देंगे। उन्होंने मीडिया से भी अपील की है कि वे चुनाव का पर्व, देश का गर्व में स्वयं शामिल हों और आम जनमानस को भी बढ़चढ़ कर मतदान करने के लिए जागरूक करें।

संगरूर में जहरीली शराब पीने से छह की हालत बिगड़ी, चार की मौत; पुलिस मामले की जांच में जुटी

दिड़बा, संगरूर (एजेंसी)

दिड़बा के नजदीकी गांव गुज्जरां में 150-150 रुपये में खरीदी शराब की पीने से छह व्यक्तियों की हालत बिगड़ गई। इनमें से जहां चार व्यक्तियों की मौत हो गई, वहीं दो सिविल अस्पताल संगरूर में जिंदगी व मौत के बीच जुझ रहे हैं।

सभी व्यक्ति गांव में ही दिहाड़ी-मजदूरी करने वाले हैं व गांव के ही किसी व्यक्ति से सस्ती शराब खरीदी थी। मरने वालों में दो सगे भाई है। जानकारी अनुसार गांव में दिहाड़ी मजदूरी का काम करने वाले आधा दर्जन व्यक्तियों ने सोमवार व मंगलवार को गांव में अवैध तौर पर शराब बेचने वाले किसी व्यक्ति से शराब खरीदी थी। यह शराब पीने से निर्मल सिंह पुत्र जोरा सिंह (45), वीरपाल सिंह व जग्गी सिंह की सेहत खराब हो गई। जिन्हें बुधवार सुबह चार बजे के करीब सिविल अस्पताल संगरूर लाया गया, जहां हालत गंभीर होने के कारण निर्मल सिंह की मौत हो गई, जबकि वीरपाल सिंह व जग्गी सिंह का इलाज चल रहा है, वहीं इसी गांव के जगजीत सिंह उर्फ जग्गी सिंह पुत्र जोगा सिंह, उसका भाई प्रगट सिंह उर्फ गुरजंट सिंह पुत्र जोरा सिंह। भोला सिंह पुत्र बेअंत सिंह निवासी गुज्जरां भी शराब पीने के बाद रात को बीमार हो गए, जिन्हें दिड़बा के अस्पताल में ले जाया गया, जहां उनकी मौत हो गई। चारों मृतकों के शव पोस्टमार्टम के लिए सिविल अस्पताल संगरूर भेज दिए गए। डीएसपी दिड़बा पृथ्वी सिंह ने बताया कि पुलिस को सूचना मिलने पर पुलिस ने मौके पर पहुंचकर जांच पड़ताल आरंभ कर दी है।

सीएम भगवंत मान बोले 'बलिदानी अमृतपाल सिंह पंजाब के बेटे, शांति भंग करने वालों का हश्र गैंगस्टर...

दसूहा, होशियारपुर (एजेंसी)

हेड कांस्टेबल अमृतपाल सिंह के बलिदान को कभी भुलाया नहीं जा सकता है। राज्य की सुरक्षा के लिए अपने प्राणों की आहुति देकर वे न केवल परिवार और गांव, बल्कि पूरे पंजाब के बेटे बन गए हैं। राज्य सरकार बलिदानी के परिवार के साथ चट्टान के साथ खड़ी है और परिवार को कोई भी परेशानी नहीं आने दी जाएगी। यह बात मंगलवार को मुख्यमंत्री भगवंत मान ने बलिदानी अमृतपाल सिंह के गांव जंडोर पहुंच कर उनके परिवार के साथ दुख साझा कहते हुए कही। उन्होंने बलिदानी के पिता हरमिंदर सिंह, माता सुरिंदर कौर, पत्नी गगनदीप कौर सहित पारिवारिक सदस्यों के साथ संवेदना भी व्यक्त की। मुख्यमंत्री मान ने चेतावनी देते हुए कहा कि अगर किसी ने प्रदेश में शांति भंग करने और कानून-व्यवस्था को अपने हाथ में लेने की कोशिश की तो उसका हाल भी गैंगस्टर सुखविंदर सिंह राणा जैसा ही होगा। उन्होंने जिला पुलिस के प्रदर्शन पर संतोष व्यक्त किया और कहा कि पुलिस राज्य में शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए अपनी जिम्मेदारी बखूबी निभा रही है। इस मौके पर दसूहा के विधायक एडवोकेट कर्मवीर सिंह घुम्मण, चब्बेवाल के विधायक डा. राज कुमार, एसएसपी सुरेंद्र लांबा सहित पुलिस के अधिकारी भी मौजूद थे।बता दें कि रविवार को होशियारपुर जिले के गांव मंसूरपुर में गैंगस्टर के पास हथियारों की सूचना पर सीआइए स्टाफ की पुलिस उसे पकड़ने के लिए गांव पहुंची थी। पुलिस टीम की ओर से घिरता देख गैंगस्टर सुखविंदर सिंह राणा ने टीम पर फायरिंग कर दी। इसमें

मुख्यमंत्री भगवंत मान ने बलिदानी अमृतपाल सिंह के गांव जंडोर पहुंच कर उनके परिवार के साथ दुख साझा कहते हुए कही। उन्होंने बलिदानी के पिता हरमिंदर सिंह, माता सुरिंदर कौर, पत्नी गगनदीप कौर सहित पारिवारिक सदस्यों के साथ संवेदना भी व्यक्त की।

गोली लगने से हेड कांस्टेबल अमृतपाल सिंह बलिदान हो गए थे। दूसरे दिन पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज से गैंगस्टर राणा का पता लगाया और मुठभेड़ में मार गिराया था। गांव में बलिदानी के नाम पर खेल स्टेडियम बनाने की घोषणा मुख्यमंत्री मान ने गांव जंडोर में बलिदानी अमृतपाल के नाम पर खेल स्टेडियम बनाने की घोषणा की। उन्होंने कहा कि गांव निवासी व बलिदानी के पारिवारिक सदस्य जो भी आदेश देंगे उसे पूरा करने का भरसक प्रयास किया जाएगा।

पंजाब की इस सीट से पूर्व मुख्यमंत्री चन्नी हो सकते हैं उम्मीदवार, बस घोषणा का इंतजार

जालंधर (एजेंसी)

कांग्रेस में जालंधर लोकसभा सीट से उम्मीदवार को लेकर असमंजस की स्थिति बनी हुई है। अपने गढ़ को फिर से प्राप्त करने के लिए इस बार कांग्रेस घेराबंदी में लगी हुई है। इस सीट से टिकट के लिए पूर्व सांसद स्व. चौधरी संतोख सिंह की पत्नी कर्मजीत कौर और बेटे विक्रमजीत सिंह चौधरी ने पूरा जोर लगा रखा है। वहीं, पूर्व मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी को इस बार जालंधर के चुनावी दंगल में उतारने की चर्चा चल रही है।

कांग्रेस के स्थानीय नेताओं के अनुसार जालंधर से चन्नी का नाम लगभग फाइनल है। केवल हाईकमान की ओर से घोषणा का इंतजार है। चन्नी अगर कांग्रेस के उम्मीदवार के तौर पर जालंधर से मैदान में आते हैं तो मुकाबला कड़ा और रोचक हो जाएगा। जालंधर लोकसभा सीट पर जो जातीय समीकरण हैं, उसे देखते हुए कांग्रेसियों को चन्नी से ही उम्मीद है। हालांकि, कांग्रेस को कुछ वरिष्ठ नेताओं की बगावत का डर भी सता रहा है। पूर्व मुख्यमंत्री चन्नी कांग्रेस में बड़ा चेहरा हैं। जालंधर लोकसभा सीट के तहत आने वाले विधानसभा हलकों में डेरों की भूमिका अहम रहती है। माना जाता है कि चन्नी की डेरों में अच्छी पैठ है। अगर कांग्रेस को आम आदमी पार्टी के उम्मीदवार सुशील कुमार रिंकू का मुकाबला करना है तो डेरों का साथ बहुत जरूरी हो जाता है। वैसे भी इस लोकसभा क्षेत्र में जो जातीय समीकरण हैं, वह भी चन्नी के पक्ष में जा सकते हैं।

रविदासिया समाज जालंधर लोकसभा सीट के परिणाम में बड़ी भूमिका निभाता है। चन्नी और रिंकू दोनों रविदासिया समाज का प्रतिनिधित्व करते हैं। जालंधर का बल्लां स्थित डेरा सचखंड रविदास बिरादरी का महत्वपूर्ण स्थान है। कुछ दिन पहले ही पूर्व मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी डेरे में संत निरंजन दास से आशीर्वाद लेने पहुंचे थे। 20 में से 15 बार कांग्रेस की झोली में गई है सीट जालंधर लोकसभा सीट कांग्रेस के लिए नाक का सवाल भी है। 2023 के उपचुनाव में कांग्रेस ने 24 वर्ष बाद यह सीट हारी है।

इससे पहले भी 1952 से 2023 तक हुए 20 चुनावों में से 15 बार यहां से कांग्रेस उम्मीदवारों ने ही जीत दर्ज की है। सरवण सिंह यहां से लगातार चार बार कांग्रेस के सांसद रहे थे। दो-दो बार शिअद और जनता दल ने यहां बाजी मारी थी, जबकि उपचुनाव में आम आदमी पार्टी ने जीत दर्ज की है। अब इस सीट पर चुनाव जीतना कांग्रेस के लिए नाक का सवाल है।

सिद्धू मूसेवाला के पिता से मिले मानसा स्स्क्क नानक सिंह, बठिंडा के अस्पताल में बंद कमरे में की बातचीत, बताया निजी मुलाकात

बठिंडा (एजेंसी)

सिद्धू मूसेवाला के पिता द्वारा इंटरनेट मीडिया पर डाली पोस्ट के बाद मानसा के एसएसपी डा.नानक सिंह उनको मिलने के लिए बठिंडा पहुंचे। बठिंडा के जिंदल हार्ट अस्पताल में पहुंचे एसएसपी डा.नानक सिंह ने सिद्धू के पिता बलकौर सिंह के साथ बंद कमरा में मुलाकात की। एसएसपी नानक सिंह ने इस मुलाकात को एक निजी मुलाकात बताया है। उनका कहना है कि उनके परिवार के साथ अच्छे ताल्लुकात हैं। इसके चलते वे निजी तौर पर उनके परिवार से मिलने के लिए आए थे। बता दें कि बीते दिन सिद्धू के पिता बलकौर ने इंटरनेट मीडिया के इंस्टाग्राम प्लेटफार्म पर एक वीडियो शेयर किया। जिसमें उन्होंने लिखा कि सरकार मुझसे बच्चे की कानूनी स्थिति साबित करने के लिए दस्तावेज उपलब्ध कराने के लिए कह रही है। मुझसे इसके बारे में पूछा जा रहा है। मैं सरकार, विशेषकर मुख्यमंत्री से अनुरोध करना चाहता हूं कि कृपया इलाज पूरा करने की

अनुमति दें। मैं यहीं पंजाब में रहता हूं और जब भी जरूरत होगी मैं आऊंगा। कृपया पहले इलाज पूरा करने को प्राथमिकता दें। दिवंगत पंजाबी गायक सिद्धू मूसेवाला के घर में रविवार की सुबह पांच बजे एक बार फिर किलकारियां गूंजीं। 58 साल की उम्र में सिद्धू मूसेवाला की मां चरण कौर ने आइवीएफ तकनीक के जरिए बच्चे को जन्म दिया था। वहीं आइवीएफ तकनीक को लेकर केंद्र सरकार ने बच्चे को जन्म देने के संबंध में पंजाब सरकार से जबाव मांगा।

प्रदेश में स्वतंत्र, निष्पक्ष तथा शांतिपूर्ण तरीके से लोकसभा चुनाव संपन्न करवाने के लिए हरियाणा पुलिस द्वारा स्थापित किया इलेक्शन सेल

24 घंटे संचालित किया जाएगा सेल, अलग-2 स्तर पर मॉनिटरिंग के लिए सेल में लगाए गए नोडल अधिकारी

चंडीगढ़.ओपन सर्च

हरियाणा प्रदेश में स्वतंत्र, निष्पक्ष और शांतिपूर्ण ढंग से लोकसभा चुनाव 2024 संपन्न करवाने के लिए हरियाणा पुलिस द्वारा पुलिस मुख्यालय, सेक्टर-6, पंचकूला में इलेक्शन सेल स्थापित किया गया है। इस सेल के माध्यम से प्रदेश में आदर्श आचार संहिता की पालना सुनिश्चित करवाई जाएगी ताकि लोग भय मुक्त होकर निष्पक्ष ढंग से अपने मताधिकार का प्रयोग कर सकें। इस बारे में जानकारी देते हुए पुलिस महानिदेशक शत्रुजीत कपूर ने बताया कि इलेक्शन सेल द्वारा प्रदेश में कानून व्यवस्था सुचारू रखने के साथ-साथ चुनाव संबंधी कई अन्य महत्वपूर्ण गतिविधियों पर निगरानी रखी जाएगी। सेल के सुपरविजन के लिए स्टेट नोडल ऑफिसर के रूप में अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक, कानून एवं व्यवस्था श्री संजय कुमार को तैनात किया गया है जबकि नोडल अधिकारी डीएसपी, कानून एवं व्यवस्था, ममता सौदा को लगाया गया है।

इसके अलावा, प्रदेश के सभी जिलों में डीएसपी तथा एएसपी स्तर के अधिकारियों को नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है जो पुलिस मुख्यालय में स्थापित किए गए इलेक्शन सेल में निर्धारित बिंदुओं बारे में रोजाना अपने जिलों की रिपोर्ट भेजेंगे। इलेक्शन सेल की कार्यप्रणाली के बारे में जानकारी देते हुए श्री कपूर ने बताया कि पुलिस मुख्यालय में बनाए गए इलेक्शन सेल के माध्यम से प्रदेश में आदर्श आचार संहिता के तहत जारी दिशा-निर्देशों की पालना सुनिश्चित करवाई जाएगी। उन्होंने बताया कि इलेक्शन सेल द्वारा पुलिस बल की उपलब्धता तथा उसकी तैनाती एवं इससे संबंधित मुद्दो को लेकर जिलों से तालमेल स्थापित किया जाएगा। इसके साथ ही, प्रदेश में अलग-2 स्थानों पर क्रिटिकल (जटिल) क्षेत्रों की पहचान करते हुए वहां पर पुलिसकर्मियों की तैनाती का निर्णय भी लिया जाएगा। इसके साथ ही, जिलों द्वारा उनके द्वारा रोजाना सील होने वाले सामान की रिपोर्ट, चुनाव संबंधी शिकायतें, आदर्श आचार संहिता की पालना, संबंधी रिपोर्ट भी चुनाव सेल को भेजी जाएगी। इलेक्शन सेल 24 घंटे संचालित रहेगा।

राजपत्रित अवकाश तथा छुट्टी वाले दिन (शनिवार व रविवार) को भी यहां पर स्टाफ की ड्यूटी सुनिश्चित की जाएगी। उन्होंने बताया कि लोकसभा चुनाव को शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न करवाने के लिए प्रदेश में अलग-2 स्तर पर मॉनीटरिंग की जा रही है। आदर्श आचार संहिता की पालना तथा कानून एवं व्यवस्था बनाए रखने के लिए पूरे प्रदेश पर पुलिस की कड़ी नजर रहेगी।

दिवंगत शुभकरण की अस्थियों का हुआ विसर्जन, आंदोलन में गोली लगने से हुई थी मौत

फतेहाबाद (एजेंसी)

खनौरी बॉर्डर पर किसान आंदोलन के दौरान पुलिस की गोली लगने से काल का ग्रास बने दिवंगत किसान शुभकरण की अस्थियों को बुधवार को अखिल भारतीय खेती बचाओ संघर्ष समिति के सदस्यों ने रतिया के गांव रोझांवाली के पास विसर्जित किया। इससे पहले भारी संख्या में किसान फतेहाबाद के गांव अयाल्की में एकजुट हुए। दोपहर को 12 बजे सभी किसान ट्रैक्टर ट्रालियों व अपने निजी वाहनों के साथ रोझांवाली भाखड़ा नहर पर पहुंचे। इस दौरान भारी संख्या में किसानों ने दिवंगत किसान शुभकरण को श्रद्धांजलि दी और उनकी अस्थियों को भाखड़ा नहर में विसर्जित किया। इस दौरान किसानों ने गांव रोझांवाली में लगे नाके को खुलवाने की भी मांग की। इस अवसर पर अपने संबोधन में भारतीय किसान यूनियन खेती बचाओ के प्रदेश प्रवक्ता राम जाट ने कहा कि दिवंगत शुभकरण युवा किसान था और अपने हकों की मांग को लेकर वह खनौरी बॉर्डर पर गया था, लेकिन सरकार ने निरंकुशता दिखाते हुए किसानों पर गोलियां बरसानी आरंभ कर दी और इस गोलीबारी में सिर में गोली लगने के कारण शुभकरण का देहांत हो गया। इस दौरान किसानों ने गांव रोझांवाली के पास लगाए गए नाके को हटाने की मांग की। उन्होंने बताया कि इस नाके के कारण आम जनता को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। लोगों को पैदल पंजाब सीमा व फतेहाबाद की सीमा तक आना पड़ रहा है। इस क्षेत्र के अनेक लोगों की पंजाब के इलाके में रिश्तेदारी है और उनको आने जाने में परेशानी हो रही है। उन्होंने मांग की कि इस नाके को खोला जाए, क्योंकि किसान शांतिपूर्वक अपना प्रदर्शन करना चाहते हैं। आम जनता को परेशान करने की किसानों की कोई सोच नहीं है।

NOTICE

I, Shivani Verma D/o Shri Pradeep Verma and wife of Shri Lakshay Jain R/o 4/1439, Gali No. 3 Shalimar Park, Shahdara, Delhi-110032 do hereby solemnly affirm and declare as under:- That my maiden name is Shivani Verma the same has been recorded in all my educational certificates. I got marrid to Mr. Lakshay Jain on 23.11.2023 and after marriage my name is Tina Jain. I state that Shivani Verma and Tina Jain are names of one and same person i.e. myself. That after Marriage I am known by Tina Jain for all puroses.

एक नज़र

बारात लेकर निकले दूल्हे को पुलिस ने रास्ते से किया गिरफ्तार, सच्चाई जान लोगों के पैरों तले खिसक गई जमीन

राउरकेला (एजेंसी) शादी का झांसा देकर युवती से शारीरिक संबंध रखने तथा उसके गर्भवती होने पर शादी से मुकरना एक युवक को काफी महंगा पड़ा। बारात लेकर दूसरी युवती से शादी के लिए निकला था, पर पुलिस के द्वारा उसे रास्ते में ही गिरफ्तार कर लिया गया। यह घटना इलाके में चर्चा का विषय बना हुआ है। संबलपुर जिले के बामड़ा इलाके के विष्णु किसान नामक युवक ने सात साल पहले सुंदरगढ़ जिला के धरुआडीह क्षेत्र की युवती से पहले प्यार किया फिर शादी का झांसा देकर उसके साथ शारीरिक संबंध बनाया। इससे युवती गर्भवती हो गई और एक बेटे को जन्म दिया।

आरोप है कि इसके बाद विष्णु किसान युवती को बेटे के साथ जो कि अब पांच साल है, मायके में छोड़ कर चेन्नई काम करने चला गया। इसके बाद से ही वह बेटे और पत्नी को भूल गया एवं उनके साथ कोई संपर्क नहीं रखा। अपना मोबाइल नंबर भी बदल लिया और गांव लौटकर उसने धरुआडीह थाना क्षेत्र की एक युवती से शादी तय कर ली। रविवार को उसकी बरात निकली थी। तभी उसकी प्रेमिका ने थाना पहुंचकर इसकी शिकायत कर दी।

बिहार में चुनाव आयोग की ताबड़तोड़ कार्रवाई, इन जगहों पर हुआ एक्शन

पटना (एजेंसी) चुनाव आयोग के निर्देश पर राज्य में निष्पक्ष चुनाव कराने के लिए प्रदेशव्यापी सख्ती बरती जा रही है। इसी क्रम में मंगलवार को जांच के दौरान 17.91 लाख रुपये बरामद किए गए। मधेपुरा जिले में लाउडस्पीकर बजाने के कानून के संदर्भ में एक केस दर्ज किया गया है। बक्सर, पूर्णिया, पूर्वी चंपारण तथा शेखपुरा जिलांतर्गत अवैध बैठक, भाषण आदि के संदर्भ में एक-एक केस रिकार्ड किया गया है। कुल जब्त लीकर-59432.52 (लीटर) की सूचना प्राप्त हुई है, जिसका मूल्य 2266.50 लाख रुपये हैं। 71.30 लाख रुपये मूल्य के 141141.60 ग्राम ड्रग्स जब्त की गई है।

मुख्य निर्वाचन अधिकारी कार्यालय के अनुसार आदर्श आचार संहिता के तहत 24 घंटे के अंदर सरकारी संपत्तियों पर दीवार लेखन के कुल 4507, पोस्टर के 20551, बैनर के 15207 तथा अन्य 1391 मामलों पर कार्रवाई की गई है। बरबीघा प्रखंड के मिशन थाना क्षेत्र अंतर्गत रामपुर सिंडाय गांव में रविवार की शाम बिना शासन की अनुमति के होली मिलन समारोह का आयोजन किया गया। इसे लेकर आयोजनकर्ता लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के युवा प्रकोष्ठ की प्रदेश महासचिव व भोजपुरी अभिनेत्री सीमा सिंह पर आचार संहिता उल्लंघन की प्राथमिकी कराई गई है।

चार माह की बच्ची को ट्रेन में छोड़ गई निष्ठुर मां, सुरक्षाबल को रोते हुए मिली

कटड़ा (एजेंसी) निष्ठुर मां चार माह की मासूम बच्ची को स्वराज एक्सप्रेस में छोड़ गई। मंगलवार शाम मुंबई से कटड़ा पहुंची ट्रेन के अनारक्षित डिब्बे में चार माह की मासूम सुरक्षाबल को रोते हुए मिली। उन्होंने तुरंत मासूम को उठाया और कटड़ा के अस्पताल में भर्ती कराया गया है, हालांकि बच्ची पूरी तरह स्वस्थ बताई जा रही है। यहां बता दें कि स्वराज एक्सप्रेस सोमवार सुबह 11 बजे मुंबई के बांद्रा स्टेशन से चली थी और मंगलवार शाम को 5:30 बजे कटड़ा स्टेशन पहुंची। ट्रेन से सवारियां उतरने के बाद सुरक्षाबल के जवान ट्रेन की जांच कर रहे थे कि इसी बीच अनारक्षित डिब्बे से बच्ची के रोने की आवाज सुनाई दी। पुलिस के जवानों ने देखा तो पाया कि मासूम बच्ची को कपड़े में लपेटकर बर्थ पर छोड़ा गया था। पुलिस के अनुसार स्टेशन पर इसकी मुनादी करवाई गई पर बच्ची को लेने के लिए कोई परिवार नहीं पहुंचा तो आरपीएफ व सीआरपीएफ जवानों ने उसे अस्पताल पहुंचाया।

घर में रखी थी इलेक्ट्रिक बाइक की बैटरी, अचानक हुआ धमाका

ठाणे (एजेंसी) महाराष्ट्र के ठाणे जिले में एक मकान में इलेक्ट्रिक बाइक की बैटरी फटने से दो महिलाएं और एक बुजुर्ग घायल हो गया है। नगर निगम अधिकारियों ने घटना की जानकारी देते हुए बताया कि इलेक्ट्रिक बाइक की बैटरी में विस्फोट मंगलवार देर रात हुआ। ठाणे नगर निगम के आपदा प्रबंधन सेल के प्रमुख यासीन तडवी ने कहा कि मंगलवार रात इलेक्ट्रिक बाइक की बैटरी में हुए विस्फोट के कारण मकान की छत और आसपास के मकान की दीवार भी ढह गई। अधिकारी ने बताया कि मोटरबाइक की बैटरी कलवा इलाके के शांति नगर में स्थित एक घर में रखी हुई थी। मंगलवार रात करीब 10:30 बजे बैटरी में विस्फोट हो गया। उन्होंने बताया कि अभी तक यह पता नहीं चल पाया है कि इसे घर में चार्जिंग के लिए रखा गया था या नहीं।

बारिश और ओलावृष्टि ने किसानों की बढ़ाई चिंता, खेतों में बिछी गेहूं की फसल

गौरेला पेंड्रा मरवाही (एजेंसी) गौरेला पेण्ड्रा मरवाही जिले में तीन दिनों के लगातार बारिश और ओलावृष्टि के बाद आज फिर सुबह से मौसम में बदलाव देखने को मिला। जहां इलाके में घना कोहरा छाया रहा। बारिश और ओलावृष्टि ने किसानों की चिंता बढ़ा दी है। इससे गेहूं की फसल का काफी नुकसान पहुंचा है। वहीं, मौसमी फल आम-अमरूद को भी नुकसान हुआ है।

सब्जियों पर भी इसका असर देखने को मिला है। गौरेला पेंड्रा मरवाही जिले में तीन दिन की लगातार झमाझम बारिश एवं ओलावृष्टि के बाद क्षेत्र में काफी नुकसान हुआ है। गेहूं की खाड़ी फैसले एवं गर्मी का धान बोने वाले लोगों की किसानों की मुसीबत बढ़ गई है। खेत पानी से लबालब भरे हुए हैं जबकि आम को भी ओलावृष्टि की मार झेलनी पड़ी है। पिछले दिनों जो ओलावृष्टि हुई उससे किसानों की खड़ी फसल जिसमें डोरी, चार चिरोंजी, चना, गेहूं, महुआ, आम, के साथ सब्जियों की खेती करने वालो किसानों को काफी नुकसान उठाना पड़ रहा है, उनकी खड़ी फसल ओलावृष्टि के चलते बर्बाद हो गई हैं।

म्यांमार में हवाई हमले में हुई 25 रोहिंग्या की मौत, संयुक्त राष्ट्र प्रमुख गुटेरेस ने बढ़ती हिंसा पर जताई चिंता

बैंकॉक (एजेंसी)

पश्चिमी म्यांमार में सैन्य हवाई हमलों में बच्चों सहित देश के मुस्लिम रोहिंग्या अल्पसंख्यक के कम से कम 25 सदस्य मारे गए हैं। बढ़ती हिंसा पर संयुक्त राष्ट्र के प्रमुख ने भी चिंता व्यक्त की है। इसकी जानकारी स्थानीय मीडिया ने दी है। रिपोर्टों के मुताबिक, हवाई हमले सोमवार सुबह हुए और रखाइन राज्य में मिनब्या टाउनशिप के उत्तर में थड़ा गांव को निशाना बनाया गया। हमलों में 25 अन्य लोग घायल भी हुए हैं। सैन्य सरकार ने रिपोर्टों पर तत्काल कोई टिप्पणी नहीं की। एक प्रवक्ता के अनुसार, संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने ÷म्यांमार में बिगड़ती स्थिति और संघर्ष में वृद्धि÷ पर गहरी चिंता व्यक्त की। गुटेरेस के उप प्रवक्ता फरहान हक ने एक बयान में सोमवार को कहा कि संयुक्त राष्ट्र प्रमुख ÷सभी प्रकार की हिंसा की निंदा करते हैं और शत्रुता की समाप्ति और मानवीय पहुंच के लिए अंतरराष्ट्रीय मानवीय कानून के अनुसार सहायता कर्मियों सहित नागरिकों की सुरक्षा के लिए अपना आह्वान दोहराते हैं। फरवरी 2021 में आंग सान सू की की निर्वाचित सरकार से सत्ता छीनने के बाद से म्यांमार की सेना अपने शासन के खिलाफ व्यापक सशस्त्र संघर्ष का मुकाबला करने के लिए हवाई हमलों का तेजी से उपयोग कर रही है। म्यांमार के अनुसंधान और वकालत संगठन, न्यान लिन थिट एनालिटिका द्वारा पिछले साल के अंत में जारी एक रिपोर्ट में कहा गया है कि सेना के 2021 के अधिग्रहण के बाद से, 1,652 हवाई हमलों में 936 नागरिक मारे गए और 878 घायल हो गए। इसमें कहा गया है कि हवाई हमलों से 137 धार्मिक इमारतें, 76 स्कूल और 28 अस्पताल और औषधालय क्षतिग्रस्त हो गए हैं। थड़ा का रोहिंग्या गांव देश के दूसरे सबसे बड़े शहर मांडले से लगभग 340 किलोमीटर (120 मील) दक्षिण-पश्चिम में है। हालाँकि, म्यांमार के लगभग 90 प्रतिशत लोग बौद्ध हैं, विशेषकर बर्मन बहुसंख्यक, जो दक्षिण पूर्व एशियाई राष्ट्र के शासक वर्ग का गठन करते हैं। थड़ा गांव के दो ग्रामीणों ने सोमवार देर रात एसोसिएटेड प्रेस को बताया कि एक जेट लड़ाकू विमान ने लगभग 1:30 बजे गांव पर दो बम गिराए। उन्होंने गिरफ्तारी और प्रतिशोध

रिपोर्टों के मुताबिक, हवाई हमले सोमवार सुबह हुए और रखाइन राज्य में मिनब्या टाउनशिप के उत्तर में थड़ा गांव को निशाना बनाया गया। हमलों में 25 अन्य लोग घायल भी हुए हैं। सैन्य सरकार ने रिपोर्टों पर तत्काल कोई टिप्पणी नहीं की।

के डर से नाम न छापने की शर्त पर बताया कि मारे गए 25 लोगों में छह बच्चे भी शामिल थे। ग्रामीणों ने बताया कि पीड़ितों में वे लोग भी शामिल हैं जो आस-पास के गांवों में लड़ाई करके भाग गए थे। म्यांमार नाउ, द इरावदी और राखीन स्थित आउटलेट्स सहित स्वतंत्र मीडिया ने भी घटना के बारे में रिपोर्ट दी, जिसमें सोमवार और मंगलवार को मरने वालों की संख्या 21 से 23 के बीच बताई गई। म्यांमार के उन क्षेत्रों में अलग-अलग हताहतों की संख्या आम है, जहां पहुंचना मुश्किल है। एपी हवाई हमलों के विवरण की स्वतंत्र रूप से पुष्टि करने में असमर्थ था क्योंकि रिपोर्टिंग बहुत प्रतिबंधित है और प्रभावित क्षेत्र में अधिकांश फोन सेवाओं को सैन्य सरकार द्वारा काट दिया गया है। रोहिंग्या अल्पसंख्यक के सदस्यों को बौद्ध-बहुल म्यांमार में लंबे समय से प्रताड़ित किया जा रहा है। अगस्त 2017 में जब सेना ने रोहिंग्या का प्रतिनिधित्व करने का दावा करने वाले एक गुरिल्ला समूह द्वारा राखीन में हमलों के जवाब में एक आतंकवाद विरोधी अभियान चलाया, तो लगभग 7,40,000 लोग म्यांमार से भागकर बांग्लादेश के शरणार्थी शिविरों में चले गए। बौद्ध राखीन, राखीन का बहुसंख्यक जातीय समूह है, जिसे इसके पुराने नाम अराकान से भी जाना जाता है। म्यांमार के सीमावर्ती क्षेत्रों में अन्य जातीय समूहों की तरह रखाइन ने भी लंबे समय से केंद्र सरकार से अधिक स्वायत्तता की मांग की है और उन्होंने अराकान सेना नामक अपना स्वयं का सशस्त्र बल स्थापित किया है। अच्छी तरह से प्रशिक्षित और हथियारों से लैस अराकान सेना नवंबर से रखाइन में सेना की चौकियों पर हमला कर रही है और पिछले तीन महीनों के दौरान दो शहरों और कम से कम पांच टाउनशिप में कई सैन्य ठिकानों पर कब्जा करने का दावा किया है। इसने पड़ोसी चिन राज्य के एक कस्बे पर भी कब्जा कर लिया।

इजरायली बलों ने रफाह में किए हवाई हमले, तीन महिलाएं समेत 14 लोगों की मौत

यरुशलम (एजेंसी)

फलस्तीनी शरणार्थियों से भरे रफाह शहर में इजरायली बलों ने सोमवार रात हवाई हमले किए हैं। इसमें 14 लोगों की जान गई है। वहीं, मंगलवार को इजरायली बल ने बताया कि सोमवार को गाजा के सबसे बड़े अस्पताल अल-शिफा में की गई कार्रवाई में इजरायल ने 50 बंदूकधारी मार गिराए और 180 संदिग्धों को हिरासत में ले लिया है। इधर, अमेरिका ने जानकारी दी कि सात अक्टूबर की योजना बनाने वाला हमास का नंबर तीन कमांडर मारवान इस्सा पिछले हफ्ते इजरायल द्वारा मार गिराया गया। गाजा के स्वास्थ्य अधिकारियों ने कहा है कि रफाह में सोमवार रात मरने वाले 14 लोगों में तीन महिलाएं और तीन बच्चे शामिल हैं। गाजा सिटी और दक्षिणी गाजा के खान यूनिस में इजरायली हमलों से जान बचाकर 10 लाख से अधिक लोग इन दिनों रफाह शहर में शरण लिए हुए हैं। मिस्त्र की सीमा से सटे रफाह शहर में जमीनी हमले की योजना को लेकर अमेरिका ने इजरायल से पुनर्विचार का आग्रह किया है। अगर यहां इजरायली हमले तेज हुए तो मानवीय मदद पहुंचानी मुश्किल हो जाएगी। रफाह सीमा से ही गाजावासियों को राहत सामग्री पहुंचाई जा रही है। वहीं, संयुक्त राष्ट्र के मानवाधिकार प्रमुख वोल्कर टर्क ने मंगलवार को कहा कि गाजा में इजरायल द्वारा मानवीय मदद पर प्रतिबंध लगाना युद्ध अपराध होगा। इजरायल का कहना है कि हमास की चार राइफल की बटालियन और राकेट बनाने वाले लड़ाकों की फौज रफाह में ही है। हमास के इस अंतिम किले को नष्ट कर ही हमास पर पूर्ण नियंत्रण किया जा सकता है। लेकिन हमास की इस योजना ने पूरे अंतरराष्ट्रीय समुदाय को डरा दिया है। क्योंकि, ऐसा हुआ तो बड़ी संख्या में गाजा के लोग बेमौत मारे जाएंगे। इस बीच, अमेरिका के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार जैक सुलिवन ने बताया कि कई हत्या व सात अक्टूबर के हमास हमले की योजना बनाने वाला हमास कमांडर मरवान इस्सा को पिछले हफ्ते इजरायल ने मार गिराया था। वह फिर से घुसपैठ की कोशिश करने की फिराक में था। वहीं, इजरायल ने मंगलवार को सीरिया की राजधानी दमिश्क में हिजबुल्ला के कई ठिकानों को मिसाइल से निशाना बनाया है। दूसरी ओर, सीरिया के रक्षा मंत्रालय ने कहा कि उसने कई मिसाइलों को मार गिराया है। इजरायल में युद्धविराम और बदले में बंधकों की रिहाई को लेकर ताजा दौर की वार्ता शुरू हो गई है। कतर के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता माजिद अल-अंसारी ने मंगलवार को एक संवाददाता सम्मेलन में कहा कि दोहा में इजरायल के खुफिया प्रमुख के साथ युद्धविराम की कोशिश के उद्देश्य से बातचीत के बाद कतर के अधिकारी आशावादी थे।

कमिश्नर ने स्कूल, आंगनबाड़ी व मतदान केंद्रों का किया आकस्मिक निरीक्षण, साफ-सफाई रखने के दिये निर्देश

उमरिया (एजेंसी)

कमिश्नर बीएस जामोद ने विभिन्न शासकीय स्कूलों, आंगनबाड़ी केंद्रों और एवं लोकसभा निर्वाचन के लिये बनाये गये मतदान केंद्रों का निरीक्षण किया। स्कूलों के निरीक्षण के दौरान शौचालयों में गंदगी पाये जाने पर कमिश्नर ने कड़ी नाराजगी व्यक्त की तथा प्राचार्यो को ताकित किया कि स्कूलों के शौचालयों की समुचित साफ सफाई रखें तथा शौचालयों में पर्याप्त पानी की व्यवस्था भी सुनिश्चित कराये। निरीक्षण के दौरान कमिश्नर ने कहा कि शहडोल संभाग के सभी शासकीय स्कूलों में बेहतर शैक्षाणिक सुविधायें उपलब्ध होना चाहिये। निरीक्षण के दौरान कमिश्नर ने पाली विकासखण्ड के आंगनबाड़ी केन्द्र चंदनिया का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान कमिश्नर ने उपस्थिती पंजी का निरीक्षण किया तथा गर्भवती महिलाओं की जानकारी आंगनबाड़ी कार्यकार्ता से ली। आगनबाड़ी कार्यकार्ताओं ने बताया कि केन्द्र में 9 गर्भवती महिलायें दर्ज

है, जिन्हें संदर्भ सुविधा मुहैया कराई जा रही है। इस दौरान कमिश्नर ने आगनबाड़ी केन्द्रं व्दारा गर्भवती महिलाओं को दिये जा रहे पीएचआर के पैकेटों का निरीक्षण किया तथा आयरन की दवाइयों का भी निरीक्षण किया। जिसपर आगनबाड़ी कार्यकार्ता ने कमिश्नर को बताया कि केन्द्र में आने वाले बच्चों एवं गर्भवती महिलाओं को पौषटिक आहार मुहैया कराया जा रहा है।

फोटो पहचान पत्र नहीं बना तो भी 12 अन्य वैकल्पिक दस्तावेजों का उपयोग कर सकेंगे मतदाता

जयपुर (एजेंसी)

प्रदेश में 19 और 26 अप्रैल को दो चरणों में लोकसभा चुनाव होने हैं। इसे लेकर चुनाव आयोग ने अपनी तैयारियां तेज कर दी हैं। मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग बिना किसी परेशानी के कर सकें, इसके लिए निर्वाचन आयोग ने कुछ दिशा-निर्देश जारी किए हैं। इसके अनुसार यदि किसी वोटर का नाम मतदाता सूची में दर्ज है, लेकिन उसके पास किसी वजह से निर्वाचक फोटो पहचान पत्र उपलब्ध नहीं है तो भी वह वैकल्पिक पहचान दस्तावेज दिखाकर मताधिकार का उपयोग कर सकेगा। मुख्य निर्वाचन अधिकारी प्रवीण गुप्ता ने इस संबंध में जानकारी देते हुए बताया कि सभी विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों में मतदाताओं को निर्वाचक फोटो पहचान पत्र जारी किया जा रहा है। जो मतदाता इसे प्रस्तुत करने में सक्षम नहीं, उन्हें अपनी पहचान दिखाने के लिए 12 वैकल्पिक फोटोयुक्त पहचान दस्तावेजों में से किसी एक को दिखाना होगा। इन 12 वैकल्पिक फोटोयुक्त पहचान दस्तावेजों में आधार कार्ड, मनरेगा जॉब कार्ड, ड्राइविंग लाइसेंस, पैन कार्ड, भारतीय पासपोर्ट, फोटो सहित पेंशन दस्तावेज, केंद्र/ राज्य सरकार/ पीएसयू/ सार्वजनिक लिमिटेड कंपनियों द्वारा कर्मचारियों को जारी किए गए फोटोयुक्त सेवा पहचान पत्र, बैंक/ डाकघर द्वारा जारी फोटोयुक्त पासबुक, राष्ट्रीय जनसंख्या रजिस्टर के तहत आरजीआई द्वारा जारी स्मार्ट कार्ड, श्रम मंत्रालय की योजना के तहत जारी स्वास्थ्य बीमा स्मार्ट कार्ड, सांसदों/ विधायकों/ एमएलसी को जारी किए गए आधिकारिक पहचान पत्र और भारत सरकार के सामाजिक न्याय मंत्रालय द्वारा दिव्यांगजनों को जारी यूनिक डिसेबिलिटी आईडी शामिल हैं।

राजनीतिक चर्चा में मशगूल साधना की 'गंगोत्री', यहां मौजदू है सबसे ऊंचा मतदान केंद्र

उत्तरकाशी (एजेंसी)

उत्तराखंड के चारधामों में एक गंगोत्री से हर कोई परिचित है। इस उच्च हिमालयी क्षेत्र में ही जीवनदायिनी गंगा का उद्गम है तो यह तप साधना की स्थली भी है। साधना की इसी गंगोत्री में 10170 फीट की ऊंचाई पर है राज्य का सर्वाधिक ऊंचाई वाला मतदान केंद्र गंगोत्री पुरी। टिहरी गढ़वाल संसदीय सीट के अंतर्गत आने वाले इस मतदान केंद्र में केवल 82 मतदाता हैं, जिनमें अधिकांश साधु संत हैं। अवसर लोकतंत्र के महापर्व का है तो इसे लेकर यहां साधु संत भी उत्साहित हैं। नित्य साधना के बाद देश में चल रही राजनीतिक सरगर्मी की चर्चा उनके बीच भी निरंतर हो रही है। उत्तराखंड के चार धामों बदरीनाथ, केदारनाथ, गंगोत्री व यमुनोत्री में से केवल गंगोत्री धाम स्थित सिंचाई भवन गंगोत्री पुरी को मतदान केंद्र बनाया गया है। पहली बार वर्ष 2019 में यहां मतदान केंद्र बनाया गया था, जो इस बार भी बरकरार है। इस मतदान केंद्र के अंतर्गत आने वाले मतदाताओं में 11 महिला साध्वी हैं। इसके अलावा 80 वर्ष से अधिक उम्र के दो मतदाता भी शामिल हैं।

गंगोत्री धाम में सदियों से कई साधु संत तप साधना करते आ रहे हैं। वर्तमान में साधुओं व आश्रम संचालकों सहित गंगोत्री में 82 मतदाता हैं। वर्ष 2019 के लोकसभा चुनाव में गंगोत्री पुरी को मतदान केंद्र बनाने से पहले यहां के मतदाताओं को मताधिकार का प्रयोग करने के लिए 25 किलोमीटर दूर धराली आना पड़ता था। उनकी कठिनाइयों को ध्यान में रखते हुए इसे मतदान केंद्र बनाया गया, ताकि कोई भी मतदाता लोकतंत्र के महापर्व में आहुति देने से वंचित न रह सके। गंगोत्री में साधना करने वाले स्वामी संतोष ने बताया कि लोकतंत्र के महापर्व को लेकर यहां साधु संतों में उत्साह है। हर दिन संतों के बीच देश में चल रही राजनीति गतिविधियों को लेकर चर्चा होती है। केंद्र एवं राज्य सरकारों के निर्णयों पर भी विमर्श होता है। उन्होंने कहा कि यह सबसे अधिक खुशी की बात है कि इस बार भी गंगोत्री पुरी को मतदान केंद्र बनाया गया है।

उन्होंने बताया कि वर्ष 2019 के लोकसभा चुनाव में जब पहली बार यह मतदान केंद्र बना तो साधु संतों ने उत्साह के साथ मताधिकार का प्रयोग किया। वर्ष 2022 के विधानसभा चुनाव में भी साधु संतों ने इसी मतदान केंद्र में मतदान किया था। राज्य का सबसे ऊंचा मतदान केंद्र गंगोत्री पुरी, सड़क मार्ग से जुड़ा हुआ है। इस सीमावर्ती सड़क को सुचारु रखने के लिए सीमा सड़क संगठन चप्पे-चप्पे पर तैनात है। बावजूद इसके मौसम चुनौती खड़ी कर सकता है।

नौवीं से 12वीं कक्षा वाले स्कूलों में बनेंगे करिअर काउंसलिंग और गाइडेंस सेल

शिमला (एजेंसी)

हिमाचल प्रदेश के नौवीं से 12वीं कक्षा वाले सरकारी स्कूलों में कॅरिअर काउंसलिंग और गाइडेंस सेल गठित किए जाएंगे। स्कूलों में अब पढ़ाई के साथ-साथ विद्यार्थियों को भविष्य की राह चुनने में भी मदद की जाएगी। विद्यार्थियों को प्रोत्साहित करने के लिए स्कूलों में प्रमुख व्यक्तित्व और उच्च अधिकारी बुलाए जाएंगे। उच्च शिक्षा निदेशालय ने इस बाबत सभी जिला उपनिदेशकों को लिखित निर्देश जारी कर दिए हैं। निदेशक डॉ. अमरजीत कुमार शर्मा ने इस बाबत जल्द कार्रवाई करते हुए निदेशालय को सूचना देने के लिए कहा है। कॅरिअर काउंसलिंग और गाइडेंस सेल का स्कूल के सबसे वरिष्ठ शिक्षक को नोडल अधिकारी बनाया जाएगा। सरकारी स्कूलों के विद्यार्थियों की शिक्षा विभाग अब पढ़ाई के साथ कॅरिअर काउंसलिंग भी करेगा। स्कूली शिक्षा पूरी करने के बाद कौन सा करियर चुनें या फिर किस कोर्स में प्रवेश लें। इसकी जानकारी विद्यार्थियों को मुहैया करवाई जाएगी।

विभागीय अधिकारियों ने बताया कि विद्यार्थी अच्छे अंक लेकर दसवीं और जमा दो की परीक्षा पास कर लेते हैं। इसके बाद आगे की पढ़ाई के दौरान उन्हें कौन सा विषय चुनना है, भविष्य में क्या करना चाहते हैं, इसका सही तरह से चयन नहीं कर पाते। वह कई बार गलत विषय का चयन कर उसमें दाखिला ले लेते हैं, जबकि उनकी रुचि उसमें नहीं होती। स्कूलों में उन्हें कोई काउंसलर नहीं मिलता, इससे भटकाव की स्थिति पैदा हो जाती है। इस स्थिति से निपटने के लिए विभाग ने कॅरिअर काउंसलिंग और गाइडेंस सेल गठित करने का फैसला लिया है। इस विशेष सेल में विद्यार्थियों को नशे से दूर रहने, साफ-सफाई, सोशल मीडिया और इलेक्ट्रानिक्स गेजेट्स का सही इस्तेमाल करने, खेलकूद और राष्ट्र के प्रति उनके दायित्व को लेकर भी जागरूक किया जाएगा। उच्च शिक्षा निदेशक डॉ. अमरजीत कुमार शर्मा ने बताया कि सभी जिला उपनिदेशकों को इस बाबत तुरंत कार्रवाई करने के लिए कहा गया है। सभी जिला अधिकारियों को इसकी रिपोर्ट भी भेजने के निर्देश दिए गए हैं।

मतदान केंद्रों पर दिव्यांगों के लिए होगी तीसरी लाइन

रांची (एजेंसी)

दिव्यांग (पीडब्ल्यूडी) मतदाताओं को मतदान केंद्र पर सभी आवश्यक जरूरी सुविधा मिलेगी। मतदान केंद्र में 4-4 की संख्या में वॉलिंटियर (18 वर्ष से कम उम्र के) रहेंगे, जो दिव्यांग मतदाता को मतदान कराने में सहयोग करेंगे। मतदान के लिए तीन लाइन बनेगी, जिसमें पुरुष या महिलाएं रहेंगी, जिसमें दिव्यांग मतदाता सीधे बिना लाइन में लगे अपना मतदान कमरे में कम समय में कर पाएंगे। उन्होंने मतदान केंद्र में विशेष सफाई अभियान चलाने को कहा ताकि मतदाताओं को स्वच्छ वातावरण मतदान मुहैया कराया जा सके। पीडब्ल्यूडी मतदाताओं को मतदान केंद्र पर सभी सुविधा मिलें इसके लिए जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त राहुल कुमार सिन्हा ने विशेष निर्देश संबंधित कोषांग के पदाधिकारियों को दिया है। उन्होंने निर्देश दिया है कि इस बार प्रत्येक मतदान केंद्र पर जन-सुविधाओं का

विशेष ध्यान रखा जाए। इस बार दिव्यांग, गर्भवती माताओं एवं वरिष्ठ मतदाताओं के लिए हरेक मतदान केंद्र पर पर रैंप, शेड, पेयजल, शौचालय एवं अलग से कतार की व्यवस्था रहेगी। इसे लेकर उपायुक्त ने संबंधित विभाग के अधिकारियों के साथ एक बैठक की। उप निर्वाचन पदाधिकारी विवेक कुमार सुमन ने बताया गया कि भारत निर्वाचन आयोग के सक्षम एप का उपयोग कर दिव्यांग मतदाता अपने लिए व्हील चेयर की व्यवस्था कर सकेंगे। मतदान के दिन इन मतदाताओं के लिए पब्लिक ट्रांसपोर्ट के लिए फ्री पास की सुविधा रखी जानी है, जहां पब्लिक ट्रांसपोर्ट उपलब्ध नहीं रहेगा, वहां इनके लिए मतदान केंद्र तक आने जाने के लिए निजी वाहन भी भाड़े पर रखे जाएंगे। इसके साथ-साथ जो वाहन से भी मतदान केंद्र पर आने में असक्षम हैं उनके लिए घर पर ही मताधिकार के प्रयोग की व्यवस्था की गई है। उप निर्वाचन पदाधिकारी रांची, द्वारा बैठक में जानकारी देते हुए कहा की दिव्यांग मतदाता मतदान केंद्रों के समीप पहुंच सके इसके लिए मतदान कर्मी प्रतिनियुक्त पुलिस कर्मी को प्रशिक्षित करने की आवश्यकता है। मतदान केंद्रों में स्वास्थ्य टीम भी रहेगी जो मतदाताओं को प्राथमिक चिकित्सा उपलब्ध कराएगी।

इन बिंदुओं पर हुई चर्चा

- जिला में मतदान केंद्रवार पीडब्ल्यूडी मतदाताओं की मैपिंग की जाएं और डेटा को नियमित रूप से बनाया जाए।
- जिला में जो दिव्यांग नामांकित नहीं हैं, उनकी पहचान की जाए और मतदाता सूची में उनके नामांकन की सुविधा प्रदान की जाए।
- जिला में विकलांग व्यक्तियों (पीडब्ल्यूडी) की कुशल और प्रभावी चुनावी भागीदारी के लिए एक सक्षम बाधा-मुक्त वातावरण बनाया जाए।
- दिव्यांगजनों को चुनावी प्रक्रिया में शामिल करने के संबंध में आयोग द्वारा जारी विभिन्न निर्देशों पर कार्रवाई हो।
- चुनाव पदाधिकारियों के प्रशिक्षण में दिव्यांगजनों की विशेष जरूरतों के बारे में उन्हें संवेदनशील बनाने का एक घटक शामिल हो और उस पर एक माड्यूल तैयार किया जाए।
- जिला में में दिव्यांगजनों के नामांकन और संवेदीकरण के लिए विशेष शिविरों की योजना एवं जिलों के परामर्श से सीएसओ की क्षमता विकास के लिए मॉड्यूल विकसित करने को लेकर चर्चा की गई।
- इस दौरान जिला में दिव्यांगजनों की चुनावी भागीदारी बढ़ाने और दिव्यांगजनों में से स्टेट आइकन की नियुक्ति के लिए आगे कदम उठाने पर डीएमसीएई की पहुंच अनुशंसा पर भी चर्चा की गई।

बैठक में उप निर्वाचन पदाधिकारी विवेक कुमार सुमन, कार्यपालक अभियंता, भवन निर्माण विभाग, रांची जिला शिक्षा पदाधिकारी रांची विनय कुमार, सहायक निदेशक, जिला समाजिक सुरक्षा, रविशंकर मिश्रा, जिला समाज कल्याण पदाधिकारी सुरभि सिंह, प्रतिनिधि साइट सेवर गोपिका आनंद, दिव्यांग आईकान एवं सम्बंधित सभी अधिकारी/प्रतिनिधि उपस्थित थे।

बाइक हादसे में कैमरून बैनक्रॉफ्ट को लगी चोट, शील्ड फाइनल से हुए बाहर

इस हादसे में उन्हें गंभीर चोट आई है, जिसके कारण वह गुरुवार से पर्थ के वाका मैदान पर तस्मानिया के खिलाफ शुरू होने वाले मार्श शेफील्ड शील्ड फाइनल में नहीं खेल पाएंगे।

सिडनी (एजेंसी)

वेस्टर्न ऑस्ट्रेलिया के सलामी बल्लेबाज कैमरून बैनक्रॉफ्ट बाइक हादसे का शिकार हो गए हैं। इस हादसे में उन्हें गंभीर चोट आई है, जिसके कारण वह गुरुवार से पर्थ के वाका मैदान पर तस्मानिया के खिलाफ शुरू होने वाले मार्श शेफील्ड शील्ड फाइनल में नहीं खेल पाएंगे। रविवार को बाइक चलाते समय उनके साथ यह हादसा हुआ। क्रिकेट.कॉम.एयू वेबसाइट के अनुसार, बैनक्रॉफ्ट का बाहर होना पश्चिमी ऑस्ट्रेलिया की शील्ड खिताब की हैट्रिक के लिए एक बड़ा झटका है। पिछले पांच सीजन में प्रतियोगिता में शीर्ष स्कोरिंग बल्लेबाज के रूप में, 42.51 की औसत से 3,061 रन बनाकर, बैनक्रॉफ्ट ने 2023-24 के सीज़न का समापन शील्ड के दूसरे सबसे अधिक रन-स्कोरर के रूप में किया।

48.62 की औसत से 778 रन बनाकर वह तस्मानिया के ब्यू वेबस्टर से पीछे रह गए। दाएं हाथ के इस बल्लेबाज ने गेंदबाजों की अनुकूल ओवल की सतह पर विक्टोरिया के खिलाफ दूसरी पारी में 58 रन बनाकर दो बार के चैंपियन को निर्णायक मुकाबले में पहुंचाने में अहम भूमिका निभाई, जहां मैच में केवल दो अन्य बल्लेबाज 50 रन तक पहुंचे। कप्तान सैम व्हाइटमैन के साथ बैनक्रॉफ्ट की शुरुआती साझेदारी राज्य की लगातार तीसरी बार फाइनल में पहुंचने में एक प्रमुख कारक थी। यह जोड़ी सीज़न के शीर्ष 10 रन-स्कोरर में एकमात्र सलामी बल्लेबाज के रूप में सामने आई है। इसके अतिरिक्त, बैनक्रॉफ्ट और व्हिटमैन ने हाल ही में पश्चिमी ऑस्ट्रेलिया के लिए साझेदारी में ज्योफ मार्श और माइक वेलेटा के 3,470 रनों के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया है, और साथ में कुल 3,567 रन बनाए हैं। बैनक्रॉफ्ट के साथ-साथ, अनकैप्ड ऑलराउंडर कीटन क्रिचेल को भी डब्ल्यूए की अंतिम टीम से बाहर कर दिया गया क्योंकि स्टार ऑलराउंडर आरोन हार्डी पिंडली के मामूली खिंचाव से उबर गए हैं और उन्हें गेंदबाजी में वापसी के लिए मंजूरी दे दी गई है।

गोलकीपर अमरिंदर सिंह ने कहा मेरा लक्ष्य कड़ी मेहनत करके राष्ट्रीय टीम में जगह बनाना

नई दिल्ली (एजेंसी)

इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) 2023-24 सीजन का आखिरी अंतरराष्ट्रीय ब्रेक जारी है क्योंकि भारत इस महीने फीफा वर्ल्ड कप 2026 क्वालीफायर में अफगानिस्तान के खिलाफ दो मुकाबले खेल रहा है। भारतीय टीम चतुष्कोणीय प्रतियोगिता में जगह बनाने के लिए अपनी मजबूत दावेदारी पेश कर रही है, लिहाजा ओडिशा एफसी के गोलकीपर अमरिंदर सिंह ब्लू टाइगर्स में अपना स्थान बनाने के लिए उत्सुक होंगे। साल 2017 में अंतरराष्ट्रीय पदार्पण करने के बाद से अमरिंदर ने सीनियर भारतीय टीम के लिए 13 मुकाबले खेले हैं। वह वर्षों से भरोसेमंद नंबर दो गोलकीपर रहे हैं। उनके नाम आईएसएल 2023-24 सीजन में अब तक सबसे अधिक आठ क्लीन शीट है, और राष्ट्रीय टीम के लिए अधिक मजबूती के साथ अपनी भूमिका निभाने पर उनकी नजर है। अमरिंदर ने लीग को दिये एक साक्षात्कार में राष्ट्रीय टीम में

गोलकीपिंग स्थान के लिए अपनी आकांक्षाओं के बारे में चर्चा करते हुए कहा, 'मेरा लक्ष्य खुद को बेहतर बनाना, कड़ी मेहनत करना और टीम में जगह बनाना है। हर खिलाड़ी राष्ट्रीय टीम के लिए खेलने का सपना देखता है।' पंजाब के माहिलपुर में जन्में अमरिंदर पिछले दशक से शीर्ष स्तर पर खेल रहे हैं। भारतीय फुटबॉल में उनका सफर आईएसएल का पर्याय बन गया है। इस गोलकीपर ने पुणे एफसी के साथ अपने पेशेवर करियर की शुरुआत की। वह आईएसएल में ओडिशा एफसी का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं और इससे पहले वह बेंगलुरू एफसी, मुम्बई सिटी एफसी और मोहन बागान सुपर जायंट जैसे नामी क्लबों के लिए खेल चुके हैं। उन्होंने साल 2020-21 में मुम्बई सिटी एफसी के कप्तान के रूप में लीग डबल किया था और उससे पहले उन्होंने बेंगलुरू एफसी के साथ आई-लीग और फेडरेशन कप जीता था। अमरिंदर ने पिछले सीजन में ओडिशा एफसी के साथ सुपर कप भी जीता था और इस दौरान गोल्डन ग्लव अवार्ड भी अपने नाम किया था। एक साधारण पृष्ठभूमि से यहां तक आने के बाद, अमरिंदर जीवन में पूर्व आई चुनौतियों पर बहुत विस्तार से बात करते हैं, जैसे कि किस तरह से आईएसएल फुटबॉल को बतौर करियर अपनाकर युवा भारतीय फुटबॉलरों के सपने पूरे कर रहा है और उनके माता-पिता की वित्तीय रूप से मदद कर रहा है। अमरिंदर ने कहा, 'हम अपने गांवों की संकरी गलियों में खेलते हुए बड़े हुए हैं। मेरे घर में ऐसी कोई गेंद नहीं बची है जिसे मैंने लात मारकर न तोड़ा हो। बेशक, यह महत्वपूर्ण है कि बतौर युवा, आपको कड़ी मेहनत करनी होगी और धीरे-धीरे उन विकल्पों और प्लेटफार्मों का पता लगाना होगा जो आपके करियर को आगे बढ़ने का मौका देते हैं।' उन्होंने आगे कहा, 'बचपन में आप पैसे के बारे में नहीं सोचते। लेकिन आगे चल कर, आपको अपने परिवार का ध्यान रखना होता है। इस पहलू पर आईएसएल से हमें काफी सुधार मदद मिली है। जब मैं आईएसएल में एकेडमी के बच्चों को देखता हूं, तो सभी माता-पिता मानते हैं कि फुटबॉल में भी भविष्य है और यह एक ऐसा बदलाव है जो बहुत मायने रखता है। अधिकतर माता-पिता जानते हैं कि यदि उनके बच्चे क्रिकेट नहीं खेलते हैं, तो वे फुटबॉल खेल सकते हैं, और उनका भविष्य सुरक्षित रहेगा।' साल 2015 से आईएसएल से जुड़े रहने के कारण, अमरिंदर लीग द्वारा खिलाड़ियों को प्रदान किए गए विदेशी अनुभव के शुरुआती लाभार्थियों में से एक रहे हैं।

आईसीसी ने वानिंदु हसरंगा पर लगाया दो टेस्ट मैचों का प्रतिबंध

दुबई (एजेंसी)

अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने मंगलवार को श्रीलंका के हरफनमौला खिलाड़ी वानिंदु हसरंगा को बांग्लादेश के खिलाफ दो टेस्ट मैचों की श्रृंखला के लिए

निलंबित कर दिया गया है। हसरंगा ने पिछले साल इस प्रारूप से संन्यास लेने के बाद टेस्ट क्रिकेट में वापसी करने का फैसला किया था। बांग्लादेश के खिलाफ हाल ही में समाप्त हुई श्रृंखला के तीसरे वनडे के दौरान, हसरंगा को खिलाड़ियों और खिलाड़ी समर्थन कार्मिक के लिए आईसीसी आचार संहिता के अनुच्छेद 2.8 का उल्लंघन करने का दोषी पाया गया, जो अंतरराष्ट्रीय मैच के दौरान अंपायर के फैसले पर असहमति दिखाने से संबंधित है। यह घटना खेल के 37वें ओवर में घटी जब हसरंगा ने एक अंपायर से उसकी टोपी छीन ली और मैच में अंपायरिंग का मजाक उड़ाया। बांग्लादेश ने चार विकेट से मुकाबला जीतकर सीरीज 2-1 से अपने नाम कर ली। हसरंगा को अपने अपराध के लिए 50 प्रतिशत मैच फीस का जुर्माना और तीन डिमेरिट अंक प्राप्त हुए। इससे 24 महीने की अवधि में उनके कुल अवगुण अंक आठ हो गए। पिछले महीने दांबुला में अफगानिस्तान के खिलाफ तीसरे टी20 में तीन डिमेरिट अंक प्राप्त करने के बाद ऑलराउंडर पहले से ही पांच डिमेरिट अंक पर थे, जिसके कारण उन्हें बांग्लादेश के खिलाफ दो टी20 के लिए निलंबित कर दिया गया था। अब, नवीनतम अवगुण अंकों के जुड़ने के साथ, उन्होंने आठ अवगुण अंकों की सीमा को तोड़ दिया है, जो संहिता के अनुच्छेद 7.6 के अनुसार, चार निलंबन अंकों में बदल दिए गए हैं।

बडोसा ने मियामी में सिमोना हालेप की वापसी रोकी, वीनस विलियम्स को मिली हार

फ्लोरिडा (एजेंसी)

दो बार की ग्रैंड स्लैम चैंपियन सिमोना हालेप की वापसी को पाउला बडोसा ने रोक दिया, जिन्होंने मियामी ओपन के पहले दौर में 1-6, 6-4, 6-3 से जीत हासिल की। फरवरी में दोहा के बाद बडोसा की यह पहली जीत थी। दुनिया के 80वें नंबर की खिलाड़ी चोटों से जूझ रही हैं। उनका अब वर्ष का रिकॉर्ड 5-5 हो गया है। हालाँकि, हालेप डब्ल्यूटीए टूर से 18 महीने की अनुपस्थिति के बाद वापस लौट आई। दो हफ्ते पहले, वैश्विक खेल की शीर्ष खेल मध्यस्थता अदालत (सीएएस) ने टेनिस से उनका प्रतिबंध घटाकर नौ महीने कर दिया - अनिवार्य रूप से, समय पूरा हो गया। फैसले के बाद, हालेप ने मियामी ओपन टूर्नामेंट के निदेशक जेम्स ब्लेक से वाइल्ड कार्ड स्वीकार कर लिया। इस बीच, डायना श्नाइडर ने मियामी ओपन के पहले दौर में तीन बार की चैंपियन वीनस

फरवरी में दोहा के बाद बडोसा की यह पहली जीत थी। दुनिया के 80वें नंबर की खिलाड़ी चोटों से जूझ रही हैं। उनका अब वर्ष का रिकॉर्ड 5-5 हो गया है। हालाँकि, हालेप डब्ल्यूटीए टूर से 18 महीने की अनुपस्थिति के बाद वापस लौट आई।

विलियम्स को 1 घंटे और 19 मिनट में 6-3, 6-3 से हराकर वीनस की रिकॉर्ड 22वीं उपस्थिति को समाप्त कर दिया। यह प्रतियोगिता कई विरोधाभासों में से एक थी। 43 वर्षीय विलियम्स 2024 के मुख्य ड्रा में सबसे उम्रदराज खिलाड़ी थीं जबकि 19 वर्षीय श्नाइडर इस वर्ष खेल रही छह किशोरों में से एक हैं। विलियम्स मियामी में अपना 85वां मुख्य ड्रॉ मैच खेल रही थीं, जो एक और टूर्नामेंट रिकॉर्ड है (इस बार, बहन सेरेना के साथ संयुक्त); डब्ल्यूटीए के अनुसार, श्नाइडर अपना पहला मैच खेल रही थी और पिछले साल अपने पदार्पण पर लॉरा सीगमंड से क्वालीफाइंग के पहले दौर में हार गई थी। दूसरी ओर, 2018 ऑस्ट्रेलियन ओपन विजेता डेनमार्क की कैरोलिन वोज्नियाकी तीन पूर्व ग्रैंड स्लैम चैंपियनों में से एकमात्र थीं, जो महिला एकल ड्रॉ के दूसरे दौर में पहुंचीं। डेनिश वाइल्ड कार्ड खिलाड़ी ने फ्रांस की क्लारा बुरेल को 6-1, 6-4 से हराने के लिए केवल 1 घंटे 17 मिनट की जरूरत पड़ी और अब वह तीसरे दौर में जगह बनाने के लिए यूक्रेन की एन्हेलिना कलिनिना से भिड़ेंगी।

एक नज़र

श्रीलंका के खिलाफ टेस्ट सीरीज से बाहर हुए मुशिफकुर रहीम

चटगांव (एजेंसी) श्रीलंका के खिलाफ टेस्ट सीरीज से पहले बांग्लादेश को बड़ा झटका लगा है। टीम के अनुभवी विकेटकीपर-बल्लेबाज मुशिफकुर रहीम अंगूठे की चोट के कारण सीरीज से बाहर हो गए हैं।

श्रीलंका के खिलाफ तीसरे वनडे के दौरान फील्डिंग करते समय मुशिफकुर के अंगूठे पर गेंद लग गई थी। मैच के बाद हुई जांच से पता चला कि मुशिफकुर के अंगूठे में फ्रैक्चर है। बांग्लादेश के फिजियो बायजेदुल इस्लाम खान ने पुष्टि की कि मुशिफकुर श्रीलंका के खिलाफ दो टेस्ट मैचों की श्रृंखला में नहीं खेल पाएंगे और उनके चार सप्ताह तक बाहर रहने की उम्मीद है। आईसीसी ने बायजेदुल के हवाले से कहा, मैच के बाद, मुशिफकुर का ढाका में स्कैन हुआ, जिसमें उनके दाहिने अंगूठे में फ्रैक्चर का पता चला। इसलिए, लगभग तीन से चार सप्ताह तक उनके बाहर रहने की संभावना है।

आईपीएल 2024 : दिल्ली कैपिटल्स की कप्तानी करेंगे ऋषभ पंत

नई दिल्ली (एजेंसी) इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के आगामी संस्करण में ऋषभ पंत दिल्ली कैपिटल्स की कप्तानी करेंगे। फ्रैंचाइजी ने मंगलवार रात उक्त घोषणा की। विकेटकीपर-बल्लेबाज 14 महीने के बाद पेशेवर क्रिकेट में वापसी कर रहे हैं, और विजाग में दिल्ली कैपिटल्स के प्री-सीजन तैयारी शिविर का हिस्सा रहे हैं।

इस अवसर पर बोलते हुए, डीसी के अध्यक्ष और सह-मालिक पार्थ जिंदल ने मंगलवार को कहा, हमें अपने कप्तान के रूप में ऋषभ का वापस स्वागत करते हुए खुशी हो रही है। धैर्य और निडरता ने हमेशा उनके क्रिकेट ब्रांड को निर्धारित किया है। मैं उन्हें एक बार फिर हमारी टीम से बाहर जाते हुए देखने का इंतजार नहीं कर सकता क्योंकि हम नए जोश, जोश और उत्साह के साथ नए सीज़न का इंतजार कर रहे हैं।

त्रिसा जॉली और गायत्री गोपीचंद की जोड़ी स्विस ओपन के दूसरे दौर में

बासेल (एजेंसी) भारत की त्रिसा जॉली और गायत्री गोपीचंद की जोड़ी अमेरिका के एनी शू और कैरी शू को सीधे गेम में हराकर स्विस ओपन सुपर 300 बैडमिंटन टूर्नामेंट के महिला युगल वर्ग के दूसरे दौर में पहुंच गई। पिछले सप्ताह आल इंग्लैंड ओपन से पहले दौर में बाहर हुई भारतीय जोड़ी ने 39 मिनट में 21.15, 21.12 से जीत दर्ज की।

महिला युगल में तीन अन्य भारतीय जोड़ियों को पहले दौर में पराजय का सामना करना पड़ा। अश्विनी भट और शिखा गौतम को चौथी वरीयता प्राप्त हांगकांग की युंग एंगा तिंग और युंग पुइ लाम ने 21.13, 16.21, 21.14 से हराया। वहीं रितुपर्णा पांडा और श्वेतापर्णा पांडा को शीर्ष वरीयता प्राप्त इंडोनेशिया की अप्रियानी राहायु और सिति फादिया सिल्वा रामाधंती ने 21.4, 21.6 से मात दी। सिमरन सिंघी ओर रितिका ठकेर को इंडोनिशया की त्रिया मायासारी और रिबका सुगिआर्तो ने 21.17, 21.7 से हराया।

आरसीबी ने टीम के नाम में किया बदलाव, 'बैंगलोर' को बदलकर 'बेंगलुरु' किया

बेंगलुरु (एजेंसी) इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2024 से रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर को रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के नाम से जाना जाएगा। फ्रेंचाइजी ने मंगलवार रात इसकी घोषणा की और यह 2008 में अपनी स्थापना के बाद से इसके नाम में पहला बदलाव है।

यह घोषणा आरसीबी द्वारा चिन्नास्वामी स्टेडियम में एक कार्यक्रम के दौरान की गई, जहां विराट कोहली, फाफ डु प्लेसिस, हाल ही में डब्ल्यूपीएल चैंपियन स्मृति मंधाना और पुरुष और महिला दोनों टीमों के अन्य खिलाड़ी मौजूद थे। इवेंट में, आरसीबी ने कर्नाटक और भारत के पूर्व तेज गेंदबाज आर विनय कुमार को अपने हॉल ऑफ फेम के तीसरे खिलाड़ी के रूप में घोषित किया। सूची में एबी डिविलियर्स और क्रिस गेल शुरूआती दो खिलाड़ी हैं, जिन्हें पिछले संस्करण में शामिल किया गया था।

2024 ओलंपिक से पहले वाली होने वाली विभिन्न महत्वपूर्ण अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं के लिए शॉटगन टीमें घोषित

टीम का पहला असाइनमेंट पेरिस ओलंपिक की फाइनल क्वालीफाइंग प्रतियोगिता होगी जो 19-29 अप्रैल, 2024 के बीच कतर की राजधानी दोहा में खेली जाएगी। इसके लिए 12 सदस्यीय टीम की घोषणा की गई है।

नई दिल्ली (एजेंसी)

देश में ओलंपिक खेल निशानेबाजी की शासी निकाय, नेशनल राइफल एसोसिएशन ऑफ इंडिया (एनआरएआई) ने मंगलवार को इस वर्ष के सबसे बड़े आयोजन, पेरिस 2024 ओलंपिक से पहले वाली होने वाली विभिन्न महत्वपूर्ण अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं के लिए भारतीय शॉटगन टीमों की घोषणा की। पेरिस 2024 ओलंपिक खेल जुलाई के अंत में निर्धारित हैं। टीम का पहला असाइनमेंट पेरिस ओलंपिक की फाइनल क्वालीफाइंग प्रतियोगिता होगी जो 19-29 अप्रैल, 2024 के बीच कतर की राजधानी दोहा में खेली जाएगी। इसके लिए 12 सदस्यीय टीम की घोषणा की गई है। पुरुषों और महिलाओं के ट्रैप और स्कीट में प्रत्येक एक-एक कोटा के साथ चार कोटा अभी भी हासिल किये जा सकते हैं, मौजूदा कोटा धारकों को स्वाभाविक रूप से बाहर रखा गया है। पुरुषों के ट्रैप में पृथ्वीराज टोंडिमन और विवान कपूर, महिलाओं के ट्रैप में श्रेयसी सिंह और मनीषा कीर, पुरुषों की स्कीट में मैराज अहमद खान और शीराज शेख और अंत में महिलाओं की स्कीट में गनेमत सेखों और महेश्वरी चौहान घोषित तीन (दलों) टीमों का हिस्सा रहेंगे। जबकि ज़ोरावर संधू को दोहा में पुरुषों के ट्रैप में, नीरू को महिलाओं के ट्रैप में, ओलंपियन अंगद बाजवा को पुरुषों की स्कीट में और अरीबा खान को महिलाओं की स्कीट में प्रतिस्पर्धा करने का मौका मिला है जो वहां से पेरिस कोटा हासिल करने का पूरा प्रयास करेंगें। फिर पेरिस तक होने वाले अंतिम तीन आयोजनों, इटली के उम्ब्रिया में ग्रीन कप शॉटगन, अजरबैजान की राजधानी बाकू में आईएसएसएफ संयुक्त विश्व कप (दोनों मई में) और , इटली के लोनाटो में जून में शॉटगन विश्व कप के साथ कोटा धारक भवनीश मेंदीरत्ता (पुरुष ट्रैप), राजेश्वरी कुमारी (महिला ट्रैप), अनंत जीत सिंह नरूका (पुरुष स्कीट) और रायज़ा ढिल्लन (महिला स्कीट) शीर्ष रैंक के खिलाड़ियों के साथ वापसी करेंगें। ओलंपिक शॉटगन के संभावित खिलाड़ी पहले से ही नई दिल्ली में एक तकनीकी प्रशिक्षण शिविर से गुजर रहे हैं, जिसके बाद दोहा के लिए उनके प्रस्थान से पहले ट्रैप और स्कीट दोनों टीमों के लिए केंद्रित तैयारी शिविर आयोजित किए जाएंगे। शॉटगन दस्ते ने खेलों के साथ अपने लंबे जुड़ाव में अब तक सबसे अधिक संख्या में ओलंपिक कोटा (4) जीते हैं।

एमएस धोनी ने ट्रेनिंग में जड़ा अपना आइकॉनिक 'हेलीकॉप्टर शॉट', फिटनेस की सारी चिंताएं कर दी दूर

नई दिल्ली (एजेंसी)

महेंद्र सिंह धोनी इस समय आईपीएल 2024 की तैयारियों में जोर-शोर से जुटे हुए हैं। चेन्नई सुपरकिंग्स के कप्तान ने ट्रेनिंग सत्र के दौरान अपना आइकॉनिक हेलीकॉप्टर शॉट खेला और पुराने समय की यादें ताजा कर दी। पता हो कि गत चैंपियन सीएसके शुक्रवार को अपने अभियान की शुरुआत आरसीबी के खिलाफ करेगा। एमएस धोनी हाल ही में अपने लंबे बालों के कारण सुर्खियों में थे। वह ट्रेनिंग में बढ़-चढ़कर हिस्सा ले रहे हैं और नेट्स पर बल्लेबाजी करते समय काफी अच्छी लय में नजर आए। सीएसके के बैटिंग कोच माइक हसी ने कप्तान धोनी की बल्लेबाजी पर करीब से निगाह रखी। वैसे, कयास लगाए जा रहे हैं कि एमएस धोनी के लिए आईपीएल 2024 आखिरी सीजन हो सकता है। साफ बात है कि वो इसे यादगार बनाना चाहेंगे। एमएस धोनी ने पिछले साल कहा था कि वो फैंस के लिए एक सीजन और खेलने की कोशिश करेंगे। बहरहाल, एमएस धोनी का एक वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हुआ, जिसमें वो सीएसके के गेंदबाजों की धुनाई करते हुए नजर आ रहे हैं। महान विकेटकीपर बल्लेबाज ने इसी बीच आइकॉनिक हेलीकॉप्टर शॉट भी खेला, जिसकी जमकर तारीफ हो रही है। वीडियो में नजर आया कि बैटिंग कोच माइक हसी ने एमएस धोनी से कुछ बातचीत भी की।

एमएस धोनी के बारे में ये क्या कह गए नवजोत सिद्धू

नई दिल्ली (एजेंसी)

राजनीति की पिच छोड़कर नवजोत सिंह सिद्धू एक बार फिर कमेंट्री में वापसी करने जा रहे हैं। इंडियन प्रीमियर लीग 2024 के दौरान स्टार स्पोर्ट्स के कमेंट्री पैनल में नवजोत सिंह सिद्धू भी शामिल हैं और उन्होंने आईपीएल के आगाज से पहले ही अपनी कमेंट्री से सबको अपनी ओर खींच लिया है। टीम इंडिया के पूर्व सलामी बल्लेबाज नवजोत सिंह सिद्धू के लिए कमेंट्री कोई नई बात नहीं है। क्रिकेट से संन्यास के बाद सिद्धू ने लंबे समय तक कमेंट्री की है, लेकिन इसके बाद वह राजनीति में चले गए और कमेंट्री से उन्होंने दूरी बना ली। लेकिन एक बार फिर राजनीति की पिच को छोड़कर एक

बार फिर सिद्धू कमेंट्री पैनल में आ रहे हैं और उनकी कमेंट्री सुनना कितना मजेदार अनुभव होने वाला है, इसका नजराना तो अभी देखा जाएगा। स्टार स्पोर्ट्स ने अपने इंस्टाग्राम हैंडल से सिद्धू का एक वीडियो शेयर किया है। जिसमें एमएस धोनी को लेकर अपने दिल की बात कह रहे हैं। उन्होंने कहा कि, इस आदमी को देखिए, इसकी फिटनेस देखिए, ये विकेटकीपर है, 42 साल की उम्र में ये आदमी सीएसके की कप्तानी कर रहा है और टीम को जीत भी दिला रहा है। ये जो कर रहा है, वो शानदार है, मेरे लिए ये संभव है ही नहीं, मैं तो इसे चमत्कार मानता हूं। चमत्कार है, तो नमस्कार है। उन्होंने आगे कहा कि, सोने को तुम आग में डालोगे, तो कुंदन बनकर निकलेगा।

तूफानी मिचेल स्टार्क के रिंकू सिंह ने उड़ाए होश, खेला ऐसा शॉट...

नई दिल्ली (एजेंसी)

कोलकाता नाइटराइडर्स ने मंगलवार को ईडन गार्डन्स पर इंट्रा स्क्वाड मैच खेला, जिसमें रिंकू सिंह और मिचेल स्टार्क के बीच गजब की जंग देखने को मिली। स्टार्क ने अपनी गति वाली लेंथ बॉल से रिंकू सिंह को परेशान किया। रिंकू सिंह तो भाग्यशाली रहे कि उनका कैच थर्ड-मैन में छूट गया। इसके बाद मिचेल स्टार्क पारी का आखिरी ओवर करने आए।

बाएं हाथ के तेज गेंदबाज ने पहली गेंद नीची फुलटॉस डाली, जिस पर रिंकू सिंह ने डीप मिडविकेट के

ऊपर से दनदनाता छक्का जड़ दिया। रिंकू सिंह के इस शॉट का वीडियो क्लिप सोशल मीडिया पर वायरल हुआ। फैंस फिनिशर रिंकू की जमकर तारीफ कर रहे हैं। बता दें कि केकेआर का इंट्रा स्क्वाड मैच स्टार्क की पर्पल टीम और टीम गोल्ड के बीच खेला गया। मिचेल स्टार्क ने शुरुआत में कहर बरपाती हुई गेंदों से रहमानुल्लाह गुरबाज और युवा अंगरिक्ष रघुवंशी को खूब परेशान किया। हालांकि, ऑस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाज के आखिरी ओवर में 20 रन खर्च हुए।

स्टार्क ने अपने स्पेल का अंत 1/40 के साथ किया। इस बीच रिंकू सिंह ने 16 गेंदों में 37 रन की तेजतर्रार पारी खेली। उप-कप्तान नितीश राणा ने भी 30 गेंदों में अर्धशतक जमाया। वरुण चक्रवर्ती ने 40 रन देकर दो विकेट झटके। मिचेल स्टार्क आईपीएल में इतिहास के सबसे महंगे खिलाड़ी बनकर लौट रहे हैं। केकेआर ने स्टार्क को रिकॉर्ड 24.75 करोड़ रुपये में खरीदा था। ऐसा माना जा रहा है कि स्टार्क पर अपनी मोटी कमाई का अत्यधिक दबाव होगा। हालांकि, पूर्व कप्तान गौतम गंभीर ने कहा कि केकेआर के एक्स फैक्टर मिचेल स्टार्क होंगे। ''मैं तो ऑक्शन टेबल पर ही कह चुका था कि स्टार्क एक्स फैक्टर होंगे और मुझे विश्वास है कि वो प्रदर्शन करेंगे। उन पर प्राइस टैग का कोई दबाव नहीं है। मुझे उम्मीद है उन्होंने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में जो किया है, वो ही केकेआर के लिए भी करेंगे।

सिल्वर स्क्रीन पर अश्वथामा का किरदार निभायेंगे शाहिद कपूर

बॉलीवुड के जानेमाने अभिनेता शाहिद कपूर सिल्वर स्क्रीन पर 'अश्वथामा' का किरदार निभाते नजर आयेंगे। पूजा एंटरटेनमेंट के बैनर तले बन रही फिल्म 'अश्वत्थामा द सागा कंटीन्यूज़' में शाहिद कपूर 'अश्वत्थामा' का किरदार निभाते नजर आयेगे।यह फिल्म महाभारत के अमर योद्धा अश्वत्थामा की कहानी पर रोशनी डालती है, जिनके बारे में माना जाता है कि वह आज भी हमारे बीच मौजूद हैं। पहले इस फिल्म में विक्की कौशल थे लेकिन शाहिद कपूर को अब लीड रोल में लिया गया है।इस फिल्म का निर्माण वाशु भगनानी, जैकी भगनानी और दीपशिखा देशमुख ने अपने बैनर पूजा एंटरटेनमेंट के तहत किया है और सचिन रवि द्वारा निर्देशित है। जैकी भगनानी ने कहा,हर प्रोजेक्ट जो हम करते हैं वह एंटरटेनमेंट से कहीं ज्यादा होते है, यह एक ऐसा अनुभव बनाने का प्रयास है जो दर्शकों के दिल और दिमाग में गहरी छाप छोड़ता है और हमेशा के लिए उनकी यादों का हिस्सा बन जाता है। बड़े मियां छोटे मियां के बाद मुझे एक अनोखी फिल्म करना था और तब यह फिल्म हमारे पास आयी यह उस कहानी पर एक मॉर्डन स्पिन है जिसे हम सभी जानते हैं और इस लीजेंड की व्याख्या हासिल करना एक खुशी की बात है। निर्देशक सचिन रवि ने बताया,मेरे लिए, अमरता एक दिलचस्प कॉन्सेप्ट है जो ढेर सारी भावनाओं और ड्रामा की व्यापक रंगों को जगा देता है। महाभारत से अश्वत्थामा की कहानी, जिन्हें माना जाता है कि आज भी जीवित है, ने उनकी कथा में गहराई से जाने की मेरी इच्छा को प्रेरित किया। मेरा मकसद इस कहानी में जिंदगी भरना, उसे आज की टाइमलाइन में रखना और एक अमर आत्मा के जटिल मानसिकता को समझना कि वह उस दुनिया को कैसे देखता है जिसे उसने हजारों सालों तक देखा है। मैंने उनकी कहानी को एक एपिक स्केल एक्शन फिल्म की भव्यता के साथ पेश करने की कोशिश की। **(एजेंसी)**

प्रस्तुत 'सत्यजीत रे आइकन सिनेमा अवार्ड्स 2024' का भव्य व सफल आयोजन

ओपन सर्च. संवाददाता

इंपीरियल मोशन पिक्चर इन एसोसिएशन विथ श्रेया एंटरटेनमेंट एंड प्रोडक्शंस द्वारा प्रस्तुत सेकन्ड सत्यजीत रे आइकन सिनेमा अवार्ड्स 2024 का भव्य और सफल आयोजन मुम्बई के सेंट एंड्रूज़ ऑडिटोरियम बांद्रा में 11 मार्च को किया गया। सत्यजीत रे आइकन सिनेमा अवार्ड्स SRICA के संस्थापक रविन्द्र आर चौहान, निर्देशक के हुसैन और प्रमोटर शब्बीर शेख हैं। SRICA समिति के सदस्यों में राम कार्ले, सुनील के चौहान, अल्पेश कथिरिया, गणेश तांबे, चंदू पितले, आमिल मल्लिक, कुंज पांडे, मनोज कुमार सिंह, निरंजन सिंह, हेमा शाह, अनमोल द्विवेदी, अब्दुल कदीर, रेखा खान, सौरभ वर्मा, विनोद भोसले, राजपाल रामपेली, मंशी सैकिया का नाम उल्लेखनीय है।

इस पुरुस्कार समारोह के मुख्य अतिथि हेमन्त कुमार राय (सीएमडी - श्रेया ग्रुप) थे। अन्य गणमान्य अतिथियों में श्री गुरुमाँ, श्री प्रताप सरनाईक विधायक ठाणे, श्री संजय माशिलकर शिवसेना, श्री बी.एन. तिवारी अध्यक्ष फेडरेशन और श्री कमल मास्टर कोरियोग्राफर का नाम उल्लेखनीय है। विशिष्ठ अतिथि के रूप में नरेंद्र बाबूराव पवार (पूर्व आमदार) और भाजपा नेता एल्विन दास भी उपस्थित रहे। इस पुरस्कार के विजेता के नाम निम्नलिखित हैं। फ़िल्म धाक टीम को सम्मानित किया गया जिनमे अनीस बारुदवाले, निदेशक, निसार अख्तर डायलॉग राइटर, मोहम्मद सलीम मुल्लानवर अभिनेता/निर्माता, शीना शाहाबादी अभिनेत्री, वैष्णवी मैकडोनाल्ड सपोर्टिंग अभिनेत्री, निलोफर गेसावत सपोर्टिंग अभिनेत्री, इरफ़ान इसहाक एडिटर को यह अवार्ड मिला। फ़िल्म द रियल एनकाउंटर की टीम को भी इस सम्मान से नवाजा गया। प्रदीप चुरीवाल निर्माता, साबिर शेख निदेशक, अली खान सपोर्टिंग अभिनेता, शाहबाज़ खान सपोर्टिंग क्टर, एहसान खान को नकारात्मक भूमिका के लिए यह अवार्ड मिला। फ़िल्म टाइगर ऑफ राजस्थान की टीम से अरविन्द कुमार राजस्थानी अभिनेता को यह सम्मान मिला। ताली की टीम से श्रीगौरी सावंत सामाजिक कार्यकर्ता, रवि जाधव निदेशक, अफ़ीफ़ा नाडियाडवाला प्रोडयूसर और हेमन्त चौधरी अभिनेता को यह अवार्ड दिया गया। अन्य पुरस्कार विजेता गणमान्य हस्तियों में वेटरन क्टर रंजीत, धीरज कुमार, अनुपम खेर, इस्माइल दरबार, सयाजी शिंदे, साजिद सामजी, साजिद अली (साजिद-वाजिद), दिलीप सेन, पंछी जालौनवी, रुबीना अख्तर, राजीव एस रुइया, राज आशु, स्वाति शर्मा, अमित गुप्ता और कई अन्य टीवी सेलेब्स शामिल रहे। सामाजिक क्षेत्र में योगदान के लिए अनिल काशी मुरारका, डॉ अमजद खान पठान, जुबेर एस शेख, नूरुद्दीन सेवावाला, हुसैन नलवाला, सैयद हुसैनी अशरफ/सैयद अजीज अशरफ, सईद सय्यद, एनपी भावसर, डॉ संदीप मारवाह और सुनील सेठी को इस अवार्ड से नवाजा गया है।

शुरुआती कारोबार में बाजार गिरावट से उबरा, सेंसेक्स 237 अंक चढ़ा

मुंबई (एजेंसी) वैश्विक बाजारों में तेजी और विदेशी पूंजी के प्रवाह के बीच घरेलू शेयर बाजार बुधवार को शुरुआती कारोबार में पिछले सत्र की गिरावट से उबरते नजर आए। बीएसई का 30 शेयरों वाला सूचकांक सेंसेक्स शुरुआती कारोबार में 237.36 अंक बढ़कर 72,249.41 अंक पर पहुंच गया। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का सूचकांक निफ्टी भी 74.25 अंक चढ़कर 21,891.70 अंक पर पहुंच गया। सेंसेक्स में शामिल कंपनियों में से मारुति सुजुकी, पावर ग्रिड, नेस्ले, इंडसइंड बैंक, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज और विप्रो प्रमुख रूप से लाभ में रहीं। दूसरी तरफ जेएसडब्ल्यू स्टील, टाटा स्टील, हिंदुस्तान यूनिलीवर और टाटा मोटर्स के शेयरों में गिरावट दर्ज की गई। एशियाई बाजारों में दक्षिण कोरिया का कॉस्पी, चीन का शंघाई कंपोजिट और हांगकांग का हैंगसेंग बढ़त के साथ कारोबार कर रहे थे। अमेरिकी शेयर बाजार मंगलवार को बढ़त के साथ बंद हुए थे। शेयर बाजार के आंकड़ों के मुताबिक, विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने मंगलवार को 1,421.48 करोड़ रुपये के शेयरों की शुद्ध खरीदारी की। वैश्विक तेल मानक ब्रेंट क्रूड 0.17 प्रतिशत गिरकर 87.23 अमेरिकी डॉलर प्रति बैरल पर आ गया।

ईस्पोर्ट्स, गेम डेवलपमेंट में अधिक अवसरों की संभावना : सीआईआई

पुणे (एजेंसी) भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) के विशेषज्ञों का मानना है कि ऐसे समय में जब देश का गेमिंग क्षेत्र उल्लेखनीय छलाँग के लिए तैयार है, ईस्पोर्ट्स और गेम डेवलपमेंट उद्योग में अधिक नौकरियाँ पैदा की जा सकती हैं। पुणे में हाल ही में संपन्न इंडिया गेमिंग शो में सीआईआई के अध्यक्ष आर. दिनेश ने कहा, भारत में बौद्धिक संपदा के क्षेत्र में नए रास्ते बनाने की अपार क्षमता है, जिससे ईस्पोर्ट्स और गेम डेवलपमेंट में अधिक नौकरियों के सृजन का रास्ता खुलेगा। दिनेश ने आने वाले वर्षों में तेजी से विकास का अनुमान लगाते हुए इस उभरते क्षेत्र के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय दोनों मोर्चों पर इनकी बढ़ती प्रमुखता पर जोर देते हुए वीडियो गेम और ईस्पोर्ट्स क्षेत्र की परिवर्तनकारी यात्रा को रेखांकित किया। इंडिया गेमिंग शो के छठे संस्करण में 10 देशों का प्रतिनिधित्व करने वाले 70 से अधिक प्रदर्शकों ने भाग लिया, जिसमें इंडोनेशिया ने अतिथि देश के रूप में शुरुआत की।

इस वर्ष पहली बार 66 हजार के करीब पहुंचा गोल्ड का दाम, बनेंगे कई रिकॉर्ड

नई दिल्ली (एजेंसी) सोने की कीमत में लगातार तेजी के साथ इजाफा होता जा रहा है। सोने की कीमत 20 मार्च को अब तक के ऑल टाइम हाई पर पहुंच गई है। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन का कहना है कि 10 ग्राम सोने की कीमत 206 रुपये बढ़ गई है। इसके साथ ही सोने का भाव 65,795 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गया है। बता दें कि इससे पहले 65 हजार रुपये के आसपास सोने की कीमत 11 मार्च को थी। इस दौरान सोने की कीमत ने सर्वाधिक हाई रिकॉर्ड बनाया था। वहीं चांदी की कीमत में भी तेजी देखने को मिल रही है। चांदी की कीमत 15 रुपये अधिक होकर 73,859 रुपये प्रति किलो पर पहुंची है। इससे पहले चांदी का दाम 73,844 रुपए था। चांदी का ऑल टाइम हाई रिकॉर्ड चार दिसंबर 2023 को देखने को मिला था जब चांदी की कीमत 77,073 रुपये पर थी। मार्च के महीने में सोने की कीमत में अब तक तीन हजार रुपये की बढ़ोतरी दर्ज हो चुकी है। एक मार्च को सोने की कीमत 62,592 रुपए प्रति 10 ग्राम थी, जो 20 मार्च को 65,795 रुपए प्रति 10 ग्राम हो गई है। 20 दिनों में ही सोने के भाव 3200 रुपये तक बढ़ गए है।

स्टार्टअप के लिए उच्चतम बाजार पूँजीकरण से अधिक महत्वपूर्ण है सुशासन : उद्योग जगत

नई दिल्ली (एजेंसी)

बायजूज जैसी कुछ भारतीय डिजिटल कंपनियाँ, जिनकी वैल्यूएशन एक समय 22 अरब डॉलर थी, कॉरपोरेट गवर्नेंस के मुद्दों में उलझ गई हैं। उद्योग के शीर्ष नेताओं का कहना है कि उच्चतम बाजार पूँजकरण पर पहुँचने की तुलना में ईमानदारी और सुशासन के साथ एक साफ-सुथरी कंपनी चलाना अधिक महत्वपूर्ण है। अनुभवी निवेशक और इन्फो एज के संस्थापक संजीव बिखचंदानी ने फिनटेक क्षेत्र की प्रमुख कंपनी क्रेड के संस्थापक कुणाल शाह के साथ बातचीत में कहा कि कंपनी के नेतृत्वकर्ता की भूमिका स्टॉक बेचने की नहीं है, बल्कि यह सुनिश्चित करने की है कि जब कोई और अपना स्टॉक बेचना चाहता है, तो पर्याप्त खरीदार हों। उन्होंने सीआरईडी क्यूरियस के नवीनतम एपिसोड में शाह से कहा, एक नेता को सभी शेयरधारकों के लिए कंपनी बनाने की

ज़रूरत होती है, और यह सुनिश्चित करना होता है कि हर कोई अमीर हो, न कि केवल खुद। शाह ने कहा कि संस्थापकों को सह-संस्थापकों, सहकर्मियों और शेयरधारकों से बात कर विश्वास बनाने की जरूरत है। उन्होंने कहा, विश्वास के सिद्धांत सत्यनिष्ठा, निरंतरता, सक्षमता, परोपकार हैं; सभी की मौजूदगी विश्वास की गारंटी नहीं देती, लेकिन किसी की अनुपस्थिति अविश्वास पैदा करती है। उनके मुताबिक, एक व्यक्ति की गलती पूरे पारिस्थितिकी तंत्र पर असर डालती है। उद्योग के दिग्गजों ने तर्क दिया, 10 वर्षों में कई अधिक लाभदायक और बड़ी भारतीय इंटरनेट कंपनियाँ होंगी। हम सभी पारिस्थितिकी तंत्र के भागीदार हैं और क्षमता, निर्णय, व्यवहार की हर त्रुटि हम सभी को प्रभावित करती है। ईमानदार कार्यप्रणाली और सुशासन के साथ एक साफ-सुथरी कंपनी चलाना उच्चतम बाजार पूँजीकरण से भी अधिक महत्वपूर्ण है। भीकचंदानी ने संस्थापकों को कंपनी को केवल तभी सार्वजनिक करने की सलाह दी जब मुनाफा इसका समर्थन करने के लिए पर्याप्त हों। वहीं, शाह ने सुझाव दिया कि कंपनियों को केवल तभी सार्वजनिक होना चाहिए जब वे एक सार्वजनिक कंपनी की तरह आठ तिमाहियों को चला चुकी हों।

बायजूज जैसी कुछ भारतीय डिजिटल कंपनियाँ, जिनकी वैल्यूएशन एक समय 22 अरब डॉलर थी, कॉरपोरेट गवर्नेंस के मुद्दों में उलझ गई हैं। उद्योग के शीर्ष नेताओं का कहना है कि उच्चतम बाजार पूँजकरण पर पहुँचने की तुलना में ईमानदारी और सुशासन के साथ एक साफ-सुथरी कंपनी चलाना अधिक महत्वपूर्ण है।

तृप्ति डिमरी ने 'भूल भुलैया 3' पर दिया अपडेट, कहा- 'कुछ नया' होने वाला है

अपने लाजवाब अभिनय और हुस्न के दम पर 'नेशनल क्रश' का दर्जा हासिल करने वाली एक्ट्रेस तृप्ति डिमरी ने अपनी अपकमिंग फिल्म 'भूल भलैया 3' को लेकर लेटेस्ट जानकारी साझा की है। इस फिल्म में उनके साथ रुपहले पर्दे पर सह-अभिनेता कार्तिक आर्यन भी अपनी जबरदस्त एक्टिंग का जलवा बिखेरते हुए नजर आएंगे। यह फिल्म कैसी होगी? इस बारे में एक्ट्रेस ने कहा, 'इसमें आपको कई रहस्यमय दृश्य के साथ-साथ कई डरावने और कॉमेडी भरे सीन्स भी देखन को मिलेंगे।' एक्ट्रेस ने आगे कहा, 'इसमें कोई दो मत नहीं है कि यह फिल्म बिल्कुल ताजातरीन होगी।÷ हालांकि, फिल्म के बारे में अन्य जानकारियों का इंतजार है। फिल्म में विद्या बालन भी हैं। हिंदी हॉरर-कॉमेडी फ्रेंचाइजी फिल्म 'भूल भुलैया' का यह तीसरा पार्ट है। इसका पहला भाग प्रियदर्शन द्वारा निर्देशित किया गया था और 2007 में रिलीज़ हुआ था। इसमें अक्षय कुमार मुख्य भूमिका में थे। दूसरा पार्ट 2022 में रिलीज़ हुआ। फिल्म में कार्तिक के साथ कियारा आडवाणी और तब्बू थीं। रणबीर-कपूर-स्टारर 'एनिमल' रिलीज होने के ठीक बाद तृप्ति का करियर ग्राफ बदल गया। उन्होंने 'बुलबुल',

'काला' और 'लैला मजनू' जैसी फिल्मों में शानदार अभिनय किया है। वह विक्की कौशल और एमी विर्क के साथ 'बैड न्यूज' में भी नजर आएंगी। **(एजेंसी)**

जोमैटो ने शाकाहारी ग्राहकों के लिए 'प्योर वेज मोड' किया लॉन्च

नई दिल्ली (एजेंसी)

शाकाहारी लोगों के लिए एक अच्छी खबर है। ऑनलाइन फूड डिलीवरी कंपनी जोमैटो ने शत प्रतिशत शाकाहारी आहार प्राथमिकता वाले ग्राहकों के लिए 'प्योर वेज मोड' और 'प्योर वेज फ्लीट' लॉन्च किया है। कंपनी की ऐप में अब ग्राहकों को 'प्योर वेज मोड' मिलेगा।

जोमैटो के संस्थापक और मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) दीपिंदर गोयल ने मंगलवार को 'एक्स' पोस्ट (पूर्व में ट्विटर) पर जारी एक बयान में यह जानकारी दी है। गोयल ने कहा कि हम आज उन ग्राहकों के लिए जोमैटो पर प्योर वेज फ्लीट के साथ प्योर वेज मोड को लॉन्च कर रहे हैं, जो शत प्रतिशत शाकाहारी आहार पसंद करते हैं। जैमैटो सीईओ के मुताबिक कंपनी की ऐप में अब ग्राहकों को 'प्योर वेज मोड' मिलेगा। गोयल ने कहा कि प्योर वेज मोड में यूजर्स को केवल उन रेस्टोरेंट्स से ही खाना डिलीवर किया जाएगा, जहां केवल शाकाहारी खाना बनता है। उन्होंने कहा कि दुनिया में शाकाहारियों का प्रतिशत भारत में सबसे ज्यादा है, उनसे हमें जो सबसे महत्वपूर्ण है, यह है कि वे इस बात को लेकर बहुत खास हैं कि उनका खाना कैसे पकाया जाता है, और उनके भोजन को कैसे संभाला जाता है। उल्लेखनीय है कि जोमैटो एक भारतीय बहुराष्ट्रीय ऑनलाइन रेस्तरां खोजने और खाना मंगवाने वाली कंपनी है।

जोमैटो ने अपनी शाकाहारी सेवा के लिए हरे रंग की वेशभूषा का फैसला पलटा

नई दिल्ली (एजेंसी)

खाने-पीने के सामान की ऑनलाइन आपूर्ति करने वाली कंपनी जोमैटो ने शाकाहारी उत्पादों की आपूर्ति के लिए एक अलग सेवा शुरू करने को लेकर हो रही आलोचना के बीच बुधवार को कहा कि उसके सभी कर्मचारी पहले की तरह सिर्फ लाल रंग की वेशभूषा में ही नजर आएंगे। जोमैटो के मुख्य कार्यपालक अधिकारी दीपिंदर गोयल ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि शाकाहारी उत्पादों की आपूर्ति करने वाले कर्मचारियों को हरे रंग की वेशभूषा पहनाने का विचार

छोड़ा जा रहा है और सभी आपूर्तिकर्ता लाल रंग की वेशभूषा में ही रहेंगे। गोयल ने कहा, 'हम शाकाहारी ग्राहकों के लिए एक अलग दस्ता शुरू करना जारी रख रहे हैं लेकिन हमने वेशभूषा के रंग के आधार पर फर्क को हटाने का फैसला किया है। हमारे सामान्य दस्ते और शाकाहारी दस्ते दोनों के ही सदस्य लाल रंग की वेशभूषा में ही रहेंगे।' दरअसल शाकाहारी उत्पादों की आपूर्ति के लिए एक अलग दस्ता बनाने के जोमैटो के फैसले का सोशल मीडिया पर विरोध होने लगा था। लोगों का कहना था कि लाल और हरे रंग के आधार पर आपूर्तिकर्ताओं को आवासीय सोसाइटी के भीतर घुसने देने को लेकर विवाद हो सकता है। इसी के बाद जोमैटो ने इस फैसले में बदलाव किया है। गोयल ने कहा कि सभी चालकों के सिर्फ लाल रंग की ही वेशभूषा में रहने से शाकाहारी या मांसाहारी उत्पादों के आपूर्तिकर्ताओं के बीच कोई फर्क नहीं हो सकेगा। हालांकि कंपनी के ऐप पर ये दोनों खंड अलग-अलग नजर आते रहेंगे।

द्वारका एक्सप्रेसवे के आसपास घरों की कीमतों में तेजी आने की संभावना: विशेषज्ञ

नई दिल्ली (एजेंसी)

राजधानी से सटे गुरुग्राम में द्वारका एक्सप्रेसवे के आसपास की आवासीय परियोजनाओं में घरों की औसत कीमतें पिछले 10 वर्षों में 83 प्रतिशत तक बढ़ी हैं और इस एक्सप्रेसवे का पहला खंड खुलने के साथ कीमतों में आगे और भी तेजी आ सकती है। रियल एस्टेट विशेषज्ञों ने यह अनुमान जताया है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मार्च की शुरुआत में कुल 29 किलोमीटर लंबे द्वारका एक्सप्रेसवे में से 19 किलोमीटर लंबे हिस्से का उद्घाटन किया था। रियल एस्टेट सलाहकार एनारॉक के संकलित आंकड़ों के मुताबिक, 2013 और 2023 के बीच लगभग 53,000 आवास इकाइयां एक्सप्रेसवे के आसपास शुरू की गई जिनमें से 80 प्रतिशत से अधिक इकाइयों की बिक्री पहले ही हो चुकी है। द्वारका एक्सप्रेसवे के प्राथमिक आवासीय बाजार में घरों की औसत कीमतें 2013 में 4,530 रुपये प्रति वर्ग फुट से बढ़कर 2023 में 8,300 रुपये प्रति वर्ग फुट हो गई। रियल्टी फर्म सिग्नेचर ग्लोबल के चेयरमैन प्रदीप अग्रवाल ने उम्मीद जताई कि द्वारका एक्सप्रेसवे पर मांग-आपूर्ति मजबूत रहेगी, जिससे कीमतों में बढ़ोतरी होगी। उन्होंने कहा, 'अगले दो-तीन वर्षों में 20-40 प्रतिशत मूल्य वृद्धि का संकेत मिलता है।'

रियल्टी फर्म क्रिसुमी कॉरपोरेशन के प्रबंध निदेशक मोहित जैन ने कहा कि इस क्षेत्र में संपत्ति की कीमतें पिछले कुछ वर्षों में बढ़ी हैं और एक्सप्रेसवे के चालू होने से आने वाले महीनों में दरें 10-15 प्रतिशत तक बढ़ सकती हैं। एलन ग्रुप के वरिष्ठ उपाध्यक्ष विनीत डावर ने कहा कि लगभग 10-15 प्रतिशत मूल्य वृद्धि की संभावना दिख रही है। एमवीएन इन्फ्रा के उपाध्यक्ष और बिक्री एवं विपणन प्रमुख धीरज डोगरा ने कहा, 'लक्जरी घरों के लिए सकारात्मक दृष्टिकोण बना हुआ है। इस साल के अंत तक बिक्री लगभग 50 प्रतिशत बढ़ने की उम्मीद है।' एनारॉक के वाइस चेयरमैन संतोष कुमार ने कहा, '2020 और 2023 के बीच इस क्षेत्र में घरों की औसत कीमतों में 41 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। अब एक्सप्रेसवे के चालू होने के साथ इसके और बढ़ने की संभावना है।'

रियल एस्टेट विशेषज्ञों ने यह अनुमान जताया है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मार्च की शुरुआत में कुल 29 किलोमीटर लंबे द्वारका एक्सप्रेसवे में से 19 किलोमीटर लंबे हिस्से का उद्घाटन किया था।

अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपया शुरुआती कारोबार में एक पैसे मजबूत

मुंबई (एजेंसी)

अमेरिकी फेड नीति की घोषणा से पहले बुधवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपया शुरुआती कारोबार में एक पैसे की बढ़त के साथ 83.02 पर पहुंच गया। घरेलू शेयर बाजारों में मजबूती के बीच अंतरबैंक विदेशी मुद्रा बाजार में रुपया 83.03 के पिछले बंद स्तर के मुकाबले 83.00 पर खुला। शुरुआती कारोबार में रुपया एक पैसे की बढ़त के साथ 83.02 प्रति डॉलर पर कारोबार कर रहा था। कच्चे तेल की कीमतों में बढ़ोतरी और विदेशी फंड की निकासी के बीच

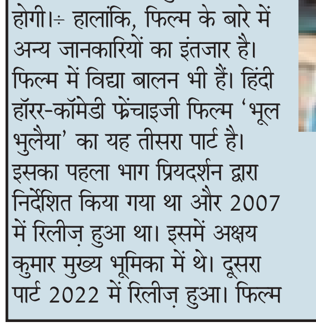

स्थानीय मुद्रा मंगलवार को 13 पैसे लुढ़कते हुए पिछले महीने में पहली बार 83 के स्तर से नीचे आ गई। पिछले सात सत्रों में अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपये में गिरावट आई है। छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की मजबूती को परखने वाला डॉलर सूचकांक 0.40 प्रतिशत बढ़कर 103.85 पर कारोबार कर रहा था। वैश्विक तेल मानक ब्रेंट क्रूड वायदा कई महीनों के उच्चतम स्तर 87.24 अमेरिकी डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार कर रहा था। घरेलू शेयर बाजार में 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 236.33 अंक बढ़कर 72,248.38 पर पहुंच गया। निफ्टी भी शुरुआती कारोबार में 67.60 अंक बढ़कर 21,885.05 अंक पर पहुंच गया। शेयर बाजार के आंकड़ों के मुताबिक, विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने मंगलवार को 1,421.48 करोड़ रुपये के शेयरों की शुद्ध खरीदारी की।